फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 2 प्रभात जयपुर, शनिवार 2 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

What Trump's Apple Threat Means for India...

Apple and India have invested years and billions of dollars in teaming up against China. India sees it as a strength. To President Trump, it looks like leverage

Hindu Who Destroyed Temples

What Makes Some Words Funny?

'चाहे आप रिटायर हो जाएं या घर बैठ जाएं, हम आपको बख्शेंगे नहीं'

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को सार्वजनिक धमकी दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। एक तीखे बयान में, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह भाजपा के लिए वोट चुरा रहा है।

इसे देशद्रोह करार देते हुए, राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस द्वारा की गई जांच और सामने आए खुलासे एक "परमाणु बम" की तरह फटेंगे और इन धमाकों के असर में चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।

इसी के साथ, उन्होंने स्पष्ट और कड़े शब्दों में यह चेतावनी जारी की कि चुनाव आयोग में ऊपर से लेकर नीचे तक जो भी भाजपा के लिए वोट चोरी में शामिल पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, क्योंकि यह देश के खिलाफ राष्ट्रद्रोह के समान है। उन्होंने कहा, "आप कहीं भी हों, सेवानिवृत्त हों या न हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।"

- **राहुल ने कहा, आपने मतदाता सूचियों से नाम काटने का अगर काम किया है तो वह देशद्रोह के समान है और इसे माफ नहीं किया जा सकता।**
- **राहुल ने इस संदर्भ में आगे कहा कि "वोटों की चोरी" को पकड़ने में चुनाव आयोग ने हमारे साथ सहयोग नहीं किया, अतः हमने हमारे साधनों से गत छः महीने में जाँच की है, वोटों की चोरी के प्रकरण की तथा जो जानकारी हमें मिली है, वह विस्फोटक है, "एटम बम" की तरह, और वह धमाका चुनाव आयोग को खत्म कर देगा।**
- **राहुल ने कहा कि यह विस्फोटक जानकारी पूरी तरह संजोकर, एक सप्ताह में अपनी कर्नाटक यात्रा के दौरान उजागर करेंगे।**
- **चुनाव आयोग ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राहुल गांधी के आरोप आधारहीन व गैरजिम्मेदाराना हैं। अतः चुनाव आयोग के अधिकारी राहुल गांधी के वक्तव्य को तवज्जो नहीं दें तथा जायज़ व पारदर्शी तरीके से अपना काम करते रहें।**

विपक्ष के नेता ने कहा कि उनकी पार्टी को शुरू में मध्य प्रदेश में संदेह हुआ था, और महाराष्ट्र में यह और पुख्ता हो गया, जहाँ कुछ महीनों के भीतर एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए।

उन्होंने कहा, "चूंकि चुनाव आयोग ने हमारा समर्थन या सहयोग नहीं किया, इसलिए हमने खुद के स्तर पर जाँच की। जो हमें मिला, वह एक परमाणु बम की तरह है; एक बार जब यह फट जाएगा, तो चुनाव आयोग कहीं भी दिखाई नहीं देगा।"

गांधी ने कहा कि पार्टी ने गहराई और बारीकी से जाँच की। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी को पूरे विस्तृत विवरण तक पहुँचने में लगभग छह महीने लगे, और निष्कर्षों का खुलासा बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग किस तरह भाजपा के पक्ष में वोटों का हेरफेर कर रहा है।

इस तरह के तीखे हमले के बाद, बचाव की मुद्रा में आए चुनाव आयोग के पास प्रतिक्रिया देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव आयोग ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोपों को "आधारहीन" और "गैर-जिम्मेदाराना" कहकर खारिज कर दिया। आयोग ने एक बयान में कहा, "दैनिक धमकियों और आधारहीन आरोपों के बावजूद, आयोग सभी चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसटी वर्ग की बेटियों को समान अधिकार से वंचित रखना अनुचित'

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसटी वर्ग की महिला के पैतृक संपत्ति में अधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में कहा है कि आजादी के सात दशक बाद भी एसटी समुदाय की बेटियों को समान अधिकारों से वंचित करना अनुचित है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 2(2) के प्रावधानों की समीक्षा करे

- **हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार से, जरुरत हो तो कानून में संशोधन करने को कहा।**

और यदि जरूरत हो तो प्रावधानों में संशोधन करे। अदालत ने आशा जताई है कि केन्द्र सरकार इस मामले में विचार करेगी और सुप्रीम कोर्ट की ओर से कमला नेती के मामले में निर्देश के आधार पर उचित निर्णय लेगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश मन्नी देवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। वहीं, अदालत ने याचिकाकर्ता से जुड़े मामले में प्रतिवादी पक्ष की ओर से सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत पेश अर्जी को खारिज करते हुए एसडीओ को निर्देश दिए हैं कि वे दो साल में लंबित वाद का निस्तारण करें।

अदालत ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रावधान स्पष्ट रूप से दर्शाते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अन्य देशों को अब अमेरिका की महँगाई का भार वहन करना पड़ेगा'

ट्रंप का दावा काफी गलत साबित हुआ टैरिफ बढ़ाने के बारे में

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 1 अगस्त। अमेरिका में 1 अगस्त का दिन है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के नए शुल्क प्रभावी हो रहे हैं, ऐसे में अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक नई सच्चाई से हतप्रभ नज़र आ रहा है।

शेयरों में व्यापक गिरावट आई है और नए आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है।

अभी जारी किए गए जुलाई के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां जोड़ी गईं, जो अब तक की सबसे कम हैं। नई नौकरियों का सृजन, जो अर्थव्यवस्था की गति का एक प्रमुख पैमाना है, कुछ हद तक धीमा हो रहा था और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

अमेरिका आमूलचूल परिवर्तन की नई वास्तविकता के प्रति जाग रहा है। एक मुक्त अर्थव्यवस्था और मुक्त व्यापार का गढ़ रहा अमेरिका अब एक संरक्षणवादी (प्रोटैक्शनिस्ट)

- **अमेरिकावासियों को अब महँगी पड़ने लगीं वो वस्तुएँ, जो वो सदा से आसानी से सस्ते दामों में खरीदने के आदी हो गये थे।**
- **उदाहरण के लिए, फ्रांस व जर्मनी की वाइन्स व स्विटज़रलैंड की लग्ज़री घड़ियाँ।**
- **अमेरिका की इकॉनमी भी "स्लोडाउन" के दौर में फंसती जा रही है। उदाहरण के लिए, जुलाई माह के आंकड़ों के अनुसार, केवल 73,000 नये रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं, जो कई दशकों में सबसे कम है।**
- **भारत में निर्मित सामान लगभग गायब ही हो जाएगा, अमेरिका के मार्केट में। क्योंकि 25 प्रतिशत का टैरिफ व ऊपर से रूस से ऑयल खरीदने के कारण लगी पेनल्टी के कारण भारत का माल अन्य देशों की तुलना में महँगा हो जायेगा।**

अर्थव्यवस्था की ओर रुख कर रहा है। इसने न केवल अमेरिका के करीबी सहयोगियों को निराश किया है, बल्कि आम अमेरिकियों को भी निराश कर रहा है।

डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे, कि अन्य देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी, के विपरीत यह एहसास हो रहा है कि अमेरिका के लोगों को उन कई उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करना होगा, जिनकी उन्हें आदत है। बेशक, इस मार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोमवार, बुधवार व गुरुवार को "इन्टर्न्स एंट्री" वर्जित होगी सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट में यह नई व्यवस्था, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के आग्रह पर की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कानून के इन्टर्न्स को सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम में प्रवेश से रोक दिया है, जो कि विविध मामलों की सुनवाई के दिन होते हैं।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अनुरोध के बाद उठाया गया है।

एक विज्ञप्ति में कहा गया, "सक्षम अधिकारियों ने विविध प्रकार के केसों की सुनवाई के दिनों में, यानी सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कानून के इन्टर्न्स के कोर्टरूम के अंदर प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा किए गए अनुरोध

- **वरिष्ठ व प्रैक्टिसिंग वकीलों की शिकायत थी कि "इन्टर्न्स" की भारी भीड़ के कारण वकीलों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट जाने में भी दिक्कत हो रही थी।**
- **साथ ही इन प्रशिक्षु इन्टर्न्स की उपस्थिति के कारण न्यायालय में सभी सीटें भर जाती थीं तथा इन्टर्न्स आग्रह करने के बाद भी इन सीटों को खाली करने को तैयार नहीं होते थे तथा प्रैक्टिसिंग वकीलों को काफी समय खड़ा रहना पड़ता था।**

को स्वीकार कर लिया है।"

कानून के इन्टर्न्स को नियमित सुनवाई के दिनों, यानी बुधवार और गुरुवार को कोर्ट परिसर और गलियारों में जाने की अनुमति होगी।

बार एसोसिएशन ने पहले भी कोर्ट को एक पत्र लिखकर कानून के इन्टर्न्स पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था, जिसमें कोर्ट के अंदर भीड़भाड़ का हवाला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा था, "यह देखा गया है कि सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को कोर्टरूम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरूण चतुर्वेदी राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बने

अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। प्रदेश में निकाय चुनाव से पहले भजनलाल सरकार ने बड़ी

- **आने वाले दिनों में और राजनैतिक नियुक्तियाँ होने की संभावना है।**

राजनीतिक नियुक्ति की है। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया है।

अब माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जल्द ही और राजनैतिक नियुक्तियां होने की संभावना है। इसमें प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेताओं के नाम शामिल होने की संभावना है।

9 सितम्बर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होगा

चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 21 अगस्त तक पर्चा दाखिल किया जा सकेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, अगस्त। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होगा और परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिया जाएगा।

यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा पिछले महीने अचानक इस्तीफा देने के कारण जरूरी हो गया है। इस चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की जाएगी और नामांकन भरने की अंतिम तारीख 21 अगस्त होगी।

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल (इलैक्टोरल कॉलेज) द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सभी निर्वाचित और मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के सभी निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने कार्यकाल के समाप्त होने से लगभग दो साल पहले इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्र सरकार, जिसका वे कभी

- **चुनाव आयोग के अनुसार, चुनाव में राज्यसभा व लोकसभा के सभी सदस्य मतदान कर सकेंगे, तथा एनडीए के दोनों सदनों में 422 सदस्य हैं तथा चुनाव जीतने के लिए 391 वोट की ही आवश्यकता है।**
- **अतः एनडीए के उम्मीदवार का जीतना लगभग तय ही माना जा रहा है।**

मजबूती के साथ बचाव किया करते थे, के साथ उनके रिश्तों में तनाव आने के साथ ही, दोनों के बीच परस्पर विश्वास भी समाप्त हो गया था।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 की धारा 2 के अनुसार, यदि उपराष्ट्रपति पद, उपराष्ट्रपति की मृत्यु, इस्तीफा, हटाए जाने या किसी अन्य कारण से रिक्त हो जाये, तो उस पद को "यथाशीघ्र" भरने के लिए चुनाव कराना आवश्यक है। नए निर्वाचित व्यक्ति को कार्यभार संभालने की तिथि से पूरे पाँच साल का कार्यकाल मिलेगा।

इस चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

लोकसभा की कुल 543 में से एक सीट (बसीरहाट, पश्चिम बंगाल) खाली है, जबकि राज्यसभा की 245 सीटों में से पाँच रिक्त हैं। राज्यसभा की 5 रिक्त सीटों में से चार सीटें जम्मू-कश्मीर से और एक पंजाब से है। पंजाब की सीट आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई, जो हाल ही में उपचुनाव में विधानसभा के लिए चुन लिये गये गए।

दोनों सदनों की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 782 है और यदि सभी सदस्य मतदान करें, तो बहुमत पाने के लिये 391 वोटों की जरूरत होगी।

लोकसभा में एनडीए के पास 542 में से 293 सदस्यों का समर्थन है। राज्यसभा (प्रभावी संख्या 240) में एनडीए के पास 129 सदस्यों का समर्थन है, यह मानते हुये कि सभी मनोनीत सदस्य एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

इस प्रकार, सत्तारूढ़ गठबंधन के पास कुल मिलाकर 422 सांसदों का समर्थन है।

एसआई भर्ती पेपर लीक : सरकार 4 अगस्त को पक्ष रखेगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में याचिकाकर्ता पक्ष की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को रखी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। आगामी सुनवाई पर राज्य सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा जाएगा।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने भर्ती को रद्द करने की गुहार करते हुए याचिका दायर की है। याचिका में यह प्रार्थना नहीं है कि भर्ती को लेकर राज्य सरकार कोई

- **याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने अपनी बहस पूरी की।**

निर्णय ले। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से भर्ती रद्द नहीं करने का निर्णय लेने के आधार पर ही याचिका सारहीन नहीं हो जाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 226 में हाईकोर्ट को व्यापक शक्तियां प्राप्त है और वह याचिका में की गई प्रार्थना से भी आगे बढक़र फैसला दे सकता है। एसओजी की रिपोर्ट मिलने के स्त्रोत नहीं बताने की राज्य सरकार की आपत्ति पर याचिकाकर्ता ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दस्तावेज कहां से मिले, वे सही हैं या नहीं, यह महत्व रखता है। यदि दस्तावेज सही हैं तो हाईकोर्ट को जनहित में उन पर संज्ञान लेना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी करने के बाद, अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को तय की है।

छात्रसंघ चुनाव- राज्य सरकार 10 दिन में जवाब देगी

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दस दिन का समय दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश

- **हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने समय माँगा।**

छात्र जय राव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उन्होंने मामले में जवाब पेश करने के लिए अदालत से दस दिन का समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1974 से चला आ रहा, 75 बीघा जमीन की अवाप्ति का मामला अब निपटा

अदालत ने जे.एल.एन. मार्ग पर स्थित उक्त भूमि पर मूल पक्षकार के वंशजों का दावा खारिज किया और कहा कि राज्य सरकार ही भूमि का मालिकाना हक रखती है

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाई कोर्ट में झालाना डूंगरी में स्थित एम.एन.आई.टी. के पास स्थित 75 बीघा 15 बिस्वा जमीन के राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित 50 वर्ष से भी अधिक पुराने विवादित मामले में फैसला सुनाया है। मामले में न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की अदालत में उक्त भूमि पर मालिकाना हक जता रहे पक्षकार, जो स्व. त्रिलोकी नाथ साहनी के वंशज है, उनका दावा अदालत ने खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि टी. एन. साहनी के वंशज भूमि अवाप्ति के लिए राज्य सरकार से 91 लाख रुपये से भी अधिक के मुआवजा मांग रहे है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि राज्य सरकार स्वतंत्र है किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपराधी कार्यवाही जारी करने के लिए, जो इस भूमि की अवाप्ति की प्रक्रिया में आड़े आता है।

इस मामले के संक्षिप्त तथ्यों के अनुसार वर्ष 1955 में, बृजमोहन, जो स्व. रूपनारायण नामक व्यक्ति के नाबालिग बेटे थे, उनके अभिभावक ने, जे.एल.एन. मार्ग के समीप झालाना डूंगर में करीब 188 बीघा 8 बिस्वा जमीन को त्रिलोकी नाथ साहनी को 4

- **मूल पक्षकार के वंशजों को 1990 में सिविल जज ने राहत देते हुए आदेश दिये थे कि राज्य सरकार उक्त भूमि अवाप्त किये जाने की एवज में पक्षकारों को प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करे।**
- **अब हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर उक्त आदेश को रद्द कर दिया और यह भी आदेश दिए हैं कि यदि उक्त भूमि को अवाप्त करने और कब्जा लेने की प्रक्रिया में कोई आड़े आता है तो राज्य सरकार उस व्यक्ति विशेष के खिलाफ अपराधिक कार्यवाही शुरू कर सकती है।**

रु. प्रति बीघा पर किराये पर दी थी।

इस मामले के जिरह के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि बृजमोहन के निधन के बाद 1, नवम्बर, 1958 को सरकार ने सार्वजनिक कार्यों के लिए ले लिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता का कहना है कि इस मामले में मूल पक्षकार त्रिलोकी नाथ साहनी ने 1960 में राजस्व के विभाग के सेटलमेंट अधिकारी के समक्ष उक्त भूमि के सवाईचक घोषित किये जाने के खिलाफ आवेदन दायर किया। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि तहसीलदार ने त्रिलोकीनाथ को घूसपैठिए नहीं मानते हुए, और माफीदार के पट्टे के साथ एक उक्त जमीन पर किरायेदार घोषित कर दिया, हालांकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने तहसीलदार के आदेश को राज्य सरकार के अपील पर खारिज कर दिया था, और अपीलेट अदालतों ने भी कलेक्टर के आदेश को सही माना।

विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि वर्ष 1979 में हाईकोर्ट की एक खण्डपीठ ने आदेश पारित करें जिसके तहत सरकार को आदेश दिये गये थे, कि त्रिलोकीनाथ जिस भूमि के कब्जे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

हम देश के नागरिक यह स्वीकार नहीं करेंगे कि विदेशी फर्जी मतदाता, भारत के भाग्य विधाता बनें (भाग-2)

पूर्व में दिनांक 25 जुलाई 2025 के राष्ट्रदूत के अंक में उपरोक्त शीर्षक से एक सम्पादकीय लेख प्रकाशित हुआ। वर्तमान् लेख उस लेख का दूसरा भाग है।

पूर्व के लेख में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयत्न किया है कि विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में चुनाव आयोग ने यह पाया है कि बिहार की ड्राफ्ट इलेक्ट्रोरल रोल में 66 लाख मतदाताओं ने 22 लाख वे लोग हैं जो मृतक हैं, 36 लाख वे हैं जो अन्य स्थायी स्थानों पर शिफ्ट हो चुके हैं अथवा जिसका कोई अता पता नहीं है। एक लाख ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अन्तिम तिथि तक अपने फार्म भरकर वापिस नहीं किये गये हैं। हाँ इनकी वास्तविक संख्या का पता 1 अगस्त 2025 के बाद स्क्रूटनी समाप्ति पर पता चलेगा। यह भी सच है कि वास्तविक (उाहल्हा) मतदाता के नाम 1 अगस्त 2025 से 1 सितम्बर 2025 के मध्य, जोड़े भी जा सकते हैं। 7 लाख मतदाता जो Multiple Places पर पंजीकृत हैं, उन्हें केवल एक स्थान पर रखा जावेगा।

ये रिट् याचिकायें कई व्यक्तियों अथवा संस्थाओं आदि ने सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की हैं जो जेरकार हैं। मुख्य याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिवव रिफोर्म की है जिसमें प्रशान्त भूषण सीनियर एडवोकेट पैरवी कर रहे हैं। देश के सभी यशस्वी एडवोकेट इन याचिकाओं में विभिन्न याचिकाओं में पैरवी कर रहे हैं जिनमें मुख्य सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल भी एक हैं। चुनाव आयोग की ओर से पैरवी करने वालों में सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी हैं।

जवाब व बहस के दौरन चुनाव आयोग ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष स्पष्ट किया है कि बिहार राज्य की मतदाता सूची का विशेष सघन निरीक्षण की प्रक्रिया जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) में दिये गये अधिकारों के अन्तर्गत् की जा रही है जो प्रक्रिया विधि सम्मत है। दिनांक 28 जुलाई 2025 की कार्यवाही के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के समय कहा कि अधार कार्ड व ईपीआईसी कार्ड पुनरीक्षण के समय देखे जा सकते हैं, क्योंकि इनके बाबत यह धारणा बनाने का अधिकार है कि वे सही हैं। दिनांक 28 जुलाई 2025 को खण्डपीठ ने स्थगन आदेश देने से इन्कार कर दिया। इसका अर्थ था कि चुनाव आयोग 1 अगस्त 2025 तक अपनी ड्राफ्ट Electoral Roll अपनी यथोनिश्चित तारीख तक प्रकाशित कर सकते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 2025 की केस की तारीख दिनांक 29 जुलाई, 2025 को कुछ देर सुनवाई के बाद स्थगित कर दी गई, क्योंकि खण्डपीठ के सदस्य जस्टिस सूर्यकान्त उस दिन एक अन्य प्रशासनिक कार्य में व्यस्त थे। खण्डपीठ के दूसरे न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची हैं। दिनांक 28.07.2025 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मसोदा (ड्राफ्ट) मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से मना कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि वह चुनाव आयोग की विशेष सघन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक बार में अन्तिम निर्णय करेगा।

दिनांक 28.07.2025 की सुनवाई के दौरान खण्डपीठ ने दो मुख्य सुझाव दिये वे इस प्रकार हैं:-

(1) जस्टिस सूर्यकान्त ने सुझाव दिया कि व्यापक रूप से निष्कासन के बजाय व्यापक रूप से समावेश की दिशा में काम होना चाहिये।

(2) खण्डपीठ ने चुनाव आयोग को यह निर्देश दिया कि वह बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत् आधार व वोटर आई स्वीकार करना जारी रखें। कोर्ट ने कहा जहां तक राशन कार्ड की बात है वे आसानी से नकली बनाये जा सकते हैं। यह भी कहा गया कि कोई भी डोक्यूमेण्ट फर्जी बनाया जा सकता है।

दिनांक 29 जुलाई, 2025 की बहस भी बहुत रोचक रही।

एडीआर के एडवोकेट ने चुनाव आयोग के एडवोकेट के उस स्टेटमेण्ट की ओर खण्डपीठ का ध्यान आकर्षित किया कि जब 65 लाख मतदाताओं ने जब फार्म ही नहीं भरा, क्योंकि वे या तो स्वर्गवासी हो गये अथवा कहीं चले गये तो क्या उन तथाकथित लोगों को पुनः अपना नाम लिस्ट में दाखिल कराने के हेतु कार्यवाही करनी होगी। खण्डपीठ के न्यायाधीश सूर्यकान्त ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है अतः उसकी कार्यशैली कानूनानुसार ही होनी चाहिये और यदि ऐसा नहीं हुआ तो "We are here, we will hear you" keânkeâj Assured किया। यदि तथाकथित मतदाताओं का Mass Exclusion हुआ तो हम उचित कार्यवाही करेंगे। न्यायाधीश बागची ने कहा 15 जीवित व्यक्तियों को जिन्हें मृतक बताया है, उन्हें कोर्ट में पेश करेंगे तो हम विचार करेंगे। चुनाव आयोग के सीनियर एडवोकेट राकेश स्थिति को स्पष्ट करते हुये कहा कि ड्राफ्ट लिस्ट में कोई संशोधन होता है तो मतदाताओं आपत्ति दाखिल करने का और सक्षम अधिकारी को उसे निर्णित करने का अधिकार है।

यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

खण्डपीठ ने सुनवाई के बाद 12-13 अगस्त 2025 की तारीख अन्तिम सुनवाई के लिये नियत कर दी।

इस प्रकार इस प्रसंग में दिनांक 12-13 अगस्त 2025 को बहस होगी। इन दिनों दोनों पक्षों के सीनियर एडवोकेट्स ने जो बहस की, जो आपत्तियाँ उठाई तथा जो विशेष आपत्तियाँ रिट् याचिकाओं तथा चुनाव आयोग ने उठाई हैं, हम यदि मंथन करें तो निम्नलिखित Issues पर बहस हो सकती है:-

(1) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिाकर केवल भारत के नागरिक को प्राप्त है और जो व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 5(क) के अनुवार भारत में जन्मा था, (ख) जिसके माता-पिता में से कोई भारत में जन्मा था या (ग) भारत के राज्य क्षेत्र में अधिवासी है तथा जो प्रारम्भ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्य क्षेत्र में साधारण तौर से निवासी रहा है, भारत का नागरिक होगा और अनुच्छेद 6 से 11 के अनुसार जिसने भारत की नागरिकता प्राप्त की है, वही व्यक्ति मतदान कर सकता है। इस प्रकार नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के लोग जो वहां के निवासी हैं मतदान के अधिकारी नहीं हैं। इस आधार पर उनके डोमीसाइल सर्टिफिकेट, आधार कार्ड व राशन कार्ड जो उन्होंने प्राप्त किये हैं वे फर्जी हैं।

(2) सुप्रीम कोर्ट अथवा हाईकोर्ट में वही व्यक्ति रिट् याचिका दायर कर सकता है जो भारत का नागरिक है और जिसे संविधान के चेप्टर -III के अधिकार हैं जो याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में दायर की हैं पीआईएल हैं और ऐसे व्यक्तियों की ओर से हैं जो देश के नागरिक नहीं हैं अथवा जीवित ही नहीं हैं अथवा अन्य राज्यों में चले गये हैं यानी इनका सम्बन्ध चेप्टर -III के अधिकारों से नहीं है।

(3) चूंकि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसे Electoral Roll के बाबत अधीक्षण निर्देशन और नियंत्रण के पूर्ण अधिकार प्राप्त हैं अतः ऐसी संस्था के विरूद्ध रिट् याचिकायें जो आधार याचिकाओं में दिये हैं, उनके बाबत हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है, क्योंकि Electoral का विषय जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार है।

(4) चुनाव आयोग ने इस विषय को काफी गंभीर माना है। उसका मानना है कि यदि उसके अधिकारियों ने विशेष सघन निरीक्षण की कार्यवाही में नाम मतदाता सूची से हटा दिया है वह नागरिक मतदाता है, उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 व नियमों के अनुसार अपील का अधिकार है।

(5) आधार कार्ड व राशनकार्ड आदि पब्लिक डोक्यूमेन्टस हैं तो भी ये नागरिकता साबित करने के हेतु सारभूत व रेलेवेन्ट नहीं है।

(6) बंगाल, राजस्थान आदि राज्यों में भी चुनाव होने जा रहे हैं अतः यह वाद विषय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनहित में शीघ्राति निर्णित होना आवश्यक है। विषय गम्भीर है अतः इस केस को संवैधानिक पीठ द्वारा निर्णित किये जाने के बाबत भी विचार होना आवश्यक है।

(7) यह सच है कि चुनाव आयोग को नागरिकता के निर्णय का अधिकार नहीं है और न वह स्वंय यह मानता है, किन्तु उसे यह देखना आवश्यक है कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है, वह भारत का नागरिक है या नहीं और वह वही डोक्यूमेन्ट मांग रहा है जो नागरिकता के लिये आवश्यक है।

दिनांक 01.08.2025 को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता पुनरीक्षण अभियान की पहली ड्रफ्ट लिस्ट जारी की है। इसे अपने अधिकारिक वेबसाइट पर सांय 3 बजे अपलोड किया गया है। सभी राजनीतिक पार्टियों को इसकी कॉपी भेजी गई है। इस लिस्ट में नये नाम जोड़े गये हैं। लोगों के नाम काटे भी गये हैं। 20 लाख से अधिक के नाम काटे गये हैं, जिन्हें मृत होना पाया गया है।

चुनाव आयोग ने सूचित किया है कि सभी ऐसे लोग अथवा उसने परिवार जन, जिनके नाम नहीं हैं वे फार्म भरकर बीएलओ अथवा समक्ष अधिकारी को भेज दें, कानूनानुसार सुनवाई कर जाँच की जावेगी और यदि उन्हें मतदान का अधिकारी पाया गया तो उनके नाम जोड़ दिये जावेंगे। 1 सितम्बर 2025 तक संशोधन कराने का अवसर दिया है। 8 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिनके नाम दो जगह पर हैं, उन्हें एक जगह वोटे देने का अधिकार होगा। कई ऐसे लोग हैं, जो अपना गांव (स्थान) छोड़कर चले गये हैं। कई लाख ऐसे हैं जो बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिक हैं। जाँच का काम जारी है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

टैरिफ़ का जाल क्या भारत का निर्यात संकट वास्तविक है

सुनील दत्त गोयल

जब डोनाल्ड ट्रम्प ने 'राष्ट्रीय आपातकाल' का हवाला देते हुए भारतीय निर्यात पर 25-26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो प्रतिक्रिया तेज़ थी: बाज़ारों में अफरा-तफरी मच गई, निर्यातकों ने राहत की माँग की, और टिप्पणीकारों ने भारत को हाशिये पर बता दिया। लेकिन टैरिफ अस्तित्व का ख़तरा नहीं हैं। भारत की अर्थव्यवस्था-जो 80 प्रतिशत घरेलू माँग पर निर्भर है-सालाना निर्यात घाटे में 7 अरब डॉलर का नुकसान झेल सकती है। असली ख़तरा इस बात में है कि भारत इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है। अगर वह दबाव में ढिलाई बरतता है, तो इसके परिणाम व्यापार से कहीं आगे तक जाएँगे। ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स ($21 अरब निर्यात, 27 प्रतिशत अमेरिका को) को 4-5 प्रतिशत मार्जिन का नुकसान हो रहा है।

अगर हीरे पर छूट खत्म हो जाती है, तो रत्न और आभूषण ($8.5 अरब निर्यात) को अपना 30 प्रतिशत अमेरिकी बाज़ार हिस्सा खोने का ख़तरा है। कपड़ा उद्योग को टैरिफ़-लाभ वाले वियतनाम और बांग्लादेश से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे गुजरात और तमिलनाडु में रोज़गार ख़तरे में हैं।

कृषि और मत्स्य पालन पर 56 प्रतिशत तक टैरिफ लग सकते हैं। फिर भी, ये नुकसान, चाहे कितने भी कष्टदायक क्यों न हों, भारत को कमज़ोर नहीं करते। दवाइयों को छूट दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ 'मेक इन इंडिया' को और भी तेज़ कर सकते हैं। भारत की अमेरिका पर निर्यात निर्भरता जीडीपी का केवल 2.2 प्रतिशत है-वियतनाम के 25 प्रतिशत की तुलना में नगण्य।

अगर भारत विरोध करता है, तो वह 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनावों तक बातचीत को आगे बढ़ा सकता है, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बाज़ारों में विविधता ला सकता है, और रूसी तेल का प्रवाह जारी रख सकता है। लेकिन अगर वह पीछे हटता है, तो उसे संरचनात्मक पराजय का खतरा है। अगर भारत पीछे हटता है तो क्या होगा

कृषि क्षेत्र में आत्मसमर्पण:

टैरिफ में कटौती के लिए, भारत पर अपने डेयरी बाज़ार को अमेरिकी कृषि व्यवसाय के लिए खोलने या जीएमओ फसलों को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला जा सकता है। इससे ग्रामीण किसान-भारत का सबसे बड़ा मतदाता समूह-बर्बाद हो जाएँगे और राजनीतिक अशांति फैल जाएगी। एक बार अनुमति मिल जाने के बाद, ऐसी पहुँच को वापस लेना असंभव है।

प्रौद्योगिकी पर निर्भरता:

अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुँच से जुड़े समझौते के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी हो सकती हैं-रूसी रक्षा खरीद पर प्रतिबंध या स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अर्धचालक कार्यक्रमों पर सीमाएँ। इससे भारत वाशिंगटन की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंद हो जाएगा, जिससे उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कमज़ोर हो जाएगी।

रूसी ऊर्जा प्रतिबंध:

अमेरिकी दबाव में, भारत को रूस से रियायती तेल खरीद में कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे घरेलू ऊर्जा लागत बढ़ेगी और मुद्रास्फीति से बचाव का एक बड़ा कवच भी खत्म हो जाएगा। इससे उस रणनीतिक साझेदारी को भी नुकसान पहुँचेगा जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को बढ़त दिलाई थी।

और माँगों की मिसाल:

जैसे ही भारत किसी एक क्षेत्र में रियायत देगा, अमेरिका और माँगों पर ज़ोर देगा-जैसे डिजिटल करों में कटौती, जेनेरिक दवाओं पर बौद्धिक संपदा रियायतें, और रक्षा खरीद में पुनर्गठन-जिससे भारत की नीतिगत गुंजाइश कम हो जाएगी।

निवेशक पलायन:

यह कथित आत्मसमर्पण उन निवेशकों को डराएगा जो भारत के स्वतंत्र आर्थिक रुख को महत्व देते हैं। चीन के विकल्प के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने के बजाय, भारत को अमेरिकी व्यापार नीति के विस्तार के रूप में देखे जाने का जोखिम है। संक्षेप में, अभी पलक झपकाना टैरिफ को एक बातचीत योग्य अड़चन से एक स्थायी रणनीतिक लगाम में बदल देगा।

भारत के पास अभी भी उत्तोलन क्यों है

प्रतिद्वंद्वी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर: भारत की 26 प्रतिशत दर अभी भी चीन के 54 प्रतिशत या वियतनाम के 46 प्रतिशत की तुलना में कम दंडात्मक है।

विविध बाजार: यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते व्यापार, विशेष रूप से दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र को पुनर्निर्देशित कर सकते हैं।

ऊर्जा कवच: रूस की तेल बचत-जो सालाना अरबों डॉलर की है-भारत को अपनी ताकत से बातचीत करने का समय देती है।

अमेरिका में कानूनी अराजकता: एक संघीय न्यायालय ने पहले ही ट्रम्प की टैरिफ घोषणा को गैरकानूनी माना है, हालाँकि अपील लंबित रहने तक प्रवर्तन जारी है। यह अनिश्चितता प्रतीक्षा और निगरानी की रणनीति का पक्षधर है।

रणनीतिक खेल

भारत को चाहिए: कृषि रियायतों को हर कीमत पर अस्वीकार करें।

मध्यावधि राजनीति के उत्तोलन को बदलने तक अमेरिकी वार्ता को लंबा खींचें।

यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाएँ, गैर-अमेरिकी बाजारों का निर्माण करें। रूसी रक्षा और ऊर्जा संबंधों को दोगुना करें, स्वायत्तता को मज़बूत करें। कपड़ा, आभूषण और ऑटो पार्ट्स क्षेत्र के एमएसएमई को ऋण और कर राहत देकर घरेलू निर्यातकों को मज़बूत करें।

निष्कर्ष: झिझक की कीमत

खतरा ट्रंप के टैरिफ़ नहीं हैं-बल्कि भारत द्वारा उनसे बचने के लिए अपनी स्वायत्तता का त्याग करना है। अगर नई दिल्ली दृढ़ रहती है, तो टैरिफ़ पर बातचीत कम हो जाएगी, बाज़ार विविधीकृत होंगे, और अमेरिकी दबाव कम होगा। लेकिन अगर वह डेयरी, जीएमओ फ़सलों या रूस के मामले में झिझकती है-तो वह न सिर्फ़ यह व्यापार युद्ध हारेगी। बल्कि अगले युद्ध से लड़ने की अपनी क्षमता भी खो देगी। यह टैरिफ़ का मामला नहीं है। यह संप्रभुता का मामला है।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

शिक्षक बने पर्यावरण प्रहरी: बूंदी के मंडावरा के सरकारी स्कूल में नवाचार से सूरत बदली

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के शिक्षकों ने अपने प्रयास और जन भागीदारी से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरु उद्यान में बदल दिया है

अनुप्रिया

विद्यालय में अभियान से पूर्व की फोटो।

अभियान के बाद की फोटो, जिससे स्पष्ट पता चलता है कि जन भागीदारी और जुनून ने कैसे इस अभियान को पूर्ण सफल बनाया है।

जब राष्ट्र निर्माताओं का संकल्प और जुनून सरकार की प्रतिबद्धता और जवाबदेहिता से मिलता है तो सुशासन की छाया में बंजर जमीन भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान की प्रतिबद्धता को बूंदी जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडावरा के कर्मयोगी शिक्षकों ने धरातल पर साकार कर दिया हैं। इन शिक्षकों ने अपने भागीरथी प्रयास और जन-भागीदारी की शक्ति से एक ऊबड़-खाबड़ टीले को सुरम्य और हरे-भरे मरुद्यान में बदल दिया है, जो आज पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा-पुंज बन गया हैं।

संकल्प से सृजन की यात्रा-

भेरूपुरा बरड़ पंचायत के गाँव मंडावरा स्थित यह विद्यालय कुछ वर्ष पूर्व तक एक साधारण टीले पर बना था। प्रधानाचार्य किशन लाल मीणा और शिक्षक गोपाल मीणा की दूरदर्शी सोच ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का बीड़ा उठाया और एक सुनियोजित योजना के साथ इस ज्ञान के मंदिर का कायाकल्प शुरू हुआ। मिट्टी डालकर भूमि को समतल किया गया, पक्की दीवारें बनाकर परिसर को सीढ़ीनुमा स्वरूप दिया और फिर शुरू हुआ हरियाली का मिशन।

नवाचार और सहभागिता का संगम-इस हरित क्रांति में केवल शिक्षक ही नहीं बल्कि विद्यार्थी और ग्रामवासी भी सक्रिय भागीदार बनें। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाने के लिए 'पौधे गोद लेने' की अनूठी परंपरा शुरू की गई, जहाँ हर विद्यार्थी अपने गोद लिए पौधे की सुरक्षा करता है, उसे पानी देता है। विद्यालय में एक बीज बैंक स्थापित किया गया है जो न केवल स्कूल की जरूरतों को पूरा करता है बल्कि ग्रामीणों और आस-पास के अन्य विद्यालयों को भी निःशुल्क पौधे उपलब्ध करवाकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को विस्तार दे रहा हैं। ग्रामवासी स्वेच्छा से पौधों की देखभाल और सिंचाई की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वर्तमान में विद्यालय परिसर में अपराजिता, पारिजात और मधु कामिनी जैसे सुगंधित फूलों के साथ-साथ अनेक फलदार और छायादार वृक्ष लहलहा रहे हैं, जो हर किसी को आकर्षित करते हैं।

सिर्फ हरियाली नहीं, समग्र विकास का मॉडल-जब शिक्षकों ने अपना समय और श्रम दिया तो गांव का माहौल बदल गया। सामुदायिक भागीदारी ने नया आकार लिया, पौधारोपण और रखरखाव में स्थानीय आवश्यकता और भौगोलिक मापदंड के हिसाब से नीति बनाई गई, फिजिकल ऑडिट शुरू हुई, पारदर्शिता मानक मूल्य बन गया। आर्थिक सहयोग के एक-एक पैसे का हिसाब रखा जाने लगा जिससे भागीदारों को उत्साह मिला।

स्थानीय समुदाय में इस बगीचे और विद्यालय के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना बढ़ी जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ।

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह विद्यालय शैक्षिक और भौतिक विकास के हर मानदंड पर खरा उतरता है। बंदरों से बचाव के लिए वायर फेंसिंग, स्वच्छ पेयजल के लिए आरओ और वाटर कूलर, निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लासरूम, समृद्ध पुस्तकालय और दूधिया रोशनी में वॉलीबॉल खेलने की सुविधा वाला खेल मैदान इसे एक आदर्श विद्यालय बनाते हैं।

अनुप्रिया, पीआरओ, बूंदी।

बीकानेर में 11 जर्जर स्कूल दूसरे स्कूल में शिफ्ट होंगे

बीकानेर में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने स्कूलों का सर्वे किया

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद जर्जर और जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सुरक्षित भवन तलाशे जा रहे हैं। बीकानेर जिले में 11 स्कूलों के विद्यार्थियों की पढ़ाई अब पास के ही दूसरे स्कूलों में होगी।

झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग की ओर से राज्यभर में जर्जर स्कूलों का सर्वे करवाया जा रहा है। बीकानेर में भी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की टीम ने अनेक स्कूलों का सर्वे किया है। सर्वे में 11 स्कूल ऐसे सामने आए हैं जहां स्कूल भवन स्थिति खराब है। ऐसे में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत इन स्कूलों को पास के स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है। मुक्ता प्रसाद स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीम नगर को मुक्ता प्रसाद इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिफ्ट किया गया है। यहां अब एक भवन में तीन स्कूलों का संचालन हो रहा है।

पहली पारी में सुबह 7 से 12.30 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल मुक्ता प्रसाद के 350 विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाई जा रही हैं। जबकि सेकंड पारी में स्कूल के पांच कमरों में दोपहर 12.30 से 6 बजे तक भीम नगर स्कूल के 250 तथा चार कमरों में राउप्रावि वार्ड नंबर 17 के 137 बच्चों की कक्षाएं लग रही है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पवनपुरी दक्षिण विस्तार में भी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर कॉलोनी और राउप्रावि पवनपुरी को शिफ्ट किया जाएगा। बीकानेर जिले में करीब 32 सरकारी स्कूल किराए की बिल्डिंग में चल रहे हैं। किराए के भवनों में शिक्षा विभाग की ओर से मरम्मत के लिए बजट नहीं दिया जाता है। इसलिए इन स्कूलों की मरम्मत पिछले तीन-चार साल से नहीं हुई है। राउप्रावि कोरियों का बस नंबर स्कूल जर्जर है। इसके लिए भी शिक्षा विभाग नए भवन की तलाश कर रहा है। वहीं इन स्कूलों के मालिक को जर्जर भवनों की रिपेयरिंग के लिए कहा गया है।

राशिफल

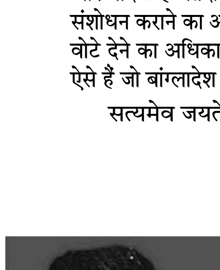

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 2 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र प्रातः 6:35 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 6:24 तक, बवकरण सायं 7:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:53 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 4:08 तक है। आज अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज अष्टमी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:35 से 9:14 तक, चर 12:33 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:12 से 5:31 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 7:10

मेष
परिवार में व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
माानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

आवासन मंत्रालय के सचिव ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का निरीक्षण किया

सचिव श्रीनिवास ने लांगड़ियावास में स्थित प्लांट का दौरा किया

जयपुर। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास ने शुक्रवार को जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया। यह प्लांट राजस्थान सरकार की स्वच्छ भारत

- **श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्य प्रणाली, उपयोग लाई जा रही तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया,पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली**

मिशन (शहरी) के अंतर्गत एक प्रमुख पहल है, जिसे जिंदल अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट (जयपुर) लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में संचालित किया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन शहरी के निदेशक जुइकर प्रतीक चंद्रशेखर एवं आयुक्त, नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) डॉ. निधि पटेल ने श्रीनिवास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्वायत्त शासन विभाग व निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता भी उपस्थित रहे।

सचिव कातिकिथाला श्रीनिवास (बीच में) ने जयपुर जिले के जमवारामगढ़ के ग्राम लांगड़ियावास में स्थित ठोस अपशिष्ट आधारित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा किया।

श्रीनिवास ने प्लांट प्रमुख से प्लांट की कार्यप्रणाली, उपयोग लाई जा रही नवीनतम तकनीकों, अपशिष्ट से ऊर्जा निर्माण प्रक्रिया एवं पर्यावरणीय लाभों पर विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने संपूर्ण प्लांट का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर श्रीनिवास ने स्वायत्त शासन विभाग, नगर निगम, जयपुर एवं जिंदल समूह के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्लांट इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र मिलकर शहरी चुनौतियों का सतत् समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह संयंत्र न केवल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक है बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक अहम योगदान दे रहा है।

फरवरी, 2025 से संचालित इस प्लांट में प्रतिदिन 1000 मीट्रिक टन ठोस कचरे का प्रसंस्करण कर प्रतिदिन 12 मेगावाट-घंटा का विद्युत उत्पादन किया जाता है जिस से लगभग 2.5 करोड़ रूपए की आय नगर निगम को होती है।

एसआई भर्ती रद्द की मांग को लेकर चल रहे धरने के 100 दिन पूरे

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमों व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर चल रहे धरने को लेकर कहा कि आज धरने को 100 दिन पूरे हो गए मगर सरकार अपने दायित्व के प्रति संवेदनशील नहीं है,उन्होंने कहा पुलिस उप निरीक्षक भर्ती को रद्द करवाने तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर उन्होंने बड़ी रैली की व लोक सभा में भी मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से आज 100 दिन आंदोलन के पूरे होने पर धरने पर बैठे युवाओं तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों ने भारत के तिरंगे के प्रतीक कलर के गुब्बारे लगाकर सरकार को संदेश दिया कि हम संविधान की भावना का सम्मान करते हुए अपना आंदोलन कर रहे है।

दिन भर रुक रुक कर छितराई हुई बारिश का दौर चला। अजमेर रोड पर आई तेज बारिश के बाद लगा लंबा जाम।

प्रधानमंत्री किसानों को जारी करेंगे पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में बांसवाड़ा में आयोजित होगा राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह**
- **किसानों को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए पीएम-किसान जैसी योजना एक मील का पत्थर है : सांसद मदन राठौड़**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को वाराणसी (उत्तरप्रदेश) से देशभर के किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 20 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से जारी करेंगे। इस आयोजन से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांसवाड़ा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह के जरिए जुड़ेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान भी उपस्थित रहेंगे। शर्मा राज्य स्तरीय समारोह में कृषि विभाग की पॉलीहाउस, सौर ऊर्जा पंप संयंत्र, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, तारबंदी और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत लाभार्थी किसानों को अनुदान राशि के प्रतीकात्मक चेक वितरण करेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना को लेकर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने पात्र परिवार और लाभार्थियों से संबंधित प्रश्न लगाया था, जिसके जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फरवरी 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना को शुरू किया था। योजना के तहत अब तक 19 किश्तों में 3.69 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि वितरित की है। पहली किश्त में जहां देशभर के 3 करोड़ 16 लाख 21 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 6324 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए थे, वहीं 19वीं किश्त के रूप में 10 करोड़ 6 लाख 85 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 23500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर सैचुरेशन ड्राइव चलाया जा रहा है। 2023 में जहां भारत संकल्प यात्रा के दौरान 1 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना में शामिल किया गया था, इसके बाद नई सरकार की 100 दिनों की पहल के तहत लगभग 25 लाख और पात्र किसान परिवारों को इसमें जोड़ा गया। इसके बाद सितंबर 2024 से विशेष अभियान चलाकर फिर से वंचित पात्र परिवारों को योजनों में शामिल करने का प्रयास किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। ट्रेन की चपेट में ओन एक युवक की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया और मोर्चरी में रखवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रेन की टक्कर से युवक उछलकर दूर जाकर गिरा। जिससे चेहरा बिगड़ने के चलते उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि धानक्या रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। ड्यूटी स्टेशन मास्टर ने लाश मिलने की सूचना जीआरपी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबूत जुटाए। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है।

जन जागरूकता अभियान में यातायात नियमों की जानकारी दी

- **पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया**

जयपुर। राजधानी जयपुर में पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरडा के निर्देशन में यातायात पुलिस जयपुर की ओर से यातायात नियमों का प्रचार-प्रसार करने के लिए सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर हर वर्ग तक यातायात जन जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस कड़ी में शुक्रवार को यातायात शिक्षा टीम द्वारा केपीएस उड़ान स्कूल विद्याधर नगर एवं टीवीबी गर्ल्स पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल अम्बाबाड़ी पर यातायात जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात शिक्षा टीम के पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं बाल वाहिनी वाहन चालकों को यातायात संकेतकों से अवगत कराया और यातायात नियमों जैसे वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हैलमेट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करने, अनावश्यक हॉर्न का उपयोग नहीं करने, नशें में वाहन नही चलाने आदि के बारे में समझाईश की गई सड़क दुर्घटना के समय अच्छा मददगार बनने तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के बारे में अवगत कराया गया। स्कूलों में ट्रैफिक क्लब बनाकर विद्यार्थियों को ट्रैफिक वालंटियर की तरह भी यातायात का व्यावहारिक प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली की समझ के लिए ट्रैफिक पॉइंट पर यातायात पुलिसकर्मियों के साथ कुछ समय के लिए नियोजन के लिए प्रेरित किया गया।

डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगी

- **अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए**
- **लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा**

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में एक डॉक्टर से चालीस लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। घर के मेन गेट पर धमकी भरा लेटर एक लिफाफे में रखकर फेंका गया। लेटर में लिखा कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। इस संबंध में पीड़ित डॉक्टर ने थाने में मामला दर्ज करवाया। वहीं पुलिस टीम की ओर से मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि करणी विहार के रहने वाले एक डॉक्टर ने मामला दर्ज करवाया है कि वह चित्रकूट इलाके में प्राइवेट क्लिनिक चलाते हैं। गत दो दिन पहले रात में अंधेरे का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर आए और घर के मेन गेट के ऊपर से एक लिफाफे में धमकी भरा लेटर फेंक कर चले गए। अगले दिन अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकल रहे थे। मेन गेट के पास उनको लिफाफा पड़ा दिखाई दिया। लिफाफा खोलकर देखने पर उसमें धमकी भरा लेटर मिला। धमकी भरा लेटर इंग्लिश में लिखा हुआ था कि ज्यादा होशियारी दिखाई तो अच्छा नहीं होगा। चुपचाप चालीस लाख रुपए दे देना। लेटर के जरिए धमकी देकर चालीस लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। पीड़ित डॉक्टर की ओर से धमकी भरा लेटर मिलने के बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से मामले को गंभीरता से लेकर जांच की जा रही है। पुलिस टीमों की ओर से पीड़ित डॉक्टर के घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है।

अनुसूचित जाति के प्रबुद्धजनों के साथ सामाजिक न्याय मंत्री ने बैठक ली

- **'अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित'**
- **गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की**

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री 3अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि सामाजिक न्याय की सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में समाज के अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अनुसूचित जाति वर्ग का उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में हुई बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास की संकल्पना दशा और दिशा पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सुधार, आक्षेपों का तुरंत निस्तारण, छात्रवृत्ति के लिए तय आय सीमा को बढ़ाने, छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने, छात्रावासों के आधुनिकीकरण, अंबेडकर भवनों में पुस्तकालय खोलने, पंचतीर्थ योजना में खासकर युवाओं को शामिल करने, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था बेहतर करने, छात्रावासों की मॉनिटरिंग करने, नए छात्रावास खोलने सहित अन्य विषय संस्थाओं द्वारा उठाए गए।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों पर अमल कर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

इससे पहले प्रबुद्धजनों ने सामाजिक न्याय मंत्री का साफा पहनाकर स्वागत भी किया। बैठक में निजी सचिव रोहित पटेल, अतिरिक्त निदेशक सुंडाराम मीना, अशोक जांगिड़ सहित अंबेडकर मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष जसवंत संपतराम, राष्ट्रीय मेघवाल समाज संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल भाटी, एससी-एसटी आरक्षण मंच के प्रदेश मंत्री प्रकाश कुमार मेघवाल, अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के सलाहकार डॉ एस के मोहनपुरिया सहित अखिल भारतीय खटीक समाज, अंबेडकर शिक्षा साहित्य, राष्ट्रीय शिक्षक संघ अंबेडकर, संपूर्ण भारतीय बैरवा विकास संस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण समिति, डॉक्टर अंबेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी शिक्षक संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मरीज को जयपुर लेकर आ रही एंबुलेंस ट्रक में घुसी

- **हादसे में मरीज और उसकी मां की मौत हो गई, अन्य दो लोग घायल हैं**

जययुर। कानोता थाना इलाके के जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर सांप डसने वाले मरीज को जयपुर लेकर जा रही एंबुलेंस ट्रक में घुस गई। इस हादसे में मरीज और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं अन्य दो लोग घायल हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना इलाके के गुर्जर सीमला गांव के दशरथ योगी (21) को गुरुवार देर रात घर में सोते समय सांप ने काट लिया था। मां मुथरी देवी (48) और दो रिश्तेदार मरीज को सीमला से दौसा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद शुक्रवार सुबह दशरथ को जयपुर एसएमएस अस्पताल लिए रेफर किया गया। जहां एंबुलेंस में उनके साथ दो रिश्तेदार और थे। इस हादसे में एंबुलेंस बुरी तरह क्षितगस्त हो गई। इस हादसे में मरीज दशरथ काफी देर तक तड़पने बाद दम तोड दिया।

सार-समाचार

अरशद हुसैन बने इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर

जयपुर। जयपुर के लिए यह गर्व का अवसर है, जब इवेंट गुरु के नाम से इवेंट इंडस्ट्री में प्रसिद्ध इवेंट प्रोफेशनल, अरशद हुसैन को एक बार फिर इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर के रूप में अगले 2 साल के लिए निर्विरोध चुना गया। यह उपलब्धि और भी खास इसलिए है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी भारतीय को लगातार दो कार्यकाल के लिए यह वैश्विक जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह भी गुलाबी नगर जयपुर से। हुसैन ने जब नेतृत्व संभाला था तब इवेंट मैनेजर्स डे का आयोजन सिर्फ 32 देशों तक सीमित था और अब इसका दायरा बढ़कर करीब 70 देशों तक पहुंच चुका है। इस तरह जयपुर से जुड़े एक प्रोफेशनल का नाम आज वैश्विक मंच पर पूरे सम्मान के साथ लिया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय कमेटी में 11 देशों के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने सर्वसम्मति से अरशद को पुनः कन्वीनर चुना। इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने इस निर्णय को न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि माना, बल्कि इसे राजस्थान की इवेंट मैनेजमेंट क्षमताओं की वैश्विक पहचान के रूप में देखा जा रहा है। यह इवेंट इंडस्ट्री के लिए एक प्रेरणादायक पल है, जो आने वाली युवा पीढ़ी को भी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ने का हौसला देगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक आज

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती की अध्यक्षता में शनिवार को प्रातः 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेश स्तरीय "डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0" प्रदेश बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, स्थाई आमंत्रित सदस्य, जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री उपस्थित रहेंगे बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी सम्बोधित करेंगे।

राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग

जयपुर। राजस्थान को "जैविक खेती राज्य" घोषित करने की मांग को लेकर एक छात्र द्वारा शुरू किया गया प्रयास अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। वर्ष 2022 में जयपुर के 13 वर्षीय छात्र श्रेष्ठ मंगल ने भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें आग्रह किया गया था कि राजस्थान को जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आधिकारिक रूप से "जैविक खेती राज्य" का दर्जा दिया जाए। यह पहल भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के सहयोग से शुरू की गई थी और शुरुआती चरण में इसे 1,000 छात्रों का समर्थन मिला था। लेकिन पिछले तीन वर्षों में यह मुहिम राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है और आज 2025 तक, इस ज्ञापन को देशभर से 1,05,107 छात्रों का समर्थन मिल चुका है, जो इस अभियान की गहराई और प्रभाव को दर्शाता है। श्रेष्ठ मंगल ने न केवल राजस्थान के लिए जैविक खेती की मांग की, बल्कि यह भी प्रस्ताव रखा कि कृषि को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) के अंतर्गत लाकर उसे उद्योग का दर्जा दिया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह एक विशेष केंद्रीय बजट और स्पष्ट रोडमैप तैयार करे, जिससे 2030 तक राजस्थान को एक मॉडल जैविक राज्य बनाया जा सके।

संसदीय कार्य मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय झंवर के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया

जोधपुर / जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर जिले के झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक

- **बजट घोषणाओं की समयबद्ध धरातल पर हो रही क्रियान्विति - संसदीय कार्य मंत्री**
- **गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है**

निर्देश दिए। दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय से बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के खुलेंगे द्वार संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बजट में प्रदेशवासियों को जो ऐतिहासिक सौगातें दी है उनकी समयबद्ध धरातल पर

जोगाराम पटेल (बीच में) ने शुक्रवार को झंवर में राजकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

क्रियान्विति सुनिश्चित हो रही है।

उन्होंने कहा दूरस्थ क्षेत्रों में महाविद्यालय खुलने से प्रदेश भर की बेटियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे। पटेल ने कहा गत बजट में झंवर में महाविद्यालय की घोषणा हुई थी, गत सत्र में ही महाविद्यालय शुरू हो गया और भवन निर्माण कार्य 4.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है। उन्होंने कहा इस बजट में केरू में भी नवीन महाविद्यालय की सौगात मिली है।

बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि में कार्य पूर्ण करें:-पटेल ने राजस्थान शहरी पेयजल सीवरेज एवं अवसंरचना निगम लिमिटेड (रुडसिको) के सहायक अभियंता राजेश व्यास को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा भवन निर्माण कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि पूर्ण करें।

युवाओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम है युवा संसद : देवनानी

- **विधानसभा में युवा संसद, राजस्थान विधान सभा में तेरह राज्यों के 168 युवा जुटेंगे**
- **समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे**
- **विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे**

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर विधान सभा के सदन में तेरह राज्यों के 168 युवा देश की सुरक्षा से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर संवाद करेंगे। विधान सभा में शनिवार को प्रातः 10 बजे इस एक दिवसीय युवा संसद का राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शुभारम्भ करेंगे। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और संघ के सचिव संदीप शर्मा भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित इस युवा संसद का राजस्थान विधान सभा के यू-ट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण किया जायेगा।

देवनानी ने बताया कि देश के दस राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक, गुजरात और तीन केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ व नई दिल्ली के 55 विद्यालयों के कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के चयनित 168 युवा छात्र-छात्राएं आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली करवाने के प्रयासों पर संवाद कर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों के हल का मार्ग खोजने का प्रयास करेंगे।

विधान सभा सदन में 56 युवा निर्धारित समय में अपनी बात रखेंगे। देवनानी ने बताया कि युवा संसद एक ऐसा मंच है जो छात्रों को संसदीय प्रक्रिया और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के बारे में सिखाने के लिए आयोजित किया जाता है। यह छात्रों को राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों पर बहस करने, अपने विचार व्यक्त करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

अनूपगढ़ में साढ़े पांच इंच बरसात होने से घरों में दरारें आईं, कई जगह जलभराव

एसडीएम, तहसीलदार और एसएचओ क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे

- बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर मे दरार आई और गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई

अनूपगढ़, (निसं)। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में रात करीब दो बजे से लगातार तेज बरसात का दौर जारी है। रात से हो रही बरसात के बाद अब तक करीब 140 एमएम (साढ़े पांच इंच) बरसात शहर में हो चुकी है, जिस कारण शहर की गलियों में पानी भर गया है।

बरसात के कारण वार्ड 29 में एक घर में दरार आ गई और वही गांव 71 जीबी में एक घर की दीवार गिर गई। बाजार में 2 दुकानों के छज्जे भी गिर गए। एसडीएम सुरेश राव, तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा और एसएचओ ईश्वर जांगिड़ सुबह से ही क्षेत्र में सुरक्षा के बंदोबस्त में जुटे हुए हैं। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ के द्वारा आमजन से घरों में रहने की अपील की जा रही है। एसडीएम सुरेश राव ने आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। शहर के प्राचीन गढ़ की एक बुर्जी भरभराकर गिर गई। सारा मलबा सड़क पर आ गिरा। मिस्त्री मार्केट में दो दुकानों के छज्जे गिर गए। 33 ए के पास के ए वितरिका में कटाव आ गया। स्थिति यह है कि वार्ड नंबर 11 में एक खाली प्लाट की दीवारें ढह गई तो वहीं वार्ड नंबर 29 में एक घर के कमरों में दरारें आ गई तथा छत से पानी टपकने लगा। इस पर वार्ड नंबर 29 के पार्षद मुराद खान ने तुरंत घर खाली करवाकर मकान मालिक के परिवार को अन्य जगहों पर शिफ्ट किया।

मुराद खान ने बताया कि पुन्नू खान पुत्र बप्पा खान निवासी वार्ड नंबर 29 अपने परिवार के साथ दो कमरों के मकान में रहता है। अत्यधिक बरसात होने के कारण उसके मकान में दरारें आ गई है जिस कारण एक बार के लिए उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा है।

शहर में लगातार हो रही बरसात के बाद पुलिस थाना रोड, गौरव पथ, वेयरहाउस रोड, प्रेम नगर, वार्ड नंबर 24, वार्ड नंबर 17, वार्ड नंबर 27, वार्ड नंबर 21 सहित विभिन्न वार्डों की गलियों में पानी गया है। नगर पालिका प्रशासन पानी निकासी की व्यवस्था में जुटा हुआ है।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक (कृषि विस्तार) जसवंत सिंह बराड़ ने बताया कि इतनी बारिश धान की फसल को छोड़कर सभी फसलों के लिए अब नुकसानदायक है। रात करीब एक बजे से लगातार हो रही बरसात के बाद जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए स्कूलों में आंगनबाड़ियों में आज का अवकाश घोषित किया है। इस बीच स्कूल स्टाफ स्कूल में मौजूद रहेगा। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ द्वारा भी शहरवासियों से अपील की जा रही है कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकले तथा सुरक्षित स्थान पर ही रहे।

हिरण का शिकार करने वाला गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। वन विभाग की टीम ने 27 जुलाई की शाम को कानासर की रोही में गोली मारकर दो हिरणों का शिकार करने के एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। सात साल पहले बदरासर की रोही में दो हिरण और खरगोश का शिकार करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया तो उससे पूछताछ में कानासर की रोही में शिकार करने वाले नामजद हो गए।

वन विभाग के रेंजर महावीर रुहिल ने बताया कि रविवार की शाम को कानासर की रोही में दो चिंकारा हिरणों का गोली मारकर शिकार किया गया था। मौके से मृत हिरण बरामद हुए, लेकिन शिकारी फरार हो गए थे। पूर्व में 24 मई, 18 को 19 जेएमडी बदरासर की रोही में दो मादा हिरण और खरगोश का शिकार किया गया था जिसमें 10 अभियुक्त नामजद थे। तीन को गिरफ्तार किया गया और सात फरार थे। उनमें से बदरासर कावनी निवासी लखाराम को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उसने कानासर की रोही में शिकार करने वाले जसवंत का नाम भी उगल दिया। वन विभाग की टीम ने जसवंत को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। उसके साथी की तलाश की जा रही है। पुराने मामले में गिरफ्तार लखाराम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र के उत्तमी ग्राम में एक बार फिर पैंथर ने मवेशियों का शिकार किया। करीब एक दर्जन मवेशियों को निवाला बना दिया। बीती रात कस्बे वासियों द्वारा एक खेत में पैंथर के शावक देखे गए, जिसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। मौके पर अधिकारी द्वारा शावक की फोटो देखकर जंगली बिल्ली के बच्चे बता कर इतिश्री कर ली, लेकिन जब रात को उन्हीं शावक की मादा द्वारा मवेशियों को शिकार किया गया तो ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। सरपंच प्रतिनिधि लाला काठात ने बताया कि इन शावकों की सूचना विभाग को रात को ही दे दी गई थी।

सवाई माधोपुर शहर में विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न

प्रशासन ने भारी बारिश से प्रभावित नागरिकों को राहत सामग्री पहुंचाई

- भोजन, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था के लिए विशेष टीमें तैनात, कंट्रोल रूम स्थापित

सवाई माधोपुर, (निसं)। हाल ही में सवाई माधोपुर शहर में हुई भारी वर्षा के कारण विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे आमजन के दैनिक जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जिला कलेक्टर काना राम के निर्देशानुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा प्रभावित नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुराने शहर की कई कॉलोनियों-जैसे अंसारी मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, ब्रह्मपुरी, कुम्हार मोहल्ला, रैगर मोहल्ला एवं गुरुद्वारे के पास में जलभराव के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए नगर परिषद द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में प्रातः एवं सायं काल जल टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही, आज नगर परिषद की टीम एवं पार्षदों के सहयोग से उक्त क्षेत्रों में लगभग 1000 भोजन पैकेटों का वितरण किया गया।

आयुक्त ने बताया कि सभी प्रभावित बस्तियों में सफाई व्यवस्था के लिए सफाईकर्मियों की विशेष टीम लगाई गई है, जो लगातार सफाई कार्य में जुटी हुई है। नगर परिषद द्वारा यह राहत कार्य आगामी दिनों में भी सतत रूप से जारी रखा जाएगा। साथ ही, आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को राहत से संबंधित सहायता की आवश्यकता हो, तो वह नगर परिषद के कंट्रोल रूम पर संपर्क करें।

तालाब के पानी में बहे बालक का शव पाइप में फंसा मिला

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह उपखण्ड क्षेत्र के गोलेड़ा गांव के तालाब के ओवरफ्लो पानी की रपट पर साथियों के साथ नहाते समय बहे 13 वर्षीय बालक का शव नौ घंटे बाद गुरुवार रात को घटनास्थल से कुछ दूरी पर छोटी पुलिया के नीचे सीमेंट के पाइप में फंसा मिला। रेस्क्यू कर रही एसडीआरएफ की टीम ने शव पुलिस को सौंप दिया, बाद में पुलिस ने शुक्रवार को बालक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

टोड़ारायसिंह तहसीलदार राहुल पारीक ने बताया कि गोलेड़ा निवासी अर्पित शर्मा पुत्र दौलत शर्मा जो गुरुवार दोपहर को गांव के तालाब की चल रही चादर के पानी में नहा रहा था, जहां उसका सन्तुलन बिगड़ने से वह पानी के बहाव में बह गया। बाद में उसके साथ नहा रहे बच्चों के चिल्लाने पर ग्रामीण वहां आये तथा बच्चों के बताए अनुसार उसकी तलाश करना शुरु की। बाद में पुलिस और उसके परिजनों को भी सूचना दी। कुछ देर बाद परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर ही एसडीआरएफ की टीम बुलाकर बालक की तलाश शुरू की, टीम ने बीती रात को ही घटना स्थल के पास नाले की पुलिया के नीचे पाइप में फंसे बच्चे के शव को निकाला।

Municipal Council Dholpur

No. – 1969-71 Date- 31.07.2025

Notice Inviting Tender (E-12)

N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for Pani nikasi work from Registered Contractor the amount of work is 28 lacs and UBN No. are has under.

UBN No- DLB2526SLOB13135

For detail visit www.sppp.rajathan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

Commissioner
Municipal Council Dholpur

Raj.Samwad/C/25/7378

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉर्पोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)
फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768,2428739

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 01/08/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 06 / 2025-26 UBN No. MML2526SLRC00072	GSFC के वड़ोदरा स्थित प्लांट से झामरकोटड़ा खदान, उदयपुर तक फास्फोरिक एसिड की आपूर्ति हेतु। अनुमानित मात्रा – 2000 MT, धरोहर राशि (रु. में) 48,000/–, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/–

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/7336 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/7501 Date :- 31/07/2025

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited up to 02.00 pm of 28-08-2025 for Supply and Installation of Various Equipment/Items at Dept. of Ophthalmology, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. (Total Est. Cost Rs. 6,17,00,000.00). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in. UBN : CMS2526GLOB00064-68, 71-72, 75-77, CMS2526GSOB00069-70, 73-74

Medical Superintendent,
Raj.Samwad/C/25/7349 RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा/2025–26/ई –18 दिनांक :– 29.07.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 18/2025-26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 27.72 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 30.07.2025 एवं अंतिम तिथि 11.08.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 12.08.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00061

राज.संवाद/सी/25/7299 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)
(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः– 11336 दिनांकः– 31.07.2025

निविदा सूचना

UB NO. DLB2526SSOB13182

नगर निगम जोधपुर दक्षिण में दस वुड चीपर थ्री व्हीलर मशीन आपूर्ति करने हेतु विनिर्माता/अधिकृत विक्रेता/रजिस्टर्ड फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/7316 नगर निगम जोधपुर दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर(बीकानेर)

E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः–न.पा.ना.पा/निर्माण/2025–26/709 दिनांक 28.07.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 17/निर्माण/2025-26

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 17.90 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB13070

राज.संवाद/सी/25/7334 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक-360-375 दिनांक-18.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए व ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE : PWD2526A2074, UBN NO. (1) PWD2526WSOB07484 (2) PWD2526WSOB07488, (3) PWD2526WSOB07490

(समय सिंह मीना) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/10365/2025 सा.नि.वि. खण्ड मण्डारायल

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर एक विवाहिता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 27 वर्षीय हुकुम सिंह है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरवरी 2025 में आरोपी ने खुद को फाइनेंस कंपनी में अधिकारी बताते हुए पीड़िता से संपर्क किया और उसे लोन दिलवाने का झांसा दिया। पीड़िता ने भी भरोसा कर लिया। इसके बाद महिला आरोपी के जाल में फंसती गई। अधिक पैसा लोन दिलाने का झांसा देकर महिला से रेप किया। जब लोन नहीं मिला तो घटना के बाद पीड़िता ने साहस जुटाकर एनईबी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज करते ही आरोपी की तलाश शुरू की। अब उसे अरेस्ट कर लिया। रेप व लोन का झांसा दिलाने से जुड़े सबूत भी पुलिस ने जुटाए हैं। इस मामले में गहनता से जांच हो रही है।

- फाइनेंस कंपनी का अफसर बनकर रेप किया था

थाना प्रभारी ने मामले की पूरी जानकारी अलवर एसपी को भी दी है। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपी हुकुम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

स्कूल के जर्जर कमरों को प्रशासन ने ध्वस्त करवाया

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट के जर्जर कमरों को धवस्त किया।

- एसडीएम की सूझबूझ से समय रहते बची बड़ी दुर्घटना, छात्रों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त
- तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी से दीवारें गीली हो चुकी थीं

भीलवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ जिले में हाल ही में एक स्कूल की छत गिरने की घटना के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। सरकार के निर्देशानुसार राज्य के सभी राजकीय एवं गैर राजकीय स्कूलों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके।

इसी क्रम में सोमवार को जहाजपुर उपखंड अधिकारी राजकेश मीणा ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भंवर कलां गेट का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कुछ कक्षों की हालत अत्यंत जर्जर पाई गई, जिस पर तत्काल प्रभाव से उन कमरों को बंद करने तथा अत्यधिक क्षतिग्रस्त कक्षों को गिराने के आदेश दिए गए थे। शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विद्यालय के जर्जर कक्षों पर बुलडोजर चलवाया। तोड़े गए कक्षों की हालत देखकर यह स्पष्ट हुआ कि वे पूरी तरह मिट्टी और पत्थर से निर्मित थे और बरसात के पानी के कारण उनकी दीवारें पूरी तरह गीली हो चुकी थीं। समय रहते यदि इन्हें नहीं गिराया जाता, तो किसी भी समय दीवारें या छत गिरने से बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय में शिक्षारत छात्रों एवं स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई एहतियातन और आवश्यक मानी जा रही है। उपखंड अधिकारी ने बताया कि ऐसे सभी स्कूल भवनों की जांच जारी है और जहां भी खतरे की स्थिति दिखेगी, वहां बिना देरी के कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की तत्परता से संभावित हादसा टल गया, और एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि सतर्कता और समय पर लिया गया निर्णय, जान-माल की बड़ी क्षति से बचा सकता है।

अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में

अलवर, (निसं)। अलवर के बड़े अस्पताल सहित करीब बीस चिकित्सा भवन जर्जर हालत में है। यहां भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। अस्पताल के वार्ड टपक रहे है। प्रशासन को बच्चों के अलावा मरीजों और स्कूल स्टाफ की सुध लेनी चाहिए।

भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने कक्षा एक से 12 तक के बच्चों की लगातार तीन दिन से छुट्टी कर रखी है, लेकिन स्कूल स्टाफ को स्कूल में आना होगा। अब सवाल यह उठता है कि यह भारी बारिश में अवकाश का प्रावधान झालावाड़ हादसे के बाद हुआ है। प्रशासन को भय है कि अलवर जिले में करीब दो सौ से ज्यादा जर्जर स्कूल भवन है। कहीं अलवर में भी झालावाड़ जैसी पुनवृर्ती ना हो जाए इसी को मद्देनजर रखते हुए बच्चों की तीन दिन से लगातार जिला कलेक्टर के आदेश पर अवकाश जारी कर दिए गए। वहीं अलवर जिला अस्पताल के महिला वार्ड की छत टपक रही है। मरीजों के बेडों को इधर से उधर खींचकर उन्हें पानी से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्रयास पिछले साल से किए जा रहे हैं।

वार्ड प्रभारी ने बताया कि उन्हें अनेकों बार अस्पताल प्रशासन को लिखित में दे रखा है लेकिन जिला प्रशासन ने आज तक इस समस्या को नजरअंदाज किया हुआ है। हो सकता है कि अस्पताल प्रशासन किसी हादसे का इंतजार कर रहा हैं।

जिले में 20 चिकित्सा केंद्र जर्जर भवन में संचालित हो रहे हैं। सीएमएचओ कार्यालय भवन भी जर्जर है। करीब एक साल से डिप्टी सीएमएचओ व आरसीएचओ कार्यालय के नए भवन में अस्थायी रूप से सीएमएचओ कार्यालय का संचालन किया जा रहा है।

जिले में 2 पीएचसी, 3 सीएचसी और 15 उप स्वास्थ्य केन्द्र (सब सेंटर) जर्जर भवन में संचालित हैं। इसमें बहतुकलां व चांदोली पीएचसी एवं उमरैण, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ सीएचसी भवन के हालात खराब हैं। इसके अलावा खेरली सैय्यद, गोठड़ा, रतनगढ़, खेड़ी, नंगली बंजरीका, खोह, बगड़-तिराहा, रामपुरा, परवेणी, उकेर, भूड़ा, घाटला, झारखेड़ा, देसूला व भजीट सब सेंटर के भवन भी जर्जर हालत में हैं। कभी भी हादसा हो सकता है।

जिला अस्पताल परिसर में संचालित जीएनएमटीसी व एएनएमटीसी का भवन भी जर्जर अवस्था में हैं। यहां कमरों का प्लास्टर झड़ने के साथ ही छज्जे गिराऊ हालत में हैं। करीब एक साल पहले शिशु अस्पताल की गैलरी से प्लास्टर उखड़फ़र गिरा था, जिसे अभी तक सही नहीं किया जा सका है और वार्ड में मरमत कार्य हो सका है। अस्पताल के छज्जे भी गिराऊ हालत में है, जिसके कारण कभी भी फिर से कोई हादसा हो सकता है। पिछले साल भी शिशु अस्पताल में प्लास्टर गिरने से महिला सहित कुछ लोग घायल हो गए थे। हालांकि अभी जिला अस्पताल में मरम्मत कार्य चल रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कार्य की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अस्पताल में बने छज्जों की ढाल भी सही नहीं है। इसके कारण छत का पानी नीचे गिरने की जगह उसका दीवारों में रिसाव हो रहा है।

जिले में 107 चिकित्सा संस्थान ऐसे हैं, जिनको खुद विभाग ने मरमत योग्य माना है। ये चिकित्सा संस्थान बारिश के दौरान स्टाफ और मरीजों के लिए आफत बने हुए हैं। कहीं छत से पानी का रिसाव होने से सीलन हो रही है, तो कहीं चूना झड़ कर गिर रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार खेरली ब्लॉक में 27, मालाखेड़ा में 8, थानागाजी में 17, रामगढ़ में 27, रैणी में 8, उमरैण में 11, गोविंदगढ़ व लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक में 4-4 चिकित्सा संस्थान मरमत योग्य हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्रों की हालत ज्यादा खराब है। अलवर शहर का पहाड़गंज यूपीएचसी भी इसमें शामिल है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल फुलेरा, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.फु./नि.शा/2025–26/992 दिनांक : 31.07.2025

-: निविदा सूचना :-

नगर पालिका फुलेरा की और से नियमानुसार विभिन्न कार्य हेतू करवाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना से सम्बन्धित समस्त शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर NIB Code- DLB2526A4140 द्वारा देखी जा सकती है। तथा उक्त कार्यो के UBN Number – DLB2526WSOB13140, DLB2526WSOB13141 है।

राज.संवाद/सी/25/7347 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 1056-67 Date: 22.07.2025

Notice Inviting Bid

NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07801
NOB CODE: PWD2526A2158 and UBN is: PWD2526WSOB07803

Bids For NIT No. 03/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 24.07.2025 11.00 AM to Date 04.08.2025 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 60.00 Lacs.

(Naresh Chand Meena)
Executive Engineer
DIPR/C/10609/2025 PWD Division Dholpur

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चॅवली परियोजना नहर खण्ड, झालावाड़

क्रमांक-निविदा/2025-26/1372-85 दिनांक- 24.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Tree Plantation in mission Hariyalo Rajasthan कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 66.90 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 25.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 04.08.2025 सायं 06.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE: WRD2526A0278, UBN is WRD: WRD2526WSOB00753

(वीरेन्द्र सिंह) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/10776/2025 चॅवली परियोजना नहर खण्ड झालावाड

कार्यालय नगर पालिका, बालेसर सत्ता (जोधपुर) राज.

Municipal Board, Balesar Satta (Jodhpur) Rajasthan e-mail:- eombbalesar2022@gmail.com

क्रमांकः– न.पा.बाले.सत्ता/स्टोर/2025–26/648 दिनांकः– 24.07.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना (2025-26)

(NIB NO.- DLB2526A3901)

नगरपालिका बालेसर सत्ता की ओर से नगरपालिका बालेसर सत्ता एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया अनुसार सफाई श्रमिक व स्वास्थ्य निरीक्षक आपूर्ति कार्य की ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत 24.90 लाख रू. की निविदा ऑनलाईन जारी की दिनांक एंव निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका बालेसर सत्ता नगरपालिका बालेसर सत्ता
राज.संवाद/सी/25/7328

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/111 - 113 Date : 30/07/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 29/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 1552.17 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 01.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 28.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 29.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WLOB00196, ITU2526WLOB00197

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
राज.संवाद/सी/25/7342 उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244 दिनांक-24.07.2025

Notice Inviting Bid: 16-26/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934
NIT NO.	20	21	22	23
	PHE2526WSOB 04935	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938
NIT NO.	24	25	26	
	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940	PHE2526WSOB 04941	

जल सीमित हैं, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/10553/2025 जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

राजस्थान सरकार

निदेशालय आयुर्वेद विभाग, राजस्थान, अजमेर

क्रमांक-प.2/आ.मि./कॉटन बैण्डेज उपा./2025-26/ दिनांक-21.07.2025

ई-बोली विज्ञप्ति वर्ष 2025-26

(विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों हेतु कॉटन, बैण्डेज का क्रय)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभागीय चिकित्सालय/औषधालयों के उपयोगार्थ कॉटन, बेण्डेज की विभागीय रसायनशालों पर आपूर्ति हेतु राजस्थान में स्थित पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उधम विकास अधिनियम 2006 की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिकृत ईकाइयों वाले इच्छुक बोलीदाताओं से क्रय की कुल अनुमानित राशि रू. 150.00 लाख रू. ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कॉटन, बेण्डेज के क्रय हेतु फॉर्म डाउनलोड प्रारंभ करने की दिनांक 21.07.2025 सायं 6.00 बजे से एवं स्वीकार करने की अंतिम तिथि 13.08.2025 प्रात 11.00 बजे रखी गई है।

बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

Job wise Cotton, Bendez UBN NO.- AYU2526GLOB00261

DIPR/C/10607/2025 निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

E-mail:- ee2wrddlp@gmail.com, Add- Irrigation Colony G.T. Road Dholpur-328001

क्रमांक-/निविदा/2025-26/782 दिनांक-25.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से Mission Hariyalo rajasthan के अंतर्गत Plantation work हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित कुल लागत राशि रू. 64.12 लाख है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://www.eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट http://www.waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 26.07.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 05.08.2025 सायं 05.00 बजे तक से http://www.eproc.rajasthan.gov.in से Upload की जा सकती है/देखी जा सकती है।

NIB CODE : WRD2526A0290, UBN is WRD : WRD2526WSOB00773

(मनोज कुमार कुशवाह)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/10869/2025 जल संसाधन खण्ड द्वितीय, धौलपुर

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :–ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/596–610 दिनांक :– 31.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 30/2025-26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 43.58 लाख रूपये की ऑनलाईन निविदायें दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 11.08.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड नं. 08 बन्धा में पूर्व निर्मित सार्वजनिक सामुदायिक भवन का विस्तार कार्य।	10.00
2	न्यू मेडिकल कॉलेज परिसर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य।	33.58

NIB Code No. DLB2526A4144
UBN No. DLB2526WSOB13147 UBN No. DLB2526WSOB13149

अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/7311 नगर निगम कोटा दक्षिण

दुपहिया वाहन चोर सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। संजय सर्किल,जालूपुरा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम उत्तर (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चोरों सहित मोबाइल स्नेचरों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से चुराई गई नौ मोटरसाइकिल एवं मोबाईल स्नेचिंग किये हुए 23 मोबाइल भी बरामद किए गए है। सभी आरोपित पूर्व में भी नशा पूर्ति के लिए ऐसी दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके है । फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि संजय सर्किल,जालूपुरा थाना पुलिस और डीएसटी उत्तर ने दुपहिया वाहन चोरों सहित मोबाइल स्नेचर्स के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए शहजाद (18) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर, मोहम्मद इब्राहिम (26) निवासी शास्त्रीनगर हाल भट्टा बस्ती और रणवीर सिंह उर्फ मोनू सिंह (29) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपित नशा पूर्ति के लिए जयपुर शहर में पूर्व में भी इस प्रकार की दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।पुलिस जांच में सामने आया कि जयपुर शहर में वाहन चोरों की गैंग के स्वस्य हैं, जो जयपुर शहर में पार्किंग एवं एकांत जगह में खडी मोटरसाइकिलों को चुरा लेते हैं।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने वर्षा प्रभावित इलाकों का दौरा किया

जयपुर । लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के कई इलाके प्रभावित हुए हैं। ऐसे में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों के अनुपालना में शुक्रवार को जिला प्रशासन की टीम ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान जर्जर भवनों, जलभराव और अन्य बारिश जनित नुकसान की स्थिति का आकलन किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर उत्तर मुकेश कुमार मूंड ने जोरावर सिंह गेट, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, खोले के हनुमान जी, जयसिंहपुरा खोर सहित अन्य इलाकों में स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है, साथ ही प्रशासन द्वारा अस्थायी राहत शिविरों की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने कहा कि जनहित में प्रशासन सजग एवं सक्रिय है और आमजन से अपील करता है कि आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

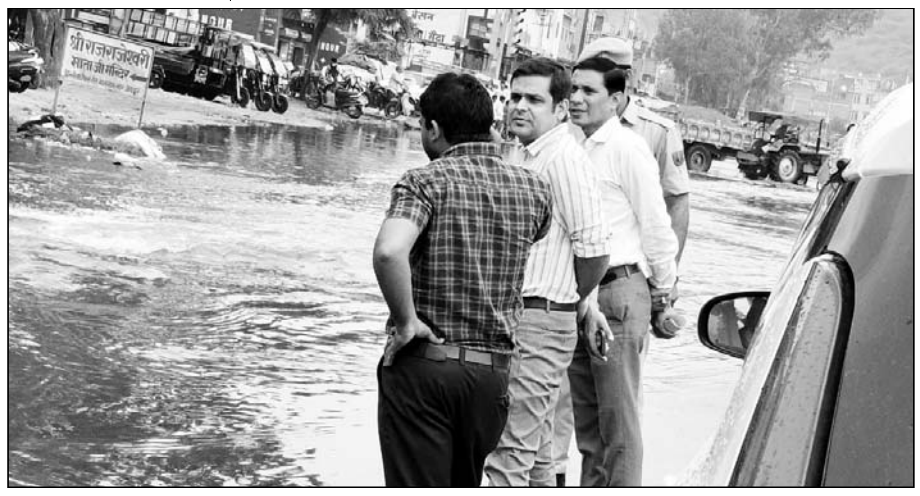

अतिरिक्त जिला कलक्टर उत्तर मुकेश कुमार मूंड ने जोरावर सिंह गेट, जयसिंहपुरा खोर सहित अन्य इलाकों में स्थिति का जायजा लिया।

वहीं, अतिरिक्ति जिला कलक्टर जयपुर, दक्षिण संतोष कुमार मीणा ने मालवीयनगर, सांगानेर, जगतपुरा इलाके में, उपखण्ड अधिकारी राजेश जाखड़ ने विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा जोन के इलाकों, उपखण्ड अधिकारी अरुण शर्मा ने मानसरोवर एवं झोटवाड़ा जोन, उपखण्ड अधिकारी दीपक खटाना ने आदर्श नगर जोन एवं सिविल लाइंस जोन के इलाकों में वर्षा जनित स्थितियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ संबंधित नगर निगम के उपायुक्त भी मौके पर मौजूद रहे।अधिकारियों ने लो लाइन एरिया, जर्जर भवनों एवं जलभराव वाली बस्तियों का दौरा किया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए तथा जहाँ आवश्यक हो वहाँ कीचड़ एवं जलभराव हटाने हेतु मड पंप तुरंत लगाए जाएँ। कमजोर एवं जर्जर भवनों की सूची तैयार कर वहां निवास कर रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से

- **जर्जर भवनों, वर्षा से हुए नुकसान का लिया जायजा, आमजन से किया संवाद**
- **जलभराव के क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए अधिकारियों को किया निर्देशित**

स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में मिट्टी के कट्टे (सैंडबैग) लगाए जाने के निर्देश दिए गए ताकि बारिश का पानी बस्तियों में प्रवेश न कर सके। नगर निकाय, पीएचईडी और आपदा प्रबंधन दल को आपसी समन्वय के साथ सतत निगरानी रखने एवं किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने को कहा गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने निगम, पीडब्ल्यूडी और जलदाय विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो।

सार-समाचार

स्वच्छता अभियान का आयोजन

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर स्वतन्त्रता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अंतर्गत दिनांक 01 अगस्त 2025 से 31 अक्टूबर 2025 के मध्य किया स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। रवि जैन मंडल रेल प्रबंधक जयपुर द्वारा स्वच्छता अभियान की शुरुआत शुक्रवार दिनांक 01 अगस्त 2025 को मंडल कार्यालय के प्रांगण में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वच्छता शपथ दिलवाकर की गई। इस अवसर पर पीयूष जोशी (मु.प.प्र) जीएसयू एवं मण्डल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई । पूजा मित्तल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर नें बताया कि मंडल के जयपुर रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों, स्टेशन कर्मचारियों,केटरिंग वेंडर एवं हाउस कीपिंग कर्मचारियो के साथ स्वच्छता शपथ ली गई एवं स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही केद्रीय चिकित्सालय जयपुर में डॉ ए वासुदेवन चिकित्सा निदेशक द्वारा अस्पताल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता शपथ ली गई ।

रविवार को द्वितीय महा रूद्राभिषेक

जयपुर। सावन महीने को भगनान शिव की पूजा अर्चना व रुद्राभिषेक के उच्चतम फल दाई महीना माना जाता है। हर साल प्रदेश भर में पार्थिव शिवलिंग के अभिषेक के हजारों कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। रविवार 3 अगस्त को नांगल जैसा बोरा देवस्थान तलाई स्थित चौगान बाबा के मंदिर में द्वितीय महा रुद्राभिषेक का आयोजन होगा। पंडित कमल शर्मा के नेतृत्व में 51 पर्थिव शिवलिंग का महा रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन आसपास के शिव व हनुमान भक्तो की सेवा भाव से पूर्ण होगा जिससे वातावरण शिवमय होगा।

रवि जैन ने जयपुर मंडल के डीआरएम पद का कार्यभार संभाला

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में रवि जैन ने नए मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम के रूप में गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। रवि जैन रेलवे मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवाके वरिष्ठ अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे रेलवे बोर्ड,नई दिल्ली में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (कोचिंग) के पद पर कार्यरत थे। पूर्व डीआरएम विकास पुरवार का स्थानांतरण उनके मूल कैडर में नॉर्दर्न रेलवे,दिल्ली मुख्यालय में किया गया है। जयपुर मंडल में अपने कार्यकाल के दौरान पुरवार ने सुरक्षा,समयपालनता और यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। नव नियुक्त डीआरएम रवि जैन ने कहा कि वे मंडल में सेफ्टी, समयपालनता,यात्री सुविधाओं और संरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

जे.के.के. में सजेगी सुर-ताल और सूफी संगीत की महफिल

जयपुर। राजस्थान डेल्फिक काउंसिल द्वारा दो दिवसीय मेघ उत्सव का आगाज शनिवार शाम 6:30 से जवाहर कला केंद्र के रंगायन में होगा। काउंसिल की अध्यक्ष और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने बताया कि दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रख्यात कलाकारों द्वारा सितार- वायलिन, भरतनाट्ययम और सूफी संगीत की प्रस्तुतियां शामों को सुरीली बनाएगी।शनिवार को सितार- वायलिन की प्रस्तुति अदनान ग्रुप के द्वारा और भरतनाट्ययम की प्रस्तुति कनक सुधाकर ग्रुप द्वारा दी जाएगी। वही रविवार की शाम मोरावाला मोरवाड़ा द्वारा प्रस्तुत सूफी संगीत के नाम रहेगी । गुहा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन नॉर्थ जोन कल्चरल सेंटर, पटियाला और वेस्ट जोन कल्चरल सेंटर, उदयपुर के सहयोग से किया जा रहा है।

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर महिला से दुष्कर्म

जयपुर। चित्रकूट थाना इलाके में नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर महिला से दुष्कर्म करने मामला सामने आया है। पीडिता आरोप है कि आरोपित ने अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर पिछले डेढ़ साल तक देहशोषण करता रहा। इस संबंध में थाने में पीड़ित महिला ने आरोपित परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि चित्रकूट नगर की रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी सहेली का भाई होने के कारण आरोपित को वह जानती थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि फरवरी-2024 में मिलने के बहाने आरोपी घर आया और बातचीत के दौरान कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर धोखे से पिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं उसका अश्लील वीडियो अपने मोबाइल में बना लिया। होश आने पर विरोध करने पर मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाया। इसके बाद से आरोपित अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर पिछले डेढ़ साल तक देहशोषण करता

- **पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर पिछले डेढ़ साल तक देहशोषण करता रहा**

रहा। ब्लैकमेल कर देहशोषण से परेशान होकर पीड़िता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

वहीं झोटवाड़ा थाना इलाके में नहाते समय महिला का वीडियो बना कर ब्लैकमेल कर एक विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित विवाहिता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा की रहने वाली 28 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया है कि परिचित होने के कारण वह आरोपित को जानती है। आरोप है कि नहाते समय आरोपित परिचित ने उसका वीडियो अपने मोबाइल में चोरी-छिपे बना लिया। मिलने आने पर उसे मोबाइल में नहाते हुए का बनाया वीडियो दिखाया।

तरुण कुमार जिला संगठन मंत्री बने

जयपुर / कोटा । भारतीय किसान संघ जिला कोटा के संगठन मंत्री के पद पर तरुण कुमार को नियुक्त किया गया है। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने कोटा बूंदी के प्रवास के दौरान यह घोषणा की। इस दौरान भारतीय किसान संघ के संस्थापक सदस्य मोहनलाल नागर, राष्ट्रीय घुमंतू कार्य प्रमुख मणिलाल लबाणा, प्रदेश राजस्व मंत्री शिवराज पुरी, चित्तौड़गढ़ प्रांत संगठन मंत्री परमानंद, प्रांत महामंत्री अंबालाल शर्मा, महिला प्रमुख राममूर्ति मीणा, रजनी धाकड़, संतोष नागर, कोटा संभाग अध्यक्ष गिरिराज चौधरी, संभाग उपाध्यक्ष मोहनलाल नागर, कोटा जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा, बूंदी जिला अध्यक्ष संतोष दुबे, बारां जिला अध्यक्ष अमृतलाल, कोटा जिला मंत्री रूपनारायण यादव, कार्यालय मंत्री महावीर नागर, बूंदी जिला उपाध्यक्ष, जिला मंत्री चंद्रप्रकाश मीणा, जिला उपाध्यक्ष भूरालाल धाकड़ समेत हाड़ौती कार्यकर्ता एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

जयपुर शहर भाजपा की टीम सूची वायरल, नेताओं व कार्यकर्ताओं में नाराजगी

- **सिफारिशकर्ताओं के नाम उजागर होने से सियासी बवाल**
- **जैसे ही यह सूची सोशल मीडिया पर वायरल हुई, कुछ देर बाद अमित गोयल ने इसे हटा दिया**

जयपुर। भाजपा में युवा मोर्चा के बाद अब जयपुर शहर टीम की सूची को लेकर भी विवाद गहरा गया है। हालांकि पार्टी नेताओं में चर्चा है कि संघ ने द्वारा दिए गए नामों में ये लोग संघ के साथ जुड़े हुए नही है फिर भी इन लोगो के नामो की सिफारिश संघ के द्वारा कि गईं है। वही शहर के नेताओ के की सिफारिशें भी जगजाहिर हो गई। अब नेताओ के क्षेत्रों में भी नामों को लेकर विरोध शुरू हो गया हैं।

जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टीम की सूची जारी कर बधाई दी, लेकिन कुछ देर बाद ही इस सूची को हटाते हुए स्पष्टीकरण दिया कि यह भूलवश जारी हो गई थी। इस वायरल सूची की सबसे खास बात यह रही कि इसमें उन नेताओं के नाम भी शामिल कर दिए गए, जिनकी सिफारिश पर पदाधिकारी बनाए गए थे। अब पार्टी के अंदर इस सूची को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जैसे ही यह सूची सोशल मीडिया पर वायरल हुई, कुछ देर बाद अमित गोयल ने इसे हटा दिया और एक सफाई जारी की। उन्होंने लिखा कि कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा प्रस्तावित कार्यकारिणी की कॉपी मानवीय भूल से अपलोड हो गई।

सूची में जिन शीर्ष नेताओं का नाम सिफारिशकर्ता के रूप में डाला गया, उनके पास अब ऐसे कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं जो सूची में अपना नाम न होने पर नाराज हैं। इससे नेताओं की भी नाराजगी सामने आ रही है। उन्होंने शहर अध्यक्ष पर नाराजगी जताते हुए पूछा है कि आखिर उनकी सिफारिश सार्वजनिक क्यों की गई। इस पूरे विवाद पर जब अमित गोयल से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने विवाद बढ़ता देख कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

जम्बो कार्यकारणी में कुल 34 पदाधिकारी बनाए गए है, जिसमें 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री, 9 मंत्री, 1 कार्यालय मंत्री, 1 कार्यालय प्रभारी, 6 प्रवक्ता, 1 आईटी संयोजक, 1 आईटी सह संयोजक, 1 सोशल मीडिया संयोजक, 1 सोशल मीडिया सह संयोजक, 1 प्रकोष्ठ संयोजक, 1 मीडिया सह संयोजक है. इस कार्यकारणी के नामों की बात करें तो ब्रह्माकुमार सोनी, राजेश तांबी, अनुराग शर्मा, अजय यादव, शैलेंद्र शर्मा, महेंद्र सिंह पवार, सुरेंद्र पूर्ववंशी, सुरेश गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, नवरत्न नारानियां, रेखा राठौड़, हिरेन मिश्रा को महामंत्री, कृष्ण मुरारी पारीक, जीआर मीणा, अंजना सेन, निर्मल शर्मा, दुर्गा कटारिया, प्रिया गेनानानी, रश्मि सैनी, नीलू शर्मा, भवानी शर्मा को मंत्री बनाया।

डॉ. सतीश पूनियां ने हरिद्वार के हर की पौड़ी घाट पर माँ गंगा की आरती की

जयपुर। उत्तराखंड प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने धर्मपत्नी मोहिनी पूनिया के साथ हरिद्वार के हर की पौड़ी घाट पर गंगा मइया की आरती की और माँ गंगा जी से

- **डॉ. पूनियां ने कहा कि, मां गंगा जी की आरती एवं दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होने से मन को दिव्य अनुभूति हुई**

राजस्थानवासियों व देशवासियों की सुख-समृद्धि एवं उन्नित की प्रार्थना की।

डॉ. पूनियां ने कहा कि, मां गंगा जी की आरती एवं दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होने से मन को दिव्य अनुभूति हुई और प्रदेश एवं देश की सेवा में संगठन की मजबूती के लिये नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस दौरान सतीश पूनियां के साथ उत्तराखंड सरकार के मंत्री सुनील सैनी, हरिद्वार भाजपा के उपाध्यक्ष उज्जवल सहित स्थानीय पार्टी पदाधिकारी एवं युवा मोर्चा के साथी विपुल एवं अंशुल इत्यादि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जहां सभी ने गंगा मैया और संतों का आशीर्वाद लिया।

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने धर्मपत्नी मोहिनी पूनिया के साथ हरिद्वार के हर की पौड़ी घाट पर पूजा की।

वार्षिक कला प्रदर्शनी- 17 सितम्बर तक जमा होगी कलाकृतियां

जयपुर । राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित 66वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी के लिये अकादमी कार्यालय में कलाकृतियां जमा कराने की अन्तिम तिथि 17 सितम्बर घोषित कर दी गयी है।

अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि अकादमी कार्यालय में 17 सितम्बर को सांय 5 बजे तक कलाकृतियां जमा हो सकेगी।

अकादमी वेबसाईट पर वार्षिक कला प्रदर्शनी के आवेदन पत्र प्राप्त किये जा सकते है।

जिसमें इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। इस वार्षिक कला प्रदर्शनी में प्राप्त कलाकृतियों में से निर्णायक मण्डल द्वारा चयन किया जाकर सर्वश्रेष्ठ 10 कलाकृतियों को 25-25 हजार रूपये के पुरस्कार वार्षिक समारोह में प्रदान किये जायेंगे।

सिंचाई भवन के आसपास की 75 बीघा जमीन सरकारी घोषित

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एमएनआईटी, सिंचाई विभाग और सरस डेयरी व उससे जुडी करीब 75 बीघा जमीन को सरकारी घोषित किया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में 70 साल पुराने जागीरदार के पट्टों को अमान्य करार देते हुए भूमि अधिग्रहण के पुराने अवार्ड को रद्द कर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार को दोषियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की छूट भी दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार और जेडीए की 34 साल पुरानी अपील को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि साल 1952 में जागीर उन्मूलन अधिनियम के तहत जमीन पहले की राज्य सरकार के पास आ गई थी। ऐसे में साल 1955 में जागीरदार की ओर से जारी पट्टा कानूनी रूप से अमान्य था।

अपील में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि साल 1952 में राजस्थान भूमि सुधार और जागीर उन्मूलन अधिनियम के तहत जागीरदारों की जमीनें राज्य सरकार के पास आ गई थी। इसके बावजूद जागीरदार ने 1955 में त्रिलोकी नाथ साहनी को 188 बीघा 8 बिस्वा जमीन का पट्टा जारी कर दिया। जिसमें खसरा नंबर 21 और 22 शामिल थे।

वहीं बाद में राज्य सरकार के अधिकारियों की गलती से इस जमीन की अवाप्ति की अधिसूचना जारी हो गई। जिसका लाभ उठाते हुए साहनी ने मुआवजे के लिए दावा किया। भूमि अधिग्रहण अधिकारी से राहत नहीं मिलने पर मुआवजे के लिए मामला सिविल कोर्ट पहुंचा और रेफरेंस दायर किया गया, जिसे साल 1990 में स्वीकार कर लिया गया। राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ साल 1991 में हाईकोर्ट में अपील दायर की। इसी बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

'अपात्र लाभार्थी स्वेच्छा से नाम हटवाएं'

जयपुर / कोटा । राज्य सरकार द्वारा संचालित गिव-अप अभियान के तहत कोटा जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने अपात्र लाभार्थियों से स्वेच्छा से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्राप्त लाभ को त्यागने की अपील की है, ताकि वे वास्तविक पात्र व जरूरतमंद परिवार इस योजना से लाभान्वित हो सकें जो अभी तक इससे वंचित हैं।

जिला कलेक्टर द्वारा जारी अपील में कहा गया है कि सरकार की मंशा अपात्र लाभार्थियों पर कठोर कार्रवाई करने की नहीं है, बल्कि उन्हें स्वेच्छा से योजना से बाहर होने का अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के पास चार पहिया वाहन या महंगे व्यावसायिक वाहन (जिनकी अनुमानित कीमत 10 लाख या उससे अधिक हो), बड़े पक्के मकान, एयर कंडीशनर, अत्यधिक बिजली बिल, बड़ी कृषि भूमि अथवा विरासत में प्राप्त संपत्ति है, वे इस खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र नहीं हैं। इसके अलावा जिन परिवारों में कोई सदस्य सरकारी सेवा में है या निजी क्षेत्र में एक लाख रुपए से अधिक मासिक वेतन या पेंशन प्राप्त करता है, वे भी योजना से बाहर होने के योग्य हैं। इसी प्रकार वृद्धावस्था पेंशनधारी के राशन कार्ड में जुड़े ऐसे आर्थिक रूप से सक्षम सदस्य जो अनाधिकृत रूप से योजना का लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी इस सूची से नाम हटवाना चाहिए। खाद्य सुरक्षा सूची से स्वैच्छा से नाम हटवाने वाले लाभार्थी भविष्य में संभावित प्रशासनिक कार्रवाई जैसे गेहूं की वसूली आदि से बच सकेंगे। साथ ही, इससे उन सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिलेगा जो पात्र होते हुए अभी तक योजना के लाभ से वंचित हैं। जिला कलक्टर ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए स्वैच्छा से अपने नाम हटवाकर जरूरतमंदों के लिए स्थान सुनिश्चित करें।

ओम बिरला आज से कोटा प्रवास पर

जयपुर / कोटा । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर कोटा आएंगे। प्रवास के दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। प्रातः 10 बजे वे मेनाल रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित रेलवे जनसम्पर्क अधिकारियों की संगोष्ठी में भाग लेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे वे बपावर कृषि मंडी में आयोजित लाड़ली बहना सामूहिक रक्षाबंधन कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के साथ सम्मिलित होंगे।

सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक ने जामडोली कैंपस स्थित भवनों का निरीक्षण किया

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को जामडोली कैंपस स्थित विमंदित गृह, छात्रावास सहित विभिन्न भवनों का औचक निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने मूंडला स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर पीठ एवं छात्रावास का भी निरीक्षण किया।

मोदी ने निरीक्षण के दौरान विमंदित गृह के बालक-बालिकाओं से बातचीत करते हुए समय व्यतीत किया। इस दौरान उन्होंने बारिश में भवनों की स्थिति, जल भराव की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

निदेशक ने राजकीय बौद्धिक दिव्यांग विद्यालय में बच्चों के क्लास रूम, रसोई व अन्य व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने बच्चों के साथ मनोरंजक बातें की। विमंदित बच्चों ने अपने हाथों से बनी राखी निदेशक को बांधी और उन्हें कविताएं भी सुनाई। इस दौरान उन्होंने बच्चों की कॉपी में पेंटिंग्स देखकर हौसला अफजाई करते हुए शाबाशी भी दी।मोदी ने जामडोली कैंपस में बने अनुसूचित जाति, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विशेष पिछड़ा वर्ग, देवनारायण बालिका छात्रावासों का निरीक्षण किया। इसके अलावा बौद्धिक दिव्यांग शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राज्य पुनर्वास एवं अनुसंधान संस्थान, सीआरसी, अपना घर द्वारा संचालित वृद्धाश्रम, मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह आदि भवनों का निरीक्षण किया। निदेशक ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों के साथ संवाद किया साथ ही बौद्धिक दिव्यांग गृह में भोजन भी किया। मोदी ने जमवा रामगढ़ के मूंडला में बनी डॉ भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन (अंबेडकर पीठ) का भी निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन केसरलाल मीना, अतिरिक्त निदेशक चंद्र शेखर, रीना शर्मा, संयुक्त निदेशक दिलबाग, बीपी चंदेल सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विमंदित बच्चों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी को राखी बांधी।

- **निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को जामडोली कैंपस स्थित विमंदित गृह, छात्रावास सहित विभिन्न भवनों का औचक निरीक्षण किया**
- **मोदी ने जमवा रामगढ़ के मूंडला में बनी डॉ भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन (अंबेडकर पीठ) का भी निरीक्षण कर निर्देश दिए**

केनरा बैंक में चोरी की कोशिश

जयपुर। झोटवाडा थाना इलाके में केनरा बैंक में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि शटर तोड़कर नकाबपोश बदमाश बैंक के अंदर घुसे,लेकिन स्ट्रांग रुम का लॉक तोड़ने में कामयाब नहीं होने पर बदमाश भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर मिले फुटेज के आधार पर नकाबपोश बदमाशों की तलाश कर रही है।

जांच अधिकारी एएसआई रामसिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड पर भौमिया नगर में केनरा बैंक की झोटवाड़ा शाखा है। बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक रवनीत कौर ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि 27 जुलाई की रात को बदमाशों ने चोरी की नीयत के चलते बैंक का शटर तोड़कर चैनल गेट से अंदर घुसे। ट्रेजरी में बने स्ट्रांग रुम के लॉक से छेड़छाड़ कर तोड़ने का प्रयास किया। काफी कोशिश के बाद भी कामयाब नहीं होने पर पकड़े जाने के डर से चोर फरार हो गए। 28 जुलाई की सुबह सिक्योरिटी गार्ड गिरवर सिंह को बैंक पहुंचने पर वारदात का पता चलने पर पुलिस को सूचना दी गई।

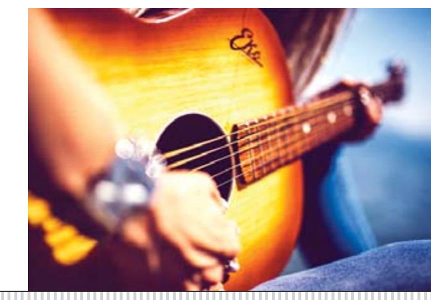

Feel the Rhythm, Embrace the Blues

With a distinct melancholy and tone that is somber, Blues music offers a unique style with captivating rhythms and fascinating vocals. Its soulful lyrics often reflect some of the difficulties of life, which are identifiable to almost anyone. International Blues Music Day is here to show some affection and appreciation for this genre of music, in the hope of also sharing it with the world! Ideally, the best way to celebrate International Blues Music Day would be to check out some live Blues bands in concert in the area. You can also hop onto Apple Music, Spotify, or another online music platform and cue up a range of different artists in honour of the day.

#DESTROYER

Hindu Who Destroyed Temples

The Untold Story of Raja Harsh Dev: The Man Who Destroyed Hindu Temples Was a Hindu

History often presents us with complex figures whose legacies defy simple categorization. One such intriguing personality is Raja Harsh Dev, a Hindu ruler whose name is often associated with the destruction of Hindu temples, a paradox that has sparked curiosity and debate among historians and enthusiasts alike.

A Controversial Legacy

Raja Harsh Dev, once a powerful monarch in his region, is remembered for a reign marked by significant political and social upheaval. While many rulers sought to protect and promote their religious institutions, Harsh Dev's story takes a surprising turn. Despite being a devout Hindu himself, he gained notoriety for ordering the demolition of several temples, a decision that has left historians puzzled.

What Led to the Temple Destruction?

So, what could have driven a Hindu king to destroy temples dedicated to his own faith? Experts suggest multiple factors that may have influenced his actions.

- **Political Strategy:** Some historians argue that Harsh Dev's temple destructions were motivated more by political expediency than religious zeal. Temples during his time were often centers of immense wealth and power. By targeting them, Harsh Dev could have been aiming to weaken rival factions or consolidate his authority.
- **Religious Reforms:** There are also theories that Harsh Dev sought to reform the religious landscape. He may have viewed certain temple practices as corrupt or misguided and believed that dismantling these sites was necessary to restore spiritual purity.
- **External Pressures:** Harsh Dev's reign coincided with turbulent times marked by invasions and shifting alliances. It's possible that external threats and the need for survival pushed him into decisions that contradicted his personal faith.

The Untold Story

While temple destruction understandably evokes strong emotions, it is important to view Harsh Dev's legacy within the broader context of his era. His reign also saw advancements in art, literature, and governance that contributed to the cultural fabric of his kingdom.

Moreover, Harsh Dev's story invites us to reconsider the often simplistic narratives of history. His actions challenge the binary of religious loyalty versus betrayal and remind us that leaders operate within complex social, political, and personal frameworks.

Lessons from History

The tale of Raja Harsh Dev is a potent reminder that history is rarely black and white. It encourages us to delve deeper, question surface-level interpretations, and understand the multifaceted motives behind historic events. As scholars continue to research and debate his reign, Raja Harsh Dev remains a fascinating figure whose story offers valuable insights into the complexities of faith, power, and legacy.

No country can match China for its extensive and efficient factories, and Apple's roots there are deep. So, it is a point of pride for many in Indian government and business that Apple has shifted some of its iPhone assembly. The idea that Apple could redirect its manufacturing capacity from China straight to the United States, bypassing India, caused a collective double take.

What Trump's Apple Threat Means for India And Any Further Negotiations

Apple's Chief Executive, Tim Cook, with Mr. Modi in 2023.

#TRADESLEDGE

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

President Trump said on Wednesday that he will impose a 25% tariff on goods from India, plus an additional import tax because of India's purchasing of Russian oil, says Associated Press.

India 'is our friend,' Trump said on his Truth Social platform, but its tariffs 'are far too high' on U.S. products.

The Republican president added that India buys military equipment and oil from Russia, which he said has enabled the war in Ukraine. As a result, he intends to charge an additional 'penalty' starting yesterday as part of the launch of his administration's revised tariffs on multiple countries.

The new tariffs could put India at a disadvantage in the U.S. market relative to Vietnam, Bangladesh and, possibly, China, said Ajay Sahai, director general of the Federation of Indian Export Organisations.

While Trump has effectively wielded tariffs as a cudgel to reset the terms of trade, the economic impact is uncertain as most economists expect a slowdown in U.S. growth and greater inflationary pressures as some of the costs of the taxes are passed along to domestic businesses and consumers.

French President Emmanuel Macron said on Wednesday in the aftermath of the trade framework that Europe 'does not see itself sufficiently' as a global power, saying in a Cabinet meeting that negotiations with the U.S. will continue as the agreement gets formalized.

"To be free, you have to be feared," Macron said. "We have not been feared enough. There is a greater urgency than ever to accelerate the European agenda for sovereignty and competitiveness."

In sight of these developments, it becomes mandatory to now look into the health and wealth of existing U.S. interests mutually benefiting India as well, all-over again.

Apple and India have invested years and billions of dollars in teaming up against China. India sees it as a strength. To President Trump, it looks like leverage.

Even after President Trump hit it with a 26 per cent tariff, India had reason to be hopeful about trade negotiations with the United States.

China was facing even higher import taxes. So were smaller Asian countries whose exports compete with India, like Vietnam and Bangladesh. That positioned India to use the trade war to advance its goal of luring the business that was expected to flee its giant neighbour. Plus, India's prime minister, Narendra Modi, had a cozy relationship with Mr. Trump.

India's prime minister, Narendra Modi, met President Trump in February.

While Trump has effectively wielded tariffs as a cudgel to reset the terms of trade, the economic impact is uncertain as most economists expect a slowdown in U.S. growth and greater inflationary pressures as some of the costs of the taxes are passed along to domestic businesses and consumers.

Things are looking tougher for India now, and for its American business partners. Mr. Trump has changed up his tactics with China, backing off his highest tariffs. That wrong-footed India, which now faces tariffs not much lower than China.

Even after President Trump hit it with a 26 per cent tariff, India had reason to be hopeful about trade negotiations with the United States.

Then, he threw a wrench into India's relationship with Apple, the single most striking example of an American company that reoriented its production away from Chinese suppliers.

A few years ago, nearly every iPhone was assembled in China. By the end of this year, an estimated 25 per cent or more will be made in India. Last week, Mr. Trump revealed that he does not see that as progress. He said Apple's production should skip India and move to the United States instead.

Officials in New Delhi are not entirely sure what to make of Mr. Trump's remarks about Apple. But they have complicated an already complex negotiation.

The government in Tamil Nadu has helped construct dormitories for Foxconn workers.

Indian officials were in Washington this week, trying to hash out a deal. Piyush Goyal, the commerce minister, had already hopped back and forth from New Delhi twice since Mr. Trump was re-elected.

On Tuesday, after wrapping up a meeting with his American counterpart, Howard Lutnick, Mr. Goyal posted on social media that he was 'expediting the first tranche of India-U.S. Bilateral Trade Agreement.' With the word 'tranche,' he dropped a clue that India sees any agreement playing out as a series.

But there is no certainty about the path for the talks, as the past 10 days have made frustratingly clear in New Delhi. Before he added Apple to the chaotic dynamic, Mr. Trump conflated India's trade negotiations with its recent conflict with its nuclear-armed neighbour Pakistan. Indian diplomats were frustrated when the American president claimed the credit for brokering a ceasefire and then offered to step into their dangerous dispute over the region of Kashmir.

India's government was made even more unhappy when Mr. Trump then inserted trade into his account of the peacemaking. "I said, 'Come on, we're going to do a lot of trade with you guys,'" he said on May 12. "People have never really used trade the way I used it." A senior Indian official denied that trade had even been discussed.

Then, on May 15, Mr. Trump demanded that Apple stop its years long efforts to reduce its reliance on China and make iPhones in India.

In the southern state of Tamil Nadu, at the heart of Apple's supply chain in India, the local government has helped companies like Foxconn, the Taiwanese giant that has made iPhones in China for years, by building workers' dormitories and providing other China-style infrastructure. India's national government has been subsidizing the manufacture of high-tech goods.

"I told Tim Cook: 'We're not interested in you building in India. They can take care of themselves; you up your production' in the United States," he said, referring to Apple's chief executive.

The demand is a slap in the face for India, a close U.S. partner that for many American companies has been an increasingly viable location to lessen their dependence on China. Ever since the Covid-19 pandemic, global businesses that depend on China have been looking for ways to pare the risk of relying too much on one big country. India assured its American friends that it could take up the slack.

No country can match China for its extensive and efficient factories, and Apple's roots there are deep. So, it is a point of pride for many in Indian government and business that Apple has shifted some of its iPhone assembly. The idea that Apple could redirect its manufacturing capacity from China straight to the United States, bypassing India, caused a collective double take.

Apple did not respond to a request to comment.

"Everyone wants manufacturing at home," said Prachir Singh, an analyst in India for Counterpoint Research, which covers technology companies. But that's much easier said than done, in his comments to New York Times. "If you talk about iPhones, there are more than 1,000 components. It took almost a decade for Apple to set up such a supply chain in China," Mr. Singh said. "And it took more than five years to reach some capacity here."

Several factors went into making parts of India competitive with China's manufacturing marvel.

In the southern state of Tamil Nadu, at the heart of Apple's supply chain in India, the local government has helped companies like Foxconn, the Taiwanese giant that has made iPhones in China for years, by building workers' dormitories and providing other China-style infrastructure. India's national government has been subsidizing the manufacture of high-tech goods since 2020.

Labor costs are low across India. Local trade unions in Tamil Nadu estimate that the average monthly salary was equivalent to $233. Wages, even for jobs that require engineering degrees, are competitive enough with costs in China.

Finally, companies like Foxconn have helped local businesses upgrade the value chain in India, by building more of iPhone's components in India. That creates what factory managers call an ecosystem: dense clusters of talent and supply that are starting to give India the kind of industrial edge that China showed more than 20 years ago.

Two people in contact with the Indian trade negotiators, requesting anonymity to discuss sensitive matters, said that they did not believe that India was at risk of losing Apple's business. They added that it was unthinkable to them that the United States would be ready to compete with India's advantages in manufacturing. Instead, they said, it must be a bargaining tactic.

rajeshsharma1049@gmail.com

The warning comes amid Apple's ongoing efforts to diversify its production base away from China.

#LAUGHTER

What Makes Some Words Funny?

"As schoolboys of a certain age rediscover repeatedly, there is a sense in which simply uttering the word 'fart' is a one-word joke," - Westbury and Geoff Hollis, professors at the University of Alberta in Canada

Don't laugh, but professor Chris Westbury's newest psychology study is about farts.

It's also about snots, chortles, wienies, heinies and bozos; things that are wriggly, jiggly, flappy and slaphappy; things that waddle, things that slobber; things that puke, cluck, squawk and dingle.

That's because Westbury studies funny words, and, more specifically, what makes some words funny and others not.

"As schoolboys of a certain age rediscover repeatedly, there is a sense in which simply uttering the word 'fart' is a one-word joke," Westbury and Geoff Hollis, both professors at the University of Alberta in Canada, wrote in a new study published in the *Journal of Experimental Psychology: General.*

But what, Westbury wondered, makes the word 'fart' so funny? He already knew from a 2016 study he co-authored that part of a word's funniness could be explained by the popular theory of humour, known as incongruity theory, the idea that something becomes funnier the more it subverts your expectations. In that study, students rated the funniness of several thousand meaningless, computer-generated words, or 'nonwords.' The nonwords with surprising letter combinations that looked least like known English words, such as 'snunkoople,' 'hablump' and 'jumemo,' were consistently rated funniest. Dirty-sounding nonwords like 'whong,' 'dongl' and 'focky' also performed very well, suggesting that a word's perceived connotation played a role in humour, even for words that had no real meaning. In their new study, Westbury and Hollis delved further into the relationship between word sounds, meanings and humour, this time, working with tens of thousands of real English words.

The science of booty tinkles

They started with a list of 4,997 common words previously compiled by a team of psychologists at the University of Warwick in the UK. and scored with funniness ratings by a panel of 800 online participants. The Warwick psychologists found that words like 'booty,' 'tinkle' and 'nitwit' were consistently ranked as being very funny, while words like 'pain,' 'torture' and 'deathbed' were ranked as being decidedly humourless.

Westbury and Hollis looked at each one of the nearly 5,000 words under a humourist microscope, categorizing them based on 20 different factors, including how long the word itself was, how positive or negative the word's meaning was, how common each letter or combination of letters was in English, and whether the word contained a crude or profane-sounding string of characters within it (like 'pike' and 'bunghole,' for example).

With these factors and the pre-existing humour scores for the words in the entire list, the researchers devised several different equations that could, theoretically, predict the humorousness of any given word. They tested two of their humour equations on a list of more than 45,000 words, then, ranked the results in their new paper. One algorithm decided the top five funniest words on the list were:

1. Upchuck
2. Bubby
3. Boff
4. Wriggly
5. Yaps

The second equation, which was written with the help of a special data-modelling programme that Hollis and Westbury co-created in 2006, predicted that the funniest words were:

1. Slobbering
2. Puking
3. Fuzz
4. Floozy
5. Cackling

Among the highest- and lowest-rated words, several clear patterns emerged. Both equations agreed that the least-funny words were those with highly negative meanings such as 'violence,' 'attacks,' 'rape,' 'murder' and 'harassment.' Meanwhile, words with meanings related to sex, bodily functions, insults, animals and partying were consistently predicted to induce giggles (actually, 'giggle' was the seventh-funniest word in English, according to the first data model).

Word sounds (or 'phonemes') played a huge role, too. Echoing Westbury's 2016 nonword study, words with an emphasis on relatively uncommon letters, like k, j and y, consistently appeared funny. The single funniest phoneme in English turned out to be the vowel sound /u/, as in 'guffaw,' 'humph' and 'lummox.' This vowel sound appeared in nearly 20 per cent of the words judged most funny, the authors wrote.

The perfect funny word, the authors concluded, is 'a short, infrequent word composed of uncommon letters,' and has a meaning that is 'human and insulting, profane, diminutive and/or related to good times.'

With that much settled, Westbury and Hollis hope to extend their research into quantifying the humour values of word pairs, 'such as toothy weasel, muzzy muffin and fizzy turd,' they wrote, and eventually entire jokes. How funny is a chicken crossing a road, anyway? Evidently, that depends on whether it farts on the other side.

THE WALL

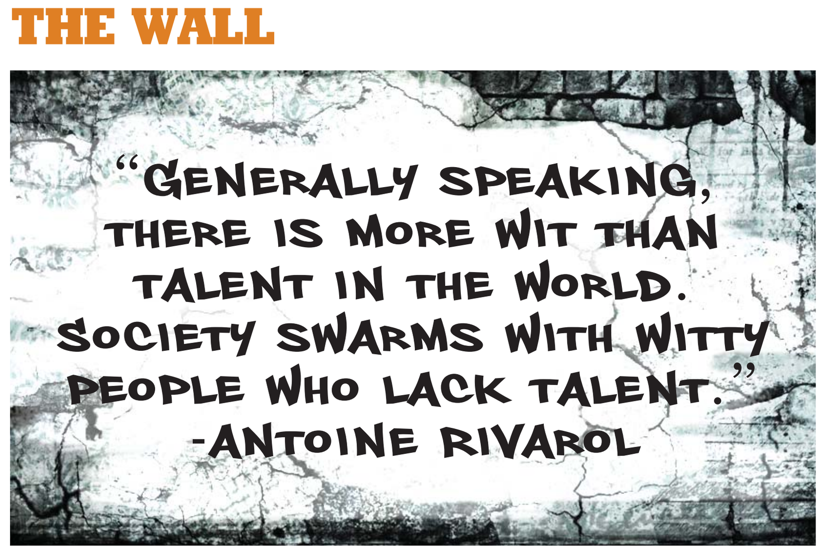

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

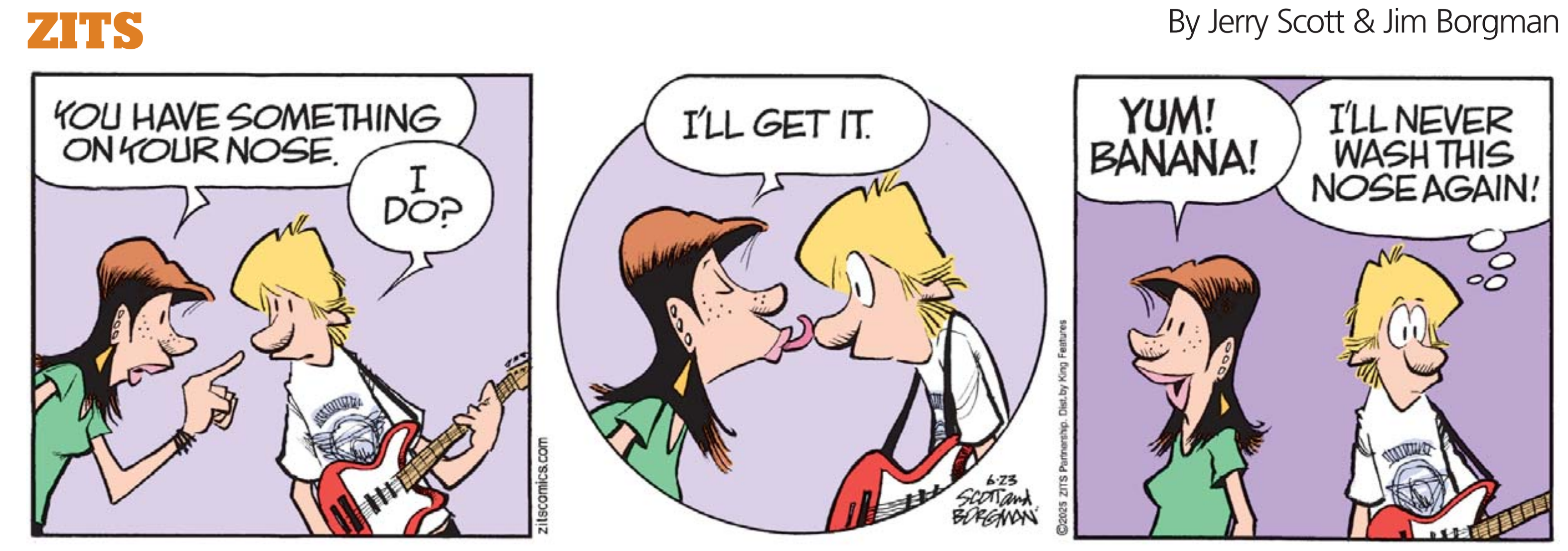

खेत में अवैध शराब बनाने का कारखाना पकड़ा, बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त

अवैध शराब का कारखाना चलाने वाले लोग मौके से फरार हो गये

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ जिले के डग क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से देसी शराब बनाने का एक कारखाना पकड़ा है। कारखाने से बड़ी तादाद में अवैध शराब बनाने की सामग्री जब्त की गई है। अवैध रूप से शराब बनाये जाने का यह कारखाना फतेह सिंह नामक व्यक्ति के खेत में संचालित किया जा रहा था, जहां दबिश देकर पुलिस ने भारी तादाद में अवैध शराब से संबंधित माल भी पकड़ा है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना उन्हैल व डग द्वारा अवैध देशी शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुये लुहारिया के माल में फतेसिंह पुत्र बालू सिंह सोंधिया राजपूत निवासी लुहारिया के खेत पर मकान में चल रहे अवैध देशी शराब का कारखाना पकड़ा है। कारखाने पर छापेमारी की कार्यवाही के दौरान अवैध देशी शराब बनाने की सामग्री, 500 लीटर स्प्रीट, केमिकल के दो ड्रम, 6000 खाली पव्वे, 6000 पव्वों के ढक्कन, एक पव्वा पैक करने की मशीन, 3000 स्टीकर, ग्लोबल नींबू स्पेशल देशी शराब के 800 लैबल, 30 पानी के कैम्पर, एक यूरिया उर्वरक से भरा प्लास्टिक का कट्टा, 1870 कार्टूनस् बनाने के गत्ते, एक मोहर ग्लोबल स्प्रीट लिमिटेड बहरोड तथा एक विद्युत जनरेटर जब्त किया। अवैध शराब का कारखाना चलाने वाले लोग मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस द्वारा कारखाने का संचालन करने वाले तस्करों की भी तलाश की जा रही है तथा कारखाने में मिली समस्त सामग्री को जप्त कर लिया गया है।

झालावाड़ के डग कस्बे में पुलिस ने अवैध शराब के कारखाने पर कार्रवाई की।

- **कारखाने का संचालन करने वाले तस्करों की पुलिस तलाश कर रही है**

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार : -डूंगरपुर के कोतवाली थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नवाडेरा-साबेला बायपास पर एक बाइक सवार युवक से 1.25 लाख रुपए की ब्राउन शुगर जब्त की है। आरोपी प्रतापगढ़ से ब्राउन शुगर लाकर डूंगरपुर में युवाओं को बेचता था।

सीआई शैलेंद्रसिंह ने बताया कि बस स्टैंड चौकी इंचार्ज लक्ष्मणसिंह को सूचना मिली थी कि एक युवक ब्राउन शुगर लेकर जा रहा है। इस सूचना पर टीम ने नवाडेरा साबेला रोड पर नाकेबंदी की। इस दौरान एक बाइक सवार को आते देखकर रोका गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम लालपुरा में जामा मस्जिद के पास का निवासी साजिद शोरगर पुत्र मोहम्मद सलीम बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से पुडिया में 8.24 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। इसकी बाजार में कीमत करीब 1.25 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी साजिद को गिरफ्तार कर लिया है।

पालिका क्षेत्र का कचरा फतेहपुरा खुर्द में डालने का विरोध

पावटा, (निसं)। नगर पालिका पावटा प्रागपुरा क्षेत्र में कचरा निस्तारण की व्यवस्था बड़ी ही अव्यवस्थित है। नगर पालिका द्वारा डंपिंग यार्ड की व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र का कचरा नदी बहाव क्षेत्र में खुले में ही फेंका जाता है, लेकिन क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण खार नदी में पानी आने से नदी में पानी का बहाव होने के कारण गुरुवार सुबह नगर पालिका प्रशासन कचरे को फेंकने के लिए ऑटो टीपर लेकर फतेहपुरा खुर्द की नदी पहुंचे। वहां पहुंचते ही ग्रामीणों ने कचरा डालने गए ऑटो टीपरों को रोक दिया व विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

- **ग्रामीणों के विरोध पर कचरे से भरे ऑटो टीपर वापस लौटे**
- **पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र का कचरा नदी बहाव क्षेत्र में डाला जाता है**
- **बारिश में खार नदी में पानी आने से कचरा डालने की समस्या उत्पन्न हुई**

कचरे से भरे ऑटो टीपर फतेहपुरा खुर्द की नदी में पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों ने टीपरों को रोक दिया।

जीएसएस अध्यक्ष बजरंग लाल यादव, बनवारी हवलदार, रामकरण यादव, बीरबल यादव, श्रीराम यादव, बाबूलाल यादव, कैलाश यादव और देवानंद यादव ने बताया कि नदी के पास गोवंश खुले में घूमते हैं, इसलिए वहां कचरा डालना उनकी जान-माल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने बताया कि फतेहपुरा खुर्द में सैकड़ों निराश्रित गौवंश विचरण करते हैं और कचरा डालने से वे बीमार हो सकते हैं। इसके अलावा, कचरे के ढेर से होने वाली दुर्गंध से बीमारियां फैलने का खतरा भी है। बनवारी हवलदार, रामकरण हवलदार, बीरबल यादव, श्रीराम यादव, बाबूलाल बिछवाल, कैलाश हवलदार, देवानंद यादव आदि ने विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कचरा डालने आई गाड़ियों को रोककर उन्हें वापस लौटा दिया। लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से कचरा निस्तारण के लिए उचित डंपिंग यार्ड निर्माण की मांग की है, जिससे लोगों की समस्या का समाधान हो।

पांच हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद थाना पुलिस और सायबर टीम ने गंगापुर थाने के पांच हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस दौरान भगाने के प्रयास में छत से कूदने पर तस्कर घायल भी हो गया। आरोपी का पुलिस ने मेडिकल मुआयना करवाया।

जानकारी के अनुसार जिले की आसीन्द थाना पुलिस ने गंगापुर थाने के एन.डी.पी.एस. एक्ट प्रकरण में डेढ़ साल से फरार पांच हजार रूपये के इनामी तस्कर भीमगढ़ जिला चितौडगढ़ निवासी आरोपी मदनलाल को गिरफ्तार किया। आरोपी गुजरात, राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर पहचान छिपाकर फरारी काट रहा था।

आरोपी को साइबर सेल और आसींद पुलिस ने उसके मकान का घेरा डाला कर पकड़ा तो स्वयं के मकान की छत से कूद कर लोहे के चद्दरों से होते हुए भागने का प्रयास किया। इस दौरान लोहे के चद्दरों से नीचे कूदने पर दांये पैर में आरोपी के चोट लगी, जिसको डिटेन कर मेडिकल मुआयना करवाया गया।

महिला बनकर करते थे ठगी, पुलिस ने आरोपियों की महिला की ड्रेस में परेड करवाई

मेड़ता सिटी, (निसं)। दो लाख की ठगी करने वाले तीन शातिर ठगों का एक अलग ही चेहरा सामने आया है। आरोपी महिलाओं के भेष में लोगों को झांसा देकर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और महिलाओं की ड्रेस पहनाकर पूरे शहर में उनकी पैदल परेड करवाई।

- **लॉटरी लगने का झांसा देकर लोगों से लाखों की ठगी करते और फिर फरार हो जाते थे**

मेड़ता थानाधिकारी धर्मेश दायमा ने बताया कि महिला के कपड़े पहनकर लोगों को अपना निशाना बनाते फिर उनसे ठगी करते थे। ठगी करने के मामले में दो लाख की ठगी की, जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनको महिला की ड्रेस पहनाकर परेड कराई गई, जिसमें आरोपी गिरफ्तार आरोपियों में अनिल कोठवानी पुत्र रूपचंद कोठवानी, पूरणमल पुत्र सुरतमल सिंधी, कुलभूषण पुत्र सुदेश कुमार पंजाबी को गिरफ्तार किया।

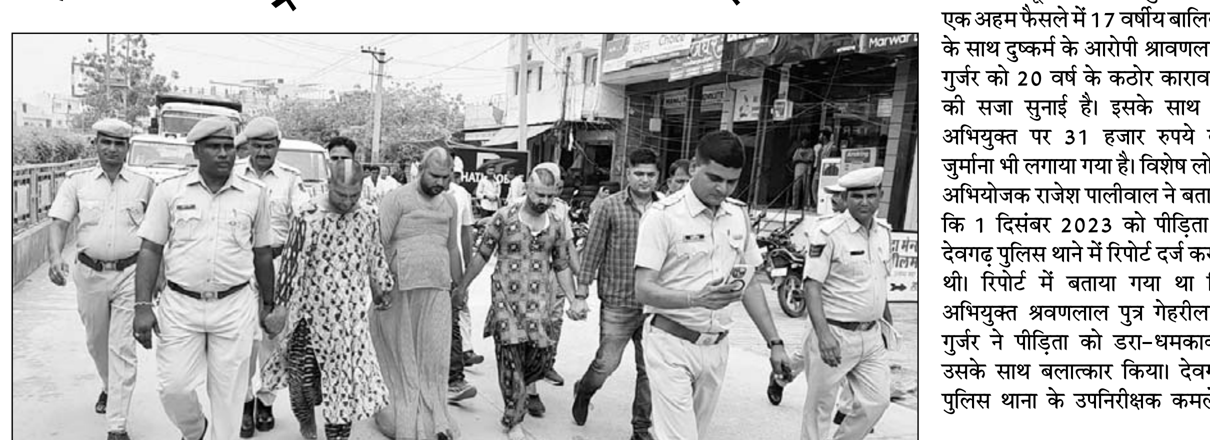
मेड़ता पुलिस ने तीन शातिर ठगों को महिलाओं की ड्रेस पहनाकर शहर में पैदल परेड करवाई।

पुलिस उप अधीक्षक रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया कि ये तीनों आरोपी महिला वेशभूषा में वारदात को अंजाम देते थे। लॉटरी लगने का झांसा देकर लोगों से लाखों की ठगी करते और फिर फरार हो जाते थे। इसी तरह 21 जुलाई को मेड़ता सिटी के कृषि मंडी रोड पर एक व्यक्ति से 2 लाख की ठगी की गई थी। डीएसपी मलिंडा ने बताया कि ठगी की वारदात के बाद पुलिस ने लगातार निगरानी रखी और तकनीकी सहायता व मुखबिरी के आधार पर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कई और वारदातें स्वीकार की है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान थानाधिकारी धर्मेश दायमा सहित मेड़ता सिटी पुलिस टीम भी मौजूद रही।

दुष्कर्म मामले में आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

राजसमंद, (निसं)। राजसमंद की विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट की न्यायाधीश पूर्णिमा गौड ने शुक्रवार को एक अहम फैसले में 17 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी श्रावणलाल गुर्जर को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अभियुक्त पर 31 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशेष लोक अभियोजक राजेश पालीवाल ने बताया कि 1 दिसंबर 2023 को पीड़िता ने देवगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि अभियुक्त श्रवणलाल पुत्र गेहरीलाल गुर्जर ने पीड़िता को डरा-धमकाकर उसके साथ बलात्कार किया। देवगढ पुलिस थाना के उपनिरीक्षक कमलेंद्र सिंह ने त्वरित और सजगता दिखाते हुए इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। पीड़िता और सरकार की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक राजेश पालीवाल ने प्रभावी पैरवी करते हुए कुल 19 गवाहों के बयान और 49 दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। पीड़िता ने न्यायालय में दिए अपने बयान में स्पष्ट रूप से बताया कि अभियुक्त श्रवणलाल ने उसे डरा-धमकाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विशिष्ट न्यायाधीश पूर्णिमा गौड ने अभियुक्त श्रवणलाल को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी मानते हुए यह कठोर सजा सुनाई।

मसूदा पोस्ट ऑफिस में छत का प्लास्टर गिरा

मसूदा, (निसं)। मसूदा स्थित पोस्ट ऑफिस में छत का प्लास्टर गिरने से चार-पांच लोग घायल हो गए।गनीमत रही की बड़ा हादसा टल गया। पोस्ट ऑफिस जर्जर हालत में बड़ी दुर्घटनाओं को न्यौता देता दिखाई दे रहा है। मसूदा पोस्टमास्टर चन्द सिंह ने बताया कि रोजमर्रा की तरह पोस्ट ऑफिस में लेनदेन का कार्य चल रहा था कि अचानक ऑफिस में छत का प्लास्टर भरभरा कर गिर गया, जिसमें चार पांच लोग घायल हो गए। सभी का मसूदा चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कराया गया। गनीमत रही कि सभी को गम्भीर चोटें नहीं आई। पोस्टमास्टरचन्द सिंह ने घटना के बारेमें उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है।

जर्जर पुराने बालिका विद्यालय भवन व हवेलियों से हादसे की आशंका

पावटा, (निसं)। कस्बे पावटा स्थित गणेश मंदिर के पास मार्ग पर वर्षों पूर्व निर्मित बालिका विद्यालय का पुराना भवन व हवेलियां जर्जर हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। बालिका विद्यालय का पुराने जर्जर भवन के दोनों तरफ आम रास्ता होने से राहगीरों का आवागमन लगा रहता है। जर्जर भवन से कई बार छज्जा-मलबा गिरा, लेकिन गनीमत रही कि आज तक कोई राहगीर चोटिल नहीं हुआ। ग्रामीणों द्वारा भवन के जर्जर हिस्से को गिराने को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

पावटा में पुराना विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में पहुंचा।

क्षेत्र में कई हवेलियां ऐसी हैं जिन्हें देखकर ही डर लगता है। ऐसा भी नहीं है कि इन हवेलियों में कोई रहता है बल्कि ये हवेलियां सूनी पड़ी है, लेकिन ये हवेलियां इतनी जर्जर हो चुकी है कि इन्हें देखकर डर लगने लगता है। जर्जर हवेलियों का सर्वे तक नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में एक दर्जन के आसपास जर्जर हवेलियां है जो कभी भी गिर सकती है। बारिश के कारण इनके गिरने की आशंका रहती है। जर्जर हवेलियां कभी भी धराशायी हो सकती है जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता है। यहां कई नन्हें मुन्ने बालक सुबह शाम खेलते रहते हैं वहीं राहगीर भी रोजाना गुजरते हैं। जहां भी जर्जर हवेलियां हैं, वहां रहने वाले लोग हमेशा सहमे व डरे रहते हैं। जर्जर हवेलियों के पास रहने वाले लोगों ने बताया हवेलियों में कोई नहीं रहता है, जिसके कारण इनकी सार-संभाल नहीं की जाती है।

शराबी ट्रक चालक ने जमकर उत्पात मचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। गंगापुर चौराहे पर एक शराबी ट्रक चालक ने जमकर उत्पात मचाया। साइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद भाग निकला ट्रक चित्तौड़ मार्ग पर ब्लूब्रिज के पास भीलवाड़ा के स्वागत द्वार होर्डिंग्स से जा टकराया। अजमेर की ओर से आए ट्रक ने गंगापुर तिराहे के पास एक साइकिल सवार को टक्कर मारी और जब यहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रुकवाकर उसमें कांस्टेबल को बैठकर यातायात चौकी पर भेजा तो पुलिस कर्मियों ने चालक लोकेश और कैलाश को चौकी पर बैठा लिया, लेकिन उनका तीसरा साथी ट्रक लेकर भाग निकला और चित्तौड़ रोड स्थित ब्लूब्रिज के पास यूआईटी होर्डिंग्स भीलवाड़ा के स्वागत द्वार से जा टकराया, जिससे होर्डिंग और पाइप ट्रक पर आ गिरे।

ट्रेलर चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की पुर थाना पुलिस ने जिंदल शॉ लि. कंपनी की पार्किंग में खड़े ट्रेलर चोरी का 48 घंटे में ही खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ट्रेलर बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि पुर थाना क्षेत्र स्थित जिंदल शॉ लि. कंपनी की पार्किंग में बोरड़ा बावरियान (शाहपुरा) निवासी भैरूलाल पुत्र मिश्री लाल जाट ने बताया कि गत चार साल से वह ट्रक ड्राइवरी का काम करता है और तीन माह से बालाजी कार्गो मूवर्स बालापुरा, भीलवाड़ा की गाड़ी ट्रेलर को चला रहा है, जिसको 26 जुलाई को लेकर वह जिंदल कंपनी भीलवाड़ा में आया था। वहां गाड़ी लोड करने में समय लगने के कारण गाड़ी को जिंदल की पार्किंग में खड़ी कर लॉक करके घर चला गया और 28 जुलाई को वापिस आया तो गाड़ी नहीं मिली।

इस संबंध में एक रिपोर्ट पुर थाने में दी। इस पर पुलिस ने मामले की पड़ताल आधुनिक तरीके से करते हुए दूणी टोंक से ट्रोला बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने चोरी के आरोपी कुरडा का झोंपड़ा देवखेड़ा थाना दूणी निवासी रामस्वरूप पिता सोजीराम तथा रोहित पिता मोहनलाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी पुष्पा कांसौटिया, कांस्टेबल अनिरूद्ध, सुरक्षा कुमार व विनोद ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का 69वां स्थापना दिवस मनाया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 69वें स्थापना दिवस का आयोजन शुक्रवार को समारोहपूर्वक किया गया। बोर्ड परिसर में प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ एवं सचिव कैलाश चंद्र शर्मा की उपस्थिति में मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन किया गया। इसके पश्चात अधिकारियों ने बोर्ड परिसर एवं बोर्ड की नवीन भूमि पर पौधारोपण कर हरित वातावरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम में बोर्ड प्रशासक राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा एक अगस्त 1957 को माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1957 के अंतर्गत बोर्ड की स्थापना की गई थी। प्रारंभ में बोर्ड कार्यालय जयपुर के गांधी नगर स्थित कालाजी की बिल्डिंग में खोला गया था। जी.सी. चटर्जी पहले अध्यक्ष तथा आर के अग्रवाल पहले सचिव नियुक्त हुए थे। वर्ष 1958 में बोर्ड द्वारा प्रथम बार हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1961 से लेकर 1972 तक बोर्ड कार्यालय अजमेर स्थित बम्बेवाली कोठी और नजरबाग भवनों में संचालित हुआ। तत्पश्चात तत्कालीन अध्यक्ष के एल बोर्दिया के प्रयासों से 1973 में वर्तमान जयपुर रोड स्थित बहुमंजिला भवन में बोर्ड कार्यालय को स्थानांतरित किया गया। प्रारंभिक वर्षों में परीक्षार्थियों की संख्या लगभग 29 हजार थी तथा 250 विद्यालय बोर्ड से संबद्ध थे। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने समय के साथ अपने स्वरूप और कार्यप्रणाली में अनेक परिवर्तन किए हैं। वर्ष 1962 में इंटरमीडिएट परीक्षा समाप्त की गई और 1964 से संस्कृत की प्रवेशिका और उपाध्याय परीक्षाओं का आयोजन प्रारंभ हुआ। इसके साथ ही 1965 से दसवीं कक्षा की परीक्षा को स्कूल स्तर से हटाकर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा के रूप में आयोजित किया जाने लगा। 1968 में पत्राचार पाठ्यक्रम की भी शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 में बोर्ड में लगभग 800 से 850 कर्मचारी कार्यरत थे, जबकि उस समय परीक्षार्थियों की संख्या लगभग 6 लाख 98 हजार थी। वर्तमान में बोर्ड में 272 कर्मचारी कार्यरत हैं और वर्ष 2025 में लगभग 20 लाख विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित हुए हैं। बोर्ड प्रशासक राठौड़ ने कार्मिकों से चर्चा करते हुए भविष्य में आंतरिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाने को कहा।

बोर्ड अधिकारियों व कर्मचारियों ने बोर्ड परिसर एवं बोर्ड की नवीन भूमि पर पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

- **बोर्ड की उपलब्धियों, विकास यात्रा और भविष्य के लक्ष्यों का स्मरण हुआ**

बोर्ड सचिव कैलाशचन्द्र शर्मा ने कहा कि बोर्ड की भूमिका केवल परीक्षा आयोजन तक सीमित नहीं रही है। पूर्व में पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन एवं ओपन बोर्ड के संचालन का कार्य भी बोर्ड द्वारा किया जाता था। ये वर्तमान में राजस्थान पाठ्यपुस्तक मंडल और राजस्थान स्टेट ओपन बोर्ड को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि 69 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में बोर्ड ने शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा दी है और आने वाले वर्षों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण समर्पण के साथ करता रहेगा।

सहायक निदेशक सुशीला गोकलानी, सहायक निदेशक अजय बंसल, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के महामंत्री कुंदन सिंह, उम्मेद गहलोत, पीयूष पारीक, योगेश शर्मा, सहायक अभियंता आदित्य शर्मा, शिखा शर्मा आदि ने पौधरोपण किया। सभी ने मिलकर बोर्ड की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को स्मरण किया। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नीतू यादव, वित्तीय सलाहकार रश्मि बिस्सा, मुख्य परीक्षा नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक प्रशासन राजेंद्र पारीक, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, बोर्ड कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष मोहनसिंह रावत, महामंत्री करण सिंह यादव सहित समस्त बोर्ड स्टाफ की उपस्थिति रही।

जवाई बांध 40.40 फीट पर पहुंचा

पाली, (निसं)। पाली जिले में अब तक 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जिससे जिले के 14 बांध ओवरफ्लो चल रहे हैं। पाली की लाइफ लाइन पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़ा बांध जवाई बांध में एक साल का पानी आ चुका है, शुक्रवार सुबह तक 40.40 फीट गेज पहुंच गया था। जवाई बांध सिरोही जिले के शिवगंज के साथ पाली जिले के नौ शहर सुमेरपुर, देसूरी, रानी, जैतारण, मारवाड़, जंक्शन, रायपुर, रोहट, सोजत, एवं बाली समेत 985 गांव को पेयजल उपलब्ध करवाता है। कुछ जालोर जिले के गांवों में भी इसकी पेयजल सप्लाई होती है। इसका गेज 61.25 है। उसके साथ पाली जिले के देसूरी, सीरीयारी राजपुरा ,बोमादड़ा पिकअप, बनियावास, हेमावास, सिंदरू, सादड़ी बांध, सरदार संमद, ओवरफ्लो चल रहे हैं। फिलहाल मानसून धीमा पड़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार अभी बारिश और बाकी है।

आसाराम की सुनवाई टली

जोधपुर, (कासं)। गुजरात और राजस्थान में रेप मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 साल के आसाराम बापू की तरफ से सजा स्थगन को लेकर पेश राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित याचिका पर एक बार फिर सुनवाई टल गई। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 30 जुलाई को गुजरात मामले में आसाराम बापू की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया।

रूपनगढ़ किले के पास जर्जर पानी की टंकी से हादसे का अंदेशा

रूपनगढ़, (निसं)। ऐतिहासिक रूप से समृद्ध रूपनगढ़ कस्बे में स्थित एक पुरानी पानी की टंकी इन दिनों क्षेत्रवासियों के लिए भारी खतरा बनती जा रही है। रूपनगढ़ किले के पास स्थित यह वर्षों पुरानी पानी की टंकी अब इतनी जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है कि वह कभी भी धराशायी हो सकती है। टंकी पर चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ियां जगह-जगह से टूट चुकी हैं और कई स्थानों पर पूरी तरह से लटक गई है। वहीं टंकी की दीवारों में दरारें साफ नजर आने लगी है। लगातार हो रही जंग और मरम्मत के अभाव से टंकी से कभी भी दुर्घटना हो सकती है।

- **टंकी पर चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ियां जगह-जगह से टूट चुकी हैं और कई स्थानों पर पूरी तरह से लटक गई है**

टंकी के चारों ओर घना रिहायशी इलाका है। आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि वे हमेशा डर के साए में जी रहे हैं। बच्चों को बाहर खेलने भेजने से भी डर लगता है। स्थानीय निवासी कई बार प्रशासन को इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

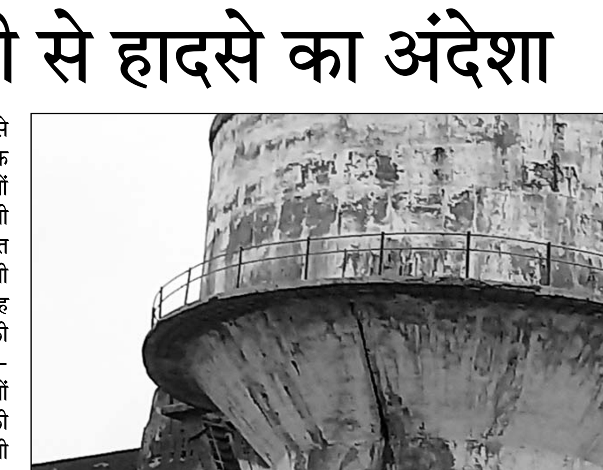
रूपनगढ़ कस्बे में स्थित पुरानी पानी की टंकी जर्जर अवस्था में पहुंची।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह टंकी हमारी आंखों के सामने बनकर खड़ी हुई थी, लेकिन अब यह अपने आखिरी दौर में है। रोज लगता है कि आज नहीं तो कल ये गिर जाएगी। प्रशासन को नींद से जागना चाहिए।

इतने बड़े खतरे के बावजूद संबंधित विभागों की चुप्पी और उदासीनता गंभीर चिंता का विषय है। अगर समय रहते मरम्मत या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की गई, तो यह टंकी किसी बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि वे इस टंकी की तत्काल जांच कराएं और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए त्वरित निर्णय लें या तो टंकी को सुरक्षित बनाएं या ध्वस्त करवाकर आमजन की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस पानी की टंकी से जगह जगह से प्लास्टर गिर रहा है वह लोहे के सरिये नजर आ रहे हैं। वहीं काफी समय से इस पानी की टंकी की सफाई भी नहीं हुई है, जिससे पानी भी गन्दा आ रहा है। इसके लिए जलदाय विभाग की घोर लापरवाही सामने आ रही है।

सीवर लाइन धंसने से हुए गड्ढे देखने पहुंचे मंत्री ने निगम आयुक्त को फोन पर दिए शीघ्र ठीक कराने के निर्देश

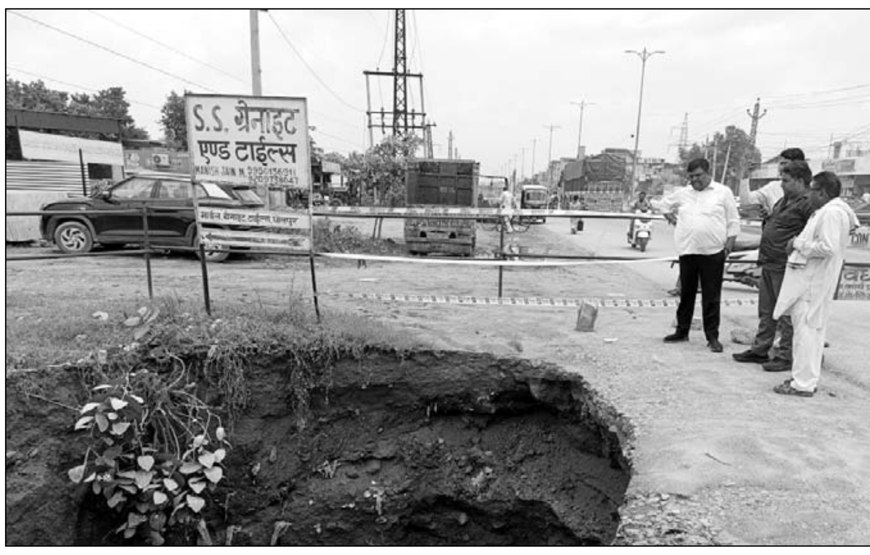

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अलवर शहर में 200 फुट रोड मार्बल मार्केट के पास सीवर लाइन घसने से हुए गड्ढे का निरीक्षण किया ।

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अलवर शहर में 200 फुट रोड मार्बल मार्केट के पास सीवर लाइन घसने से हुए गड्ढे का निरीक्षण किया और नगर निगम आयुक्त को फोन पर शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा अर्चना फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तवीरों का हौसला बढ़ाया व निवास पर जनसुनवाई कर समस्याएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर समाधान के निर्देश दिए। वन राज्यमंत्री शर्मा ने 200 फुट रोड पर सीवर लाइन घसने से हुए गड्ढे को देखा और मौके से ही दूरभाष से नगर निगम आयुक्त को सीवर लाइन की मरम्मत कराकर यथाशीघ्र दुरूस्त कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम द्वारा शहर में कराए जाने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम आयुक्त शहर की प्रभावी मॉनिटरिंग रखे, नगर निगम की टीमें फील्ड में निरंतर विजिट कर शहर में सीवर लाइनों, नालों, जलभराव क्षेत्रों की निगरानी रखते हुए व्यवस्थाओं को सुचारु रखें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि सीवर लाइन से संबंधी कार्यों के उपरान्त क्षितठास्त सडकों को समयबद्ध रूप में दुरूस्त करावे।

- वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने निवास पर की जनसुनवाई लोगों की सुनी समस्या
- रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तवीरों का किया हौसला अफजाई। पौधारोपण कार्यक्रम में हुए शामिल पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया

मंत्री संजय शर्मा ने निवास पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण करने के लिए अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिये। उन्होंने जनसुनवाई में आए पेयजल, विद्युत, सडक, पुलिस आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के लिए कहा है। उन्होंने अधिकारियों को कहा है कि फरियादियों की समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें। इस कार्य में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके अलावा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने फ्रेंडर्स गार्ड में रक्तदान महादान फाउण्डेशन एवं श्री श्यामा जुनेजा हॉस्पिटल में अर्चना फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रक्तदाताओं की हौसला अफजाई किया। रक्तदान महादान फाउण्डेशन के गौरव जांगिड के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने फाण्डेशन के सदस्यों को पौधारोपण

भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में आमजन तक तत्काल सहायता पहुंचे : कल्पना अग्रवाल

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते अधिकारी प्रो–एक्टिव रहे। प्रभावित क्षेत्रों में आमजन तक तत्काल सहायता पहुंचे। साथ ही, राहत व बचाव कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें। जिला कलेक्टर ने शुक्रवार को कलेक्टर कक्ष में आपदा राहत प्रबंधन की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान सीईओ परशुराम धानका, एडीएम रामरतन सौंकरिया, एडीएम (मालपुरा) विनोद कुमार मीणा, सभी उपखंडों के एसडीओ, तहसीलदार, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत, पेयजल, शिक्षा, चिकित्सा एवं आईसीडीएस के अधिकारी मौजूद रहे।

- बारिश से हुई जन एवं पशु हानि के आर्थिक सहायता के प्रस्ताव तैयार कर कलेक्ट्रेट कार्यालय में भिजवाएं

जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जर्जर एवं क्षतिग्रस्त राजकीय भवनों एवं संपत्ति (विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी, सड़क, पुलिया) का सर्वे कराकर शीघ्र प्रस्ताव भिजवाएं जाएं। जो राजकीय भवन पूरी तरह से जीर्ण–शीर्ण और असुरक्षित है, उनमें बच्चों को नहीं बैठाया जाएं। साथ ही, सोमवार तक उन्हें बंद कर बच्चों के पढ़ने के लिए सुरक्षित स्थान का चयन करें। जिला कलेक्टर ने कहा कि जो भवन मरम्मत योग्य है, उनके प्रस्ताव एसडीआरएफ नोर्म्स के अनुसार उपखंड स्तरीय समिति की अनुशंसा के साथ बुधवार तक कलेक्ट्रेट कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में बारिश से हुई जन एवं पशु हानि, घरों में हुए नुकसान के आर्थिक सहायता के प्रस्ताव तैयार कर कलेक्ट्रेट कार्यालय में भिजवाएं, ताकि पीड़ित को राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी राज्य सरकार के निर्देशानुसार गिरदावरी का कार्य शुरू कर समयबद्ध सीमा में पूरा करें। जिला कलेक्टर ने बारिश से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि जल भराव क्षेत्रों से पानी निकासी के उचित प्रबंधन सुनिश्चित किये जाएं। उन्होंने एसडीओ को जिले में दुर्घटना संभावित स्थानों एवं पिकनिक स्पॉट पर सतत् निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि लोग तेज बहाव वाले नदी–नालों को पार नहीं करें, इसके लिए सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करें। अधिकारी आमजन की समस्याओं पर तुरंत एक्शन लेते हुए शीघ्र राहत पहुंचाएं।

सेवानिवृत्ति पर जगदीश नारायण मीणा का ढोल-नगाड़ों से स्वागत

गुणावता गांव में जगदीश नारायण मीणा के सेवानिवृत्ति पर भव्य स्वागत किया।

आमेर। गुणावता गांव में जगदीश नारायण मीणा कांगस जो कि नगर निगम विभाग से सेवा निवृत्त होकर सम्मानपूर्वक रिटायर हुए हैं, आज अपने जन्मस्थान बास की ढाणी, गुणवाता में बडे ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ पधारे।

उनके स्वागत के लिए गांववासियों ने विशेष तैयारियां की थीं। जैसे ही वे गांव की सीमा पर पहुंचे, वहां पर डीजे की धुनों के साथ फूलों की वर्षा कर उनका जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने ढोल–नगाड़ों के साथ नाचते–गाते हुए उन्हें गांव में प्रवेश कराया।

युवाओं की टोली ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में रंग–बिरंगे साफे पहनकर स्वागत किया और बुजुर्गों ने तिलक लगाकर श्री मीणा जी को आशीर्वाद दिया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर वातावरण को और भी भावुक व हर्षपूर्ण बना दिया। श्री जगदीश नारायण मीणा जी ने नगर निगम में अपने कार्यकाल के दौरान जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए, जिससे वे विभाग और समाज में एक आदर्श अधिकारी के रूप में प्रतिष्ठित हुए। गांव पहुंचने पर उन्होंने सभी ग्रामीणों को धन्यवाद दिया और कहा कि जीवन का सबसे सुंदर क्षण तब होता है जब व्यक्ति अपनी जन्मभूमि की मिट्टी को सिर पर धारण करता है।

भीण्डर के मिशन मधुहारी क्लिनिक मॉडल को देख विदेशी एक्सपर्ट प्रभावित

भीण्डर। भीण्डर के स्वतंत्रता सैनानी गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय जिला चिकित्सालय में संचालित मिशन मधुहारी क्लिनिक का विदेशी एक्सपर्ट ने अवलोकन किया। गैर संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और प्रबंधन के लिए जिला चिकित्सालय भीण्डर में संचालित मिशन मधुहारी क्लीनिक मॉडल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सराहना मिल रही है। अमेरिका व व लाओस कंबोडिसा से आए वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के दल ने भीण्डर पहुंचकर इस मॉडल का गहन निरीक्षण किया और स्थानीय चिकित्सा प्रणाली के नवाचारों की प्रशंसा की।

- स्वतंत्रता सैनानी गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय जिला चिकित्सालय में संचालित हैं टाइप वन डायबिटीज के लिए क्लिनिक

अमेरिका व कंबोडिया के सदस्यों ने देखी व्यवस्था

विदेशी प्रतिनिधिमंडल में शामिल अमेरिका से एनसीडर की ग्लोबल हेड क्लार्क, लाओस कंबोडिया के नेशनल हेड मिस्टर कुश, राजस्थान हेड ओशिन अजमल और उदयपुर हेड आशुतोष सिंह सेंगर ने प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से संचालित हो रहे मिशन मधुहारी क्लिनिक की कार्यशैली, प्रभावशीलता और समाज में इसकी पहुंच का विस्तार से अध्ययन किया। निरीक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने टाइप वन डायबिटीज से पीड़ित रोगियों और उनके परिजनों से सीधा संवाद किया तथा उनके अनुभवों को जाना। साथ ही भीण्डर क्षेत्र की भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों में इस रोग से लड़ने के जज्बें को सराहा। उन्होंने मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, जीवनशैली सुधारने और नियमित दवा सेवन की प्रेरणा दी। विशेषज्ञों ने क्लीनिक में नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही दवाएं, ग्लूकोमीटर, स्ट्रिप्स, इंसुलिन, और टेस्ट मशीन जैसी सुविधाओं की भी सराहना की। दवाओं के भंडारण कक्ष और उपकरणों की उपलब्धता एवं रख–रखाव को देखकर टीम ने संतोष व्यक्त किया।

भीण्डर की टीम ले रही हैं मरीजों का नियमित फॉलोअप : मिशन के स्थानीय प्रभारी डॉ. राजीव आमेटा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मिशन मधुहारी की शुरुआत, उद्देश्य और अब तक की प्रगति की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के सफल संचालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक आदित्य और डॉ. प्रणव भावसार का सतत मार्गदर्शन मिल रहा है। क्लिनिक के संचालन में नर्सिंग ऑफिसर कविता जाट, दीप्ति गुर्जर, रुचि गायरी और उपासना लबाना की भूमिका उल्लेखनीय रही है, जो प्रत्येक मरीज का नियमित फॉलोअप लेती हैं। मरीजों को इंसुलिन इंजेक्शन देना सिखाना, उपकरणों का उपयोग समझाना, और दवाएं समय पर उपलब्ध कराना इनका प्रमुख कार्य है। विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई कि इस मॉडल को अन्य जिलों और राज्यों में भी अपनाया जा सकता है, ताकि गैर संचारी रोगों की रोकथाम के क्षेत्र में भारत एक मजबूत उदाहरण बन सके।

आंगनवाड़ी बहन सम्मान दिवस 5 को

बांसवाड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में बहनों के सुरक्षा–सम्मान पर्व अभियान के तहत आंगनबाडी बहन सम्मान दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 5 अगस्त को रंगमंच में आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकों से वीसी के माध्यम से संवाद करेंगे। जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए व्यवस्था प्रभारी नियुक्त किये हैं। आदेशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक व बाल विकास परियोजना अधिकारी सज्जनगढ को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त कर उन्हें विभाग के रूप में सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण करने, जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों की सूची तैयार कर आमंत्रण भिजवाने के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। इसी प्रकार सीडीपीओ–सज्जनगढ, नमिता कुलश्रेष्ठ मप व रैना गुप्ता, बाल विकास परियोजना अधिकारी–घाटोल व सुनील कलाल वरिष्ठ सहायक, उपनिदेशक सूचना एंव जनसम्पर्क, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, आयुक्त नगर परिषद, अधीक्षण अभियंता अजमेर विद्युत वितरण निगम लि, सीडीपीओ–कुशलगढ़ राजेन्द्र सिंह सहायक प्रशासनिक अधिकारी बांसवाड़ा शहर, ममता भावसार सहायक लेखा अधिकारी–द्वितीय व सुभाष डामोर कनिष्ठ सहायक घाटोल तथा सीडीपीओ–गढी, राधा सरगडा मप बांसवाड़ा, दीपशिखा शहर और निलिमा वर्मा को आदेश की प्रति भिजवाते हुए उन्हें आवंटित कार्यों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

मोटर ट्रांसपोर्ट अण्डरटेकिंग का पंजीयन अनिवार्य

अलवर। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार मोटर वाहन अधिनियम की धारा 91 एवं मोटर ट्रांसपोर्ट वर्क्स एक्ट 1961 के प्रावधानों के अंतर्गत व्यावसायिक वाहन चालकों द्वारा प्रतिदिन 8 घंटे एवं सप्ताह में 48 घंटे तक ही वाहन संचालन करने के प्रावधान है। प्रत्येक मोटर ट्रांसपोर्ट अण्डरटेकिंग जिसमें 5 या अधिक मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर कार्यरत है का पंजीकरण श्रम विभाग में होना अनिवार्य है। श्रम विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में मोटर ट्रांसपोर्ट वर्क्स एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत श्रम विभाग में 183 अण्डरटेकिंग ही पंजीकृत है। अत: ऐसे मोटर ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग जिसमें 5 या अधिक मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर कार्यरत है अविलम्ब अपना पंजीकरण करवाया जाना सुनिश्चित करें।

डॉक्टर जीएस राठौड़ को भावभीनी विदाई

- ाक्टर जीएस राठौड ने काला कुआं सैटेलाइट अस्पताल में करीब साढ़े 18 साल अपनी सेवाएं दी

अलवर। काला कुआं सैटेलाइट अस्पताल में अपनी 35 साल की सेवा पूरी करने के बाद पीएमओ डॉक्टर जीएस राठौड आज सेवानिवृत्त हो गए। डॉक्टर राठौड को अस्पताल के कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। डाक्टर जीएस राठौड ने काला कुआं सैटेलाइट अस्पताल में करीब साढ़े 18 साल अपनी सेवाएं दी अपने व्यवहार और मरीजों की देखभाल के कारण बीस–बीस किलोमीटर दूर से मरीज उनसे उपचार कराने आने लगे थे आज भी उन्होंने अपने अन्तिम दिन मरीजों को दो बजे तक देखा डाक्टर राठोड की सेवानिवृति पर अनेको महिला मरीजों की आंखों से आंसू आ गए और वे भाउक होकर कहने लगी अब हमें कौन देखेगा हमारा कौन इलाज करेगा। मरीजों को भाउक होता देख डॉक्टर राठोड ने उनसे कहा कि आप चिन्तित ना हो मैं आपकी सेवा बाहर भी करूंगा आप मेरे घर आकर दिखा सकते है वो भी नि:शुल्क मेरे घर के दरवाजे मरीजों के लिए चौबीस घंटे खुले रहेगे। डॉक्टर राठोड द्वारा मिले आश्वासन के बाद मरीजों ने राहत की सांस ली। इस अवसर पर डॉक्टर राठोड ने अस्पताल कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा जो आपके साथ मेरा समय निकला है उसे मैं कभी भुला नही सकता आपके सहयोग के बिना अस्पताल इतनी बुलंदियों पर कभी नहीं पहुंच पाता मेरा आप सभी से निवेदन है कि मरीजों की सेवा ऐसे ही करते रहे क्योंकि मरीजो की निगाह में डॉक्टर एक भगवान का रूप होता है जो पीड़ित मरीज को नवजीवन प्रदान करने में सहायक होता है। इस मौके पर डॉक्टर विकास अठावाल,डा.प्रमिला मीणा, डा.सीताराम अठावाल, डा.मनीष भारद्वाज, डॉ.आलोक शर्मा, डा.रुचि मंगला, डा. प्रगति मित्तल,दीपक कुमार,गौरव अठावाल, मनफूल सिंह,अनीता कंवर,राजेन्द्र मीणा, रेणु तंवर, मीना पंचारी, महेन्द्री मीणा,युवराज लोकेष,प्रतीक शर्मा,गुलशन अठावाल,अशोक शर्मा वरि.सहायक,राकेश जैन नर्सिंग अधिकारी प्रभारी, सत्यभान मिश्रा,कपिल शर्मा, विजेंद्र मीणा, बाबू लाल,दौलतराम चौधरी, दिलीप गोठवाल, और कुंज बिहारी सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर पावटा आगमन पर जगह जगह भव्य स्वागत

विधानसभा क्षेत्र कोटपुतली के विधायक हंसराज पटेल का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया ।

पावटा। विधानसभा क्षेत्र कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर पावटा आगमन पर जगह जगह भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जहाँ पावटा कस्बे में भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा विधायक पटेल का माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

वही होटल ग्रीन पार्क पावटा में नरेंद्र डेलीगेट, सिद्धार्थ टोरडा, दिलीप व संदीप हुसडा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों व सर्व समाज के पदाधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा विधायक पटेल का माला व साफा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

जहां हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। हर कोई अपने प्रिय नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए उत्साहित था। यह समारोह केवल एक साधारण जन्मदिन नहीं था, बल्कि एक सामाजिक जनसेवा महापर्व के रूप में देखा गया। समारोह में कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जहां हर कोई विधायक पटेल के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना कर रहा था। बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया, बच्चों ने पुष्पगुच्छ भेंट किए, और महिलाओं ने उनका अभिनंदन किया। विधायक पटेल का स्वागत करने आए कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बुजुर्गों ने विधायक पटेल को आशीर्वाद दिया, जबकि विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की। सभी ने उनके निरंतर क्षेत्र सेवा के प्रति प्रशंसा प्रकट की। वही विधायक पटेल ने इस मौके पर सभी आगंतुकों और क्षेत्रवासियों का आभार प्रकट किया और उन्हें अपने निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

इस दौरान हिमांशु शर्मा, तेजू पण्डितपुरा, दिनेश राठी, विनय गोयल, सुरेश रामपुरा, हरिराम सैनी, दिनेश शर्मा, रामकरन वर्मा, सचिन यादव, प्रताप सैनी, नरेंद्र सैनी, अमित शेखावत, प्रेमदास महाराज सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एसपी ने शुरू किया अलवर में साइबर संग्राम ऑपरेशन

अलवर। अलवर पुलिस ने साइबर अपराध पर लगाम लगाने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए शुक्रवार से साइबर संग्राम ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

यह अभियान केस ऑफिसर स्कीम के अनुसार चलेगा। बेल प्राप्त करने वाले अपराधियों पर भी नजर रहेगी। दुबारा अपराध करने पर उनकी बेल भी रुकवाने के प्रयास रहेंगे। अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने शुक्रवार को मीडिया से जानकारी देते हुए कहा कि साइबर अपराधियों की संपति की खोजबीन शुरू कर दी है। कोई भी व्यक्ति इन अपराधियों और उनके अपराध व संपति की सूचना 8764502201, 8764874306 मांबाइल नंबर पर दे सकता है।

एसपी चौधरी ने कहा कि अभी दो से तीन कार्यवाही होने वाली है। आगे बडे स्तर पर की जाएगी। बीएनएस 107 व 111 के तहत एक्शन होगा। एसपी ने कहा कि हम चाहते हैं कि अपराधियों को बाहर की पुलिस को सुपुर्द किया जाए। साइबर करने वाले अपराधियों को पकडऩे के लिए सरकार के पोटर्ल की ट्रेनिंग अफसरों को दे रहे हैं। अफसरों को बाहर भी ट्रेनिंग पर भेजेंगे।

इसके लिए एसओपी जारी की है। इसमें डिटेल स्टडी बताई है। मानक प्रक्रिया दी है।

जिसके तहत हर पुलिसकर्मी जांच कर सकेगा। मानक प्रक्रिया में पूरे प्वाइंट होते हैं। ताकि सजा का अनुपात बढ़ सके। मानक प्रक्रिया को को रोज अपडेट करेंगे। अलवर जिले में साइबर को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे। आने वाले समय में विशेष फोकस कर कार्यवाही करेंगे। एसपी के साथ एएसपी तेजपाल सिंह भी थे।

मंत्री ऑटो टिपर का लोकार्पण करेंगे

अलवर । केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव 2 अगस्त शनिवार को सांय 4 बजे प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में 50 ऑटो टिपर (कचरा संठाहण वाहन) का लोकार्पण करेंगे । नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि नवम्बर 2024 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरण संरक्षण शुल्क निधि (ईपीसी फण्ड) ने नगर निगम अलवर को 50 ऑटो टिपर (कचरा संठाहण वाहन) खरीदने के लिए 4 करोड 50 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की जिससे निगम द्वारा 50 नए ऑटो टिपर क्रय किए हैं।

कार्यालय उपायुक्त हवामहल–आमेर जोन
नगर निगम हैरिटेज जयपुर
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com Ph. No. 0141-2329953
क्रमांक:-F51() Dept/Comm./H.M.A.Z./2025-26/ 489
आपत्ति सूचना दिनांक:- 25.7.25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शराफत खान पुत्र श्री मिश्री खान, श्रीमती फिरोज खातून पत्नि शराफत खान निवासी म.नं. बी-725 भट्टा बस्ती शास्त्री नगर जयपुर का पट्टा सयुक्त रूप से चाहने हेतु आवेदन किया गया है।
उक्त सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ सरकारी/ गैर सरकारी संस्था या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करें। मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
उपायुक्त हवामहल–आमेर जोन
नगर निगम हैरिटेज जयपुर

MUNICIPAL CORPORATION (GREATER), JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2025/606 Date : 31-07-2025
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3353063	On Divider, In Front of House No.B-139, Queens Road, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation (Greater), Jaipur

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक: (225773) जविप्रा / जोन-11/2025/डी-6269/डी-6342 दिनांक: 10/7/2025
विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष कुमार बाघला पुत्र श्री प्रभू दयाल बाघला द्वारा निजी खातेदारी की योजना गोकुल एनक्लेव के भूखण्ड सं. 180 क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड की लीजडीड क्रमांक 497 दिनांक 25.05.2017 को एवं गोकुल एनक्लेव-1 के भूखण्ड सं. 137 क्षेत्रफल 220.03 वर्गगज का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड की लीजडीड क्रमांक 496 दिनांक 25.05.2017 को श्रीमती भंवरी देवी बाघला पत्नी स्व. श्री मुरारी लाल के पक्ष में जारी की गई। तत्पश्चात् आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा जारी मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 23.04.2025 के अनुसार श्रीमती भंवरी देवी बाघला पत्नी स्व. श्री मुरारी लाल की मृत्यु दिनांक 07.03.2025 को हो चुकी है। श्रीमती भवरी देवी बाघला पत्नी स्व. श्री मुरारी लाल ने रजि. वसीयतनामा दिनाक 19.09.2014 के द्वारा श्री मनीष कुमार बाघला पुत्र श्री प्रभू दयाल बाघला के नाम वसीयत की गई। उक्त वसीयत में मूल आवंटी श्रीमती भंवरी देवी की मृत्यु पश्चात चल अचल संपत्ति का संपूर्ण अधिकार आवेदक श्री मनीष कुमार बाघला को दिया गया है। अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा प्रमाण / शपथ पत्र, वसीयतनामा आदि के आधार पर उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड से फ्री होल्ड, श्री मनीष कुमार बाघला पुत्र श्री प्रभू दयाल बाघला के पक्ष में किये जाने पर किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो. तो विज्ञप्ति प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को जोन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि पश्चात् प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन–11
जविप्रा जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम सुरेश कुमार की जगह सुरेश भोला रख लिया हैं। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम सुरेश भोला पुत्र श्री जोगिंदर पाल सिंह के नाम से जाना जाये। निवास-एफ-1/219 चित्रकूट योजना, गाँधी पथ, जयपुर।

मैंने अपना नाम राजीव से बदलकर राजीव यादव पुत्र श्री हरि राम यादव निवासी फ्लैट नं. 201, प्लाट नं. 19, एल्मेन्ट्स मॉल के पीछे, महात्मा गाँधी नगर, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे राजीव यादव के नाम से जाना पहचाना जावें।

मेरी पुत्री मेघा वर्मा के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम मुकेश वर्मा दर्ज है जो कि गलत है। मेरा सही नाम मुकेश कुमार वर्मा है। भविष्य में मेरी पुत्री के दस्तावेजों में मुकेश कुमार वर्मा के नाम से जाना जावें।

मैं हरीश कुमार मोरलिया पुत्र रामनिवास मोरलिया जाती रैगर निवासी देवली गांव तहसील देवली जिला टोंक राजस्थान सशपथ पूर्वक बयान करता हूॅ कि मेरे पुत्र चंद्र प्रताप सिंह की माता का नाम विद्यालय रिकॉर्ड में सुनीता देवी के नाम से इंद्राज (अंकित) है नाम परिवर्तन हेतु सशपथ बयान करता हूॅ कि भविष्य में मेरे पुत्र की माता को सुनीता देवी मोरलिया के नाम से जाना जाए।

मैंने अपना नाम राकेश सिंह जाट से बदलकर राकेश चौधरी पुत्र श्री सुगर सिंह जाट उम्र 31 वर्ष निवासी गांव दीवली, भुसावर, भरतपुर राजस्थान-321406 कर लिया है। यह परिवर्तन दिनांक 01.08.2025 को मेरे विभागाध्यक्ष श्री संजय जगदीश कर्णिक द्वारा प्रमाणित बंद पत्र के माध्यम से किया गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएं।

मैंने मेरा नाम अशोक कुमार गांधी से बदलकर अशोक गांधी रख लिया है भविष्य में मुझे अशोक गांधी के नाम से जाना पहचाना जावें। निवासी सी-119-ए, मंगल मार्ग, बापू नगर जयपुर

मैंने अपना नाम दिनेश कुमार पुत्र मोहन लाल शर्मा से बदलकर दिनेश शर्मा पुत्र मोहन लाल शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे दिनेश शर्मा के नाम से जाना जाये। पता बी-56, अनिता कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर

I, Reetu Chhipa D/o Ramesh Chand Chhipa R/o P No. 352, Rani Sati Nagar, Ajmer Road, Jaipur, Rajasthan-302019, hereby undertake that I, Reetu Chhipa want to change my name to Rhythmraj and Gender as MALE

I, hve changed my name from, Suresh Diwan Chand Lalwani to Suresh Lalwani S/o Diwan Chand for all purpose. Resi.-510, Vijay Marg, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :-5900 दिनांक :- 30/07/25
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 263/863 (-), (एरिया 96.000 वर्गमीटर,) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री तेजकरण खटीक पुत्र श्री टी. सी. खटीक को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 5979 दिनांक 27.02.2009 को जारी किया गया। श्री तेजकरण खटीक द्वारा श्रीमती भागवती चौहान पत्नी श्री जयपाल सिंह को दिनांक 02.06.2009 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती भागवती चौहान के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री तेजकरण के पक्ष मे पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहाँ दिनांक 02.09.2009 को पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती भागवती चौहान द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 30.10.2009 के द्वारा श्रीमती विभा उपाध्याय पत्नी श्री राजीव उपाध्याय को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती विभा उपाध्याय के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 7773 दिनांक 26.10.2020 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्रीमती विभा उपाध्याय द्वारा उक्त आवास को दिनांक 23.01.2025 के द्वारा श्री रामबीर सिंह पुत्र श्री पोदन सिंह को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर प्रथम, के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्री रामबीर सिंह पुत्र श्री पोदन सिंह द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास के रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री रामबीर सिंह पुत्र श्री पोदन सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (राज0)
क्रमांकः–ननिको(उ.) / जनस्वा0 / 2025 / 482–492 दिनांक :– 29.07.2025
–:: निविदा निरस्त सूचना ::–
इस कार्यालय द्वारा जारी नगर निगम कोटा उत्तर क्षेत्र के मुख्य मार्गो व अन्य आयोजनो हेतु आवाश्यकतानुसार सफाई कार्य हेतु 310 बीट श्रमिक आपूर्ति कार्य का वार्षिक अनुबंध कार्य हेतु ई–निविदा सूचना क्रमांक ननिको(उ) / जनस्वा0 / 2025 / 372–84 दिनांक 23.06.2025 को निविदा जारी की गई थी। उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणो से निरस्त किया जाता है।
यह आदेश सक्षम स्तर पर अनुमोदित है।
अति० आयुक्त
नगर निगम, कोटा उत्तर
राज.संवाद / सी / 25 / 7302

संक्षिप्त

हादसे में सात यात्री घायल

टोंक। निवाई थाना क्षैत्र में देर रात को जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ी गांव के पास रोडवेज बस के सामने अचानक गाय का बछडा आ जाने से बस असंतुलित होकर पलटकर खाई में गिर गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणो की सूचना पुलिस मौके पर पंहुची जहां उन्होने एंबुलेंस की सहायता से घायलो को निवाई सामुदायिक चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में सूचना पर पुलिस उपअधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा भी निवाई अस्पताल पहुंचे, घायलो से जानकारी ली, जहां बस में लगभग 25 से 30 यात्री सवार थे, जयपुर से टोंक की ओर जा रही थी। इस दौरान दुर्घटना में कुल 7 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए तथा 5 को अधिक गंभीर हालत में होने के कारण जिला अस्पताल टोंक रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना में बस की चपेट में आने से बछड़े की मौत हो गई।

भण्डारा शनिवार को

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम रघुनाथपुरा में बालाजी महाराज का विशाल भण्डारा शनिवार 02 अगस्त को दोपहर 12 बजे से आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक रतन फौजी अपनी प्रस्तुति देंगे। यह जानकारी एड. दिनेश कुमार अग्रवाल ने दी।

कार्यकारिणी की मासिक बैठक कल

कोटपूतली। डॉ. अम्बेडकर विचार मंच कोटपूतली की कार्यकारिणी की मासिक बैठक रविवार को ग्राम रामसिंहपुरा स्थित डॉ. अम्बेडकर छात्रावास में प्रात: 11 बजे समिति के जिलाध्यक्ष पूरण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। बैठक में पूर्व में लिये गये प्रस्तावों की क्रियान्विति की समीक्षा, छात्रावास के जीना नं. 02 के निर्माण एवं अन्य मरम्मत के लिये निर्माण समिति गठित करने व मंच समिति का ग्राम पंचायत स्तर पर उप-समितियां गठित कर विकेंद्रीकरण करने पर चर्चा की जायेगी।

दो शराब तस्कर सहित एक फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी के सुपरविजन में थानाधिकारी मेहन्दवास ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने दौराने गश्त मेहन्दवास कट एनएच-52 के पास दो संदिग्धो को डिटेन कर पूछताछ के बाद हरियाणा ब्राण्ड की अवैध शराब की तस्करी करना स्वीकार करने के

■ कार की तलाशी लेने पर कार की पीछे सीट से 2-3 फर्जी नम्बर प्लेटे मिली, जिसे जप्त किया गया।

बाद कार की तलाशी लेने पर कार की पीछे सीट से 2-3 फर्जी नम्बर प्लेटे मिली, जिसे जप्त किया गया। इस दौरान आरोपी अनुपसिंह पुत्र राजेश जाट उम्र 32 साल निवासी ग्राम कापडो थाना नारदोद जिला हिसार एवं रोहित साईपंवार पुत्र विजेन्द्र जाट उम्र 19 साल निवासी ग्राम बडेसरा थाना भवानी खेडा जिला भिवानी (हरियाणा) को बाद तलाशी के अवैध शराब की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार सदर थानाधिकारी जयमल सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम गठित की ।

पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

'अध्यक्ष का चुनाव असंवैधानिक'

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना स्थित शिव मन्दिर समिति के हाल ही में नव निर्वाचित हुए समिति के अध्यक्ष को आस पास की विभिन्न रजिस्ट्रेड 5 समितियों ने असंवैधानिक बताया है। चुनाव को असंवैधानिक बताने वाली समितियों के सभी अध्यक्षों का कहना है कि भैंसलाना शिव मन्दिर समिति में जो प्रजापति समाज के अध्यक्ष का चुनाव किया गया है, वह असंवैधानिक है। क्योंकि अध्यक्ष का यह चुनाव सम्पूर्ण प्रजापति समाज के सामने सम्पन्न नहीं किया गया था। जबकि यहां पर समाज के कुछ ही लोगों के द्वारा अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न करवा दिये गये है। और अपने निजी एवं परिचित व्यक्ति को अध्यक्ष बना दिया गया। इस लिए उनका चुनाव का यह तरीका सरासर गलत है। इसी क्रम में उन्होंने आगे बताया कि मेले के दौरान आयोजित होने वाले अध्यक्ष पद के चुनाव के आपसी विरोधाभास हो जाने के कारण इस्तगित किया।

सार-समाचार

4 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

बौंली -बामनवास । सवाई माधोपुर जिले में फसल के लिए उपयोगी यूरिया उर्वरक में विक्रय, वितरण में अनियमितताएं पाए जाने पर चार उर्वरक विक्रेताओं के उर्वरक प्राधिकृत विक्रय लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गये है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल ने बताया कि इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएमएस) के माध्यम से अप्रैल से जून 2025 तक की अवधि के अनुसार जिले में ऐसे कृषक चिन्हित किए गए जिन्होंने निर्धारित सीमा (20बाग) से अधिक यूरिया की खरीद दर्शायी गई थी। इन प्रकरणों से विक्रय भौतिक सत्यापन कराया गया, जिसमें कई मामलों में विक्रय की वास्तविकता संदिग्ध पाई गई, इस पर कृषि विभाग ने शक्ति रुख अपनाते हुए मैंसस श्री एसोसिएट, देवमोहन एंड ब्रदर्स सवाई माधोपुर, मैसस मंगल खाद भंडार गंगवाड़ा व बौंली एवं मैसस दिनेश खाद बीज भंडार मेगा हाईवे मलारना चौड द्वारा कृषकों को आवश्यकता से अधिक मात्रा में यूरिया विक्रय किया गया। इस पर यूरिया (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधान के अनुसार प्राधिकृत विक्रय लाइसेंस को निलंबित कर दिया गया है।

वृक्षारोपण किया

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा के द्वारा एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान के तहत सीबीईओ कार्यालय पावटा परिसर में उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिंदोलिया के सानिध्य में पौधारोपण किया । इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक व सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी, सुरेश कसाना, रेखा यादव, पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष एवं भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, कमलेश शर्मा, शिक्षाविद गजानंद टीलावत, सुनील कुमार, संदीप, विजय सिंह चौधरी, जुगल किशोर, सेवानिवृत श्याम सुंदर आर्य, चेतन शर्मा, सेवानिवृत्त रामजीलाल आर्य, ओमप्रकाश यादव, रतनलाल आर्य, राजू शर्मा सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव

टोंक। मेहन्दवास थाना क्षैत्र में दो दिन पहले घर से लापता किशोर गुरुवार को रस्सी से पेड़ पर लटका मिला। मेहंदवास थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मृतक सूरज पुत्र हेमराज भील उम्र 16 साल निवासी बरवास जो घर से नाराज होकर गत 29 जुलाई की शाम को बिना बताए निकल गया था, रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मेहंदवास पुलिस ने सूरज के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस कर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां सूरज पेड़ से लटका मिला। जहां पुलिस ने उसे पेड़ से उतारा तथा शव को टोडारायसिह अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया, वही पुलिस ने प्रकरण में अनुसंधान प्रारम्भ किया। ग्रामीणो ने बताया कि सूरज नवी कक्षा में पढ़ता था, जो दो भाई- बहन है तथा पिता मजदूरी करते है।

अतीक जिलाध्यक्ष बने

टोंक। ऑल इंडिया मेव महासभा (पंजी.) राष्ट्रीय सामाजिक संगठन ने मोहम्मद अतीक को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष खुर्शीद अहमद ने बताया कि अतीक के समाज के प्रति त्याग, समर्पण और सक्रिय योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। आशा जताई की वे इस जिम्मेदारी को पूर्ण निभाएंगे। प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष को आगामी दिनों में जिला कार्यकारिणी का गठन करें। संगठन ने अतीक से आग्रह किया कि वह समाजहित में संविधान के दायरे में रहकर कार्य करेंगे, समाज ने अतीक को बधाई देकर खुशी जाहीर की है।

किसान सम्मान उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत शनिवार 02 अगस्त को वाराणसी उत्तर प्रदेश बम आयोजित किसान सम्मान उत्सव दिवस में 20 वीं किस्त की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तान्तरित किये जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इस उपलक्ष्य में जिला स्तरीय किसान सम्मान उत्सव समारोह का आयोजन 02 अगस्त शनिवार को प्रात: 11 बजे राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली के सभागार में किया जायेगा।

जिला स्तर के कार्यक्रम राष्ट्र एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअली जुडेंगे। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्य आवंटित करते हुये समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। सहायक रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग अशोक दीप पिंगोलिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सहमति से लगाया गेट सफाई निरीक्षक ने उखाड़ा

सांभरझील, (निसं)। पड़ोसी की शिकायत पर नगरपालिका के सफाई निरीक्षक ने इतनी तत्पता से कारवाई करते हुए एक्शन लिया कि आस-पडोस में ही नहीं बल्कि इसकी चर्चा पूरे सांभर में फैल गई। सफाई निरीक्षक व टीम ने सिलाई केंद्र के पास वाली गली में रहने वाले कोर्ट के मुंशी गोविंद मांधना जो की सांभर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष भी हैं की ओर से आवारा जानवरों व चोरी चकारी के डर से सुरक्षा हेतु पार्षदों व पडोसियों की लिखित सहमति से लगाए गए गेट को मौके पर जाकर उखाड़ दिया बल्कि साथ भी लेकर के चले गए। बताया गया कि पालिका की ओर से गेट मालिक को न तो इसकी सूचना दी गई और न ही उन्हें हटाने का अथवा विधिवत नोटिस दिया गया। जिस व्यक्ति की ओर से शिकायत की गई है वह भी माहेश्वरी समाज का है। वह अब यहां नहीं रहता है तीन-चार महीने में एक बार आकर खाली पड़े मकान की साफ सफाई कर चला जाता है। यह गेट करीब 6-7 महीने से लगा हुआ है तब तो उसे कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन बताया जा रहा है कि उसके दिमाग में किसी ने राजनीतिक गंदगी भर दी। गेट मालिक गोविंद मांधना ने बताया कि जिस वक्त यह गेट तोड़ा जा रहा था वह घर से बाहर थे, उनकी धर्मपत्नी ने फोन कर उन्हें सूचना दी। मौके पर उनकी पत्नी ने भी पालिका वालों को ऐसा नहीं करने से रोका तो सफाई निरीक्षक ने उसका हाथ पकड़ कर साइड में हटा दिया। उनके साथ कोई महिला टीम भी नहीं थी। एक अकेली महिला के साथ इस प्रकार का बर्ताव कर पालिका ने अपनी निकृष्टता का उदाहरण पेश किया है। बताया गया कि गेट को लगाने से पहले गली वालों की सहमति व पार्षद धर्मेंद्र जोपट, पार्षद सलीम मोहम्मद, पार्षद बाबूलाल सांभरिया, पार्षद विजय प्रजापत को मौका दिखाया गया था तथा उन्होंने भी लिखित में सहमति दी थी कि गेट के लगाने से किसी को कोई ऑब्जेक्शन नहीं हो सकता है, क्योंकि उनका घर गली के लास्ट में है और आगे गली बंद है।

आवारा जानवारों के भय व चोरी से बचाव पर लगाये गये गेट को उखाड दिया गया ।

एसपी ने फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना

■ भाबरू थाने का औचक निरीक्षण कर थाना में आने वाले लोगों की समस्याओं को निबटाया

पावटा। कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्रकुमार विश्नोई ने बुधवार को विराटनगर वृत्ताधिकारी कार्यालय के अधीन भाबरू पुलिस थाने का निरीक्षण किया। जहां निरीक्षण के दौरान एसपी विश्नोई ने भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया को निर्देश दिए की, भाबरू थाना क्षेत्र में वांछित अपराधियों को लेकर व जुआ सट्टा व अवैध संचालित कार्यों पर रोकथाम लगाने को लेकर प्रभावी अभियान चलाकर बदमाशों की गिरफ्तारी की जाए। एसपी विश्नोई ने कोटपूतली एएसपी वैभव शर्मा एवं विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत की मौजूदगी में भाबरू थाने में मालखाना, हथियार मालखाना, एचएम कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष, अनुसंधान कक्ष, पुरुष हवालात, महिला हवालात व पुलिस थाने के मैस का निरीक्षण किया। पद भार संभालने के बाद पहली बार भाबरू थाने में निरीक्षण करने पहुंचे एसपी ने क्षेत्र में कानून, शान्ति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों सहित पुलिस जवानों की बैठक ली। इस दौरान एसपी विश्नोई ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को पुलिस थाना में आने वाले फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनने तथा उसका समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने में आने वाले किसी भी फरियादी को कोई भी परेशानी ना हो इसका ध्यान रखा जाए, साथ ही उन्होंने पुलिस थाने में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए तथा थाना प्रभारी को पुलिस गश्त व्यवस्था मजबूत करने, आमजन से आपसी समन्वय स्थापित करने सहित आदि को लेकर दिशा निर्देश दिए। इस दौरान थाने के विभिन्न मामलों के बारे में विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत व भाबरू थानाधिकारी अंकित सामरिया से जानकारी ली। वहीं थाने में साफ सफाई के साथ स्वच्छ वातावरण की सराहना की तथा सीएलजी बैठकों सहित जनसुनवाई का फीडबैक भी लिया। भाबरू थाने का निरीक्षण करने वाले देवेन्द्र कुमार विश्नोई पहले पुलिस अधीक्षक हैं। भाबरू थाना करीब 4 साल से एक धर्मशाला के भवन में संचालित हैं। बाद में नेशलन हाइवे स्थित खातोलाई में भूमि चिन्हित कर नए भवन का निर्माण कराया गया है। एसपी विश्नोई ने नए भवन का जाजया लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित भाबरू थाना अधिकारी अंकित सामरिया सहित अधिकारियों को भाबरू थाने को जल्द नए भवन में शिफ्ट करने की बात कही है।

एचपीसीएल डीलर सम्मानित

देवली । यहां पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड एचपीसीएल के डीलर किशन राम मोहनलाल को पेट्रोल डीजल शुद्ध गुणवंता और मापदंड की निष्पक्षता पर सौरभ जिंदल को सम्मानित किया। सौरभ जिंदल ने जानकारी में बताया कि एचपीसीएल ने राजस्थान प्रदेश से कुल 12 उत्तम डीलर चयनित किए हैं। जिसमें देवली शहर के मैसेज किशन राम मोहनलाल एचपीसीएल डीलर को पेट्रोल डीजल की शुद्ध गुणवत्ता व पूरी मात्रा तथा बेहतर बिक्री के आधार पर डीलर सौरभ जिंदल व पुनीत जिंदल को उत्तम डीलर में शामिल करके एचपीसीएल राजस्थान जोनल हेड के पी सतीश कुमार मुख्य महाप्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया। राजस्थान प्रांत के टोंक जिले से देवली शहर के इस पेट्रोल पंप को सम्मिलित किया जाना भी देवली शहर के लिए गौरव का विषय है।

देशभर के सौ श्रेष्ठ शिक्षकों तथा 50 स्कूल संचालकों का होगा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

■ आगामी 17 अगस्त को होगा आयोजन

■ देशभर की नामचीन हस्तियां करेंगी कार्यक्रम में शिरकत

कोटपूतली। देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशिष्ठ योगदान देने वाले शिक्षकों एंव संस्थानों को सम्मानित करने के उद्देश्य से हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकार्ड्स द्वारा आयोजित "स्कूल/टीचर्स ऑफ दा ईयर अर्वाड - 2025" का आयोजन आगामी 17 अगस्त 2025 को शालीमार बाग अजमेर रोड़ स्थित फॉक्सोसो फियोरी होटल जयपुर में आयोजित होगा। हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकोर्ड्स के चीफ एडीटर अभिषेक सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन का मुख्य उद्द्श्य देशभर के उन तमाम शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को पहचान देना है जो परंपरागत ढ्ढाँचों से हटकर शिक्षा के क्षेत्र में नवीनता लाकर छात्रों को प्रेरित कर रहे है और समाज के सकारात्मक परिवर्तन करा माध्यम बन रहे है। सोनी ने बताया कि यह अवार्ड शो शिक्षा के क्षेत्र में उतकृष्टता की नई मिशाल स्थापीत करेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सौ बेहतरीन शिक्षकों व 50 प्रभावशाली स्कूल तथा कोचिंग संचालकों को उनके नवाचार तथा समाज निर्माण में योगदान के लिए सम्मानित किया जायेगा। यह कार्यक्रम न केवल सम्मान का अवसर होगा बल्कि शिक्षा जगत के अग्रदूतों को एक साझा मंच पर लाकर संवाद, सहयोग और प्रेरणा का वातावरण निर्मित करेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में देश की नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी। आपको बता दें कि चीफ एडीटर अभिषेक सोनी स्वंय राष्ट्रीय गणित रिकॉर्ड होल्डर हैं तथा वे अपने मैथ मैजिक समेमिनार्स एवं मेमोरी सांइस के लिए देशभर में जाने जाते है। हिन्दुस्तान बुक ऑफ रिकार्डस की और से ऐसे तमाम शिक्षाविदों एवं संस्था निदेशकों से आवेदन आमन्त्रित किये है। जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार तथा कौशल विकास के लिए अपनी दूरदर्शिता सोच के साथ समाज निर्माण की भावना से शिक्षा को नई दिशा दे रहे है।

ध्वजारोहण के साथ कांवड यात्रा का श्रीगणेश

बांसवाड़ा । मंदारेश्वर मंदिर पर बडा रामद्वारा के सन्त राम प्रकाश महाराज ने ध्वजारोहण कर कांवड यात्रा कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। कावड़ यात्रा संघ मंदारेश्वर की ओर से वागड़ प्रयाग बेणेश्वर धाम से मंदारेश्वर तक दो दिवसीय भव्य कावड़ यात्रा 3 व 4 अगस्त को होगी। संत रामप्रकाश ने कहा कि श्रावण मास शिवोपासना का पवित्र और सर्व मनोकामना सिद्धि व शिव को बिल्व पत्र व जलाभिषेक कर सुख समृद्धि ऐश्वर्य की प्राप्ति का मास है। संत ने भगवान मंदारेश्वर मंदिर में पूजन अर्चन बिल्व अर्पण व जलाभिषेक कर आरती की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दत्त मंदारेश्वर सेवा संस्थान के अध्यक्ष पं. प्रेमकांत जोशी ने की जबकि विशिष्ट अतिथि कावड़ यात्रा संघ के संरक्षक कान्तिलाल पटेल व अध्यक्ष रणजीत सिंह शेखावत रहे। संघ के महामंत्री प्रफुल्ल दक ने बताया कि 3 अगस्त को प्रात: से बड़ी संख्या में कावड़ यात्री अपने-अपने वाहनों से मंदारेश्वर के दर्शन करने के पश्चात् बेणेश्वर धाम स्थित त्रिवेणी संगम पहुंचेगे एवं माही, सोम, जाखम की त्रिवेणी वागड़ प्रयाग आबुदरा का पूजन अर्चन आरती कर अपनी कावड़ो व कलशों में त्रिवेणी का जल लेकर 45 किमी नंगे पैर पैदल चलकर मंदारेश्वर पहुंचेगे एवं 4 अगस्त को प्रात: मंदारेश्वर महादेव का त्रिवेणी के जल से जलाभिषेक करेगें। ध्वजारोहण कार्यक्रम में आरके अय्यर, एसएन सुहालका, हर्ष कोठारी और जय गिरिराज सिंह चैहान मौजूद रहे। संचालन बृजमोहन तूफान ने किया ।

कोटपुतली में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां, जरुरी आदेश दिए

कोटपूतली। स्वाधिनता दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को गरिमामयपूर्ण एवं उत्साहपूर्वक मनाये जाने के लिये की जाने वाली तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि स्वाधिनता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय कोटपूतली में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि तैयारियों के सम्बंध में दी गई जिम्मेदारियों को समय पर पूर्ण करें। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट को निर्देश दिये कि मानसून को मद्देनजर रखते हुये मुख्य समारोह स्थल पर वॉटर प्रूफ टैण्ट, जल भराव की निकासी, मिट्टी का भराव एवं अन्य प्रकार की समस्त तैयारियां पूर्व में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने एसडीएम बृजेश चौधरी को मिनट टू मिनट कार्यक्रम तैयार कर परेड, मार्च पास्ट को सुनियोजित करने को कहा। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग में विशेष कार्य करने वाले अधिकारियों, कार्मिकों, खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षा में मैरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित करने हेतु आवेदन समय पर एडीएम ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में गठित समिति को आवश्यक रूप से भिजवायें। जिला कलक्टर ने स्वाधिनता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की चयन समिति को आवश्यक निर्देश प्रदान करते हुये कहा कि कार्यक्रम देश भक्ति व शिक्षाप्रद प्रवृति से ओतप्रोत होने चाहिये। बैठक में एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि 14 एवं 15 अगस्त को प्रमुख चौराहों, ऐतिहासिक दरवाजों एवं राजकीय व मुख्य भवनों पर रंगीन एवं आकर्षक रोशनी की व्यवस्था और विशेष सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य समारोह स्थल पर स्टेज, बैठक व्यवस्था, साउण्ड, विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिये तथा सीएमएचओ डॉ. आशिष सिंह शेखावत को एम्बूलेंस मय चिकित्सा दल एवं जीवनरक्षक दवाओं के साथ कार्यक्रम स्थल पर रखने के निर्देश दिये। साथ ही वीरांगनाओं को कार्यक्रम में ससम्मान लाने व ले जाने की उचित व्यवस्था करने को कहा। साथ ही पुलिस विभाग को सुरक्षा संबंधी इंतजाम करने के निर्देश दिये। बैठक में संबंधित जिला स्तरीय विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोटपूतली में जिला कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक ली ।

■ राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह

जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित

पावटा । उपखंड पावटा स्थित मुछारा मार्किट केनरा बैंक के पास भांकरी रोड पावटा में गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ता रामकरण राठी के 36वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में भगत सिंह ग्रुप पावटा के तत्वावधान व सत्यम ब्लड बैंक जयपुर की टीम के सहयोग से एक दिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के शुभारंभ सामाजिक कार्यकर्ता रामकरण राठी ने स्वयं रक्तदान कर किया, इसके बाद अन्य रक्तदाताओं ने भी रक्तदान किया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता रामकरण राठी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की मृत्यु निश्चित हैं, लेकिन कई लोगो की मृत्यु दुर्घटनाओं एवं अन्य बीमारी के दौरान रक्त की कमी से होती है। ऐसे में रक्तदान के द्वारा मनुष्य को अकाल मृत्यु से बचाया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक शारीरिक रूप से सक्षम व्यक्ति को जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए, जिससे पुण्य की प्राप्ति भी होती है। शिविर के दौरान करीबन 70 यूनिट रक्तदान हुआ। साथ ही राठी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बारिश के मौसम में सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण व गौ शालाओं में गौ सेवा की। वही इस दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, गोपाल अठावाल, जी एल यादव, डॉ. सुरेंद्र यादव, संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति संयोजक नीरज सैन, नीलेश चौधरी, पंकज जिंदल, भीमा राठी, अमित मंढा, राकेश गिठाला, अमित गजराज, सीताराम गेट, मनीष जांगिड, राजेंद्र चौधरी, धीरज सारण सहित कई लोग मौजूद रहे।

छात्रों व शिक्षकों को ग्रीन स्कूल की अवधारणा बताई

केन्द्रीय विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया।

■ विशेष एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

फुलेरा । कस्बे की रेल परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय परिसर में ग्रीन स्कूल विषय पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान "ग्रीन स्कूल" विषय पर एक विशेष एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य नरेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ जीवनशैली और ग्रीन स्कूल की अवधारणा से अवगत कराना था। इस दौरान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में जोबनेर से पधारे सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ. सुरेश कुमार यादव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि "ग्रीन स्कूल केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है, यह एक सोच है - जिसमें हम ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, कचरा प्रबन्धन और स्वच्छ परिवेश को प्राथमिकता देते हैं।" उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे पर्यावरण के रक्षक बनें और अपने घरों तथा समाज में भी हरित पहल करें। जबकि कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य नरेन्द्र सिंह यादव द्वारा स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा, "ग्रीन स्कूल की अवधारणा नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और चेतना को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा विद्यालय इस दिशा में अठासर है और विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।" इस अवसर पर स्कूल परिसर में मुख्य वक्ता और उनकी टीम के साथ वृक्षारोपण किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बड़ी उत्सुकता से कार्यक्रम में भाग लिया और विशेषज्ञ से सवाल पूछकर पर्यावरणीय विषयों पर समझ को और गहरा किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन शिक्षक कैलाश चन्द रैगर ने किया।

खेल जगत

हम वतन कोनेरू हम्पी के खिलाफ फिडे महिला विश्व कप फाइनल खेलते समय उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं था क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं था।
- दिव्या देशमुख

भारतीय शतरंज खिलाड़ी, महिला विश्वकप जीतने के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶

रिंकू सिंह

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएसए पद पर नियुक्ति में उनकी शैक्षिक योग्यता आड़े आ रही है, जिसके चलते उनकी फाइल रोक दी गई है। इस बारे में विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आगे जो भी निर्देश होंगे, उस आधार पर कदम उठाए जाएंगे। खेलों के लिए सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विगत आठ सालों में एक तरफ ग्रामीण स्तर तक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है तो दूसरी तरफ पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ उन्हें सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने इस सीरीज में कुल तीन हजार एक सौ अठानवे रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका का रिकॉर्ड तोड़ा है।

सिराज और कृष्णा ने इंग्लैंड को 247 रन पर रोका

हैरी ब्रूक व जायसवाल ने खेली अर्द्धशतकीय पारी, भारत का स्कोर 75/2

लंदन, 1 अगस्त। ओवल टेस्ट का दूसरा दिन भारतीय टीम के नाम रहा। शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया ने अंठोजों पर 52 रन की बढ़त बना ली है। स्टंप्स तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 51 और नाइट वॉचमैन आकाश दीप 4 रन के स्कोर पर नाबाद लौटे।

साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर चल रहे मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 23 रन की बढ़त बनाई थी। टीम 247 रन पर ऑलआउट हो गई। ओपनर जैक क्रॉली ने 64, हैरी ब्रूक ने 53 और बेन डकेट ने 43 रन बनाए। भारत से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को 4-4 विकेट मिले। एक विकेट आकाश दीप के खाते में आया। क्रिस वोक्स चोट के कारण बैटिंग करने नहीं उतरे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की (चार-चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को तीसरे सत्र में 247 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि इंग्लैंड को 23 रनों की मामूली बढ़त हासिल ले ली है।

चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड का आठवां विकेट गस ऐटकिंस (11) के रूप में गिरा। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। 247 के स्कोर पर सिराज ने हैरी ब्रूक को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी का अंत किया। हैरी ब्रूक ने 64 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 53 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। चोटिल क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए नहीं आये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज 16.2 ओवर में 86 रन देकर चार विकेट लिये।

वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 16 ओवर में 62 रन देकर चार विकेट झटके। एक बल्लेबाज को आकाश दीप ने आउट किया। इससे पहले सुबह के सत्र में भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने बैजबाल अंदाज में तूफानी शुरुआत की। उसके दोनों ओपनरों ने 12.5 ओवरों में 92 रन की शानदार शुरुआत कर डाली। लेकिन दूसरे सत्र में भारत ने छह विकेट लेकर शानदार वापसी की।

आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने सबका ध्यान खींचा

लंदन, 1 अगस्त। आकाश दीप के जोश भरे जश्न ने आज द ओवल में रौनक बिखेर दी, जब भारतीय तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को एक तेज गेंद पर आउट किया और उसके बाद एक ऐसा जश्न मनाया जिसने सबका ध्यान खींचा। यह घटना पांचवें और अंतिम टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड की पारी के 13वें ओवर में हुई। डकेट ने एक साहसी रिवर्स स्कूप की कोशिश की और गेंद किनारे से लगकर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास पहुंच गई, जिसके बाद आकाश दीप ने जश्न मनाया, आउट हो रहे बल्लेबाज की ओर बढ़े और उसके सामने ही मुट्ठी बांधी, फिर उसके कंधे पर हाथ रखकर कुछ विदाई शब्द कहे। केएल राहुल ने गेंदबाज को धीरे से दूर खींचकर मामला बिगड़ने से रोका। हालांकि यह जश्न आक्रामक से ज्यादा जोश भरा लग रहा था, लेकिन इसकी तीव्रता के कारण मैच अधिकारियों की नजर इस पर पड़ सकती है। डकेट के 38 गेंदों पर 43 रन बनाकर आउट होने से जैक क्रॉली के साथ उनकी 92 रनों की ओपनिंग साझेदारी टूट गई और इंग्लैंड की सहज शुरुआत में भारत को पहली सफलता मिली। इस सलामी बल्लेबाज़ की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल थे, जिससे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.1 ओवर में 93/1 रन बना लिए।

शार्दुल ठाकुर करेंगे पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी

मुम्बई, 1 अगस्त। पश्चिम क्षेत्र चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी दलीप ट्रॉफी मैचों के लिए शार्दुल ठाकुर को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बीकेसी स्थित एमसीए की शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी में आज हुई चयन बैठक के बाद शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। टीम में मुंबई के सात खिलाड़ी, गुजरात के चार, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के दो-दो खिलाड़ी को जगह दी गई हैं। टीम में ठाकुर के अलावा मुंबई के बड़े नामों में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर और सरफराज खान शामिल हैं। महाराष्ट्र के रुतुराज गायकवाड़ भी टीम का हिस्सा हैं। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में जगह नहीं मिली है।

भारतीय टीमों ने लंदन 2026 विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

कोलकाता, 1 अगस्त। भारत की पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने काठमांडू के राष्ट्रीय टेबल टेनिस केंद्र में आयोजित 2025 दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद, लंदन में 2026 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रत्येक लिंग के लिए केवल 16 प्रतिष्ठित एशियाई कोटा स्थान उपलब्ध होने के कारण, दांव बहुत ऊंचा था। मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया के चार क्षेत्रीय चैंपियनों ने डब्ल्यूटीटीसी के लिए सीधे क्वालीफाई किया - जो अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने आज कहा, भारतीय टीमों ने अपनी गहराई और दबदबे का प्रदर्शन करते हुए, अपनी जगह पक्की करने में कोई गलती नहीं की। दोनों भारतीय टीमें पांच देशों के राउंड-रॉबिन प्रारूप में अपराजित रहीं, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में उनकी श्रेष्ठता और पुष्ट हुई।

वोक्स टेस्ट के बाकी मैच से बाहर

लंदन, 1 अगस्त। क्रिस वोक्स ओवल में पहले दिन लगाए गए डाइव के दौरान अजीब तरह से जमीन पर गिरने के बाद अपने बाएं कंधे में चोट लगा बैठे जिसके बाद वह बाकी मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को दूसरे दिन के खेल से पहले एक बयान में कहा, इस समय, इस चोट के कारण वह आगे टेस्ट मैच में भाग नहीं ले पाएंगे। वोक्स को भारत की पहली पारी के 57वें ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी। उन्होंने मिड-ऑफ से गेंद का पीछा किया और डाइव लगाकर गेंद को वापस रस्सियों के अंदर खींच लिया। लेकिन वह अजीब तरह से जमीन पर गिरे और तुरंत ही अपना बायां कंधा पकड़े हुए दिखाई दिए। इंग्लैंड, जो पहले से ही इस मैच में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर की सेवाओं से वंचित है, के पास अब केवल तीन तेज गेंदबाज़ी विकल्प होंगे - जोश टंग, गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन। लेकिन उन्होंने भारत को पहली पारी में 224 रन पर समेट दिया। वोक्स, जिन्होंने सभी पांचों टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया है, पूरी सीरीज में इंग्लैंड के लिए एक बेहतरीन गेंदबाज़ रहे हैं। उन्होंने 181 ओवर फेंके - दोनों टीमों में किसी और से ज्यादा और 11 विकेट लिए।

आरसीए सीनियर वर्ग फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) शुरू

जयपुर 1 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी सीनियर राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता की पूर्व तैयारी के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आज से जयपुर में राज्य के सीनियर खिलाडियों (पुरुष) का फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) आयोजित किया जा रहा है। आज पहले दिन लगभग 40 खिलाडियों ने आरसीए द्वारा आयोजित किये जा रहे फिटनेस स्किल सेशन (यो-यो) में आरसीए की सीनियर टीम के फिजियो मगन सिंह, ट्रेनर राम सैनी व आरसीए अंडर 23 टीम के ट्रेनर अखिल गर्ग के निर्देशन में भाग लिया।

प्रशिक्षक बनने के लिए देनी होगी परीक्षा : डॉ. नीरज कुमार पवन

ओलंपिक 2036 के लक्ष्य को लेकर प्रशिक्षकों की नियुक्ति

जयपुर, 1 अगस्त। राजस्थान में पहली बार राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा चार नये खेलों को प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया गया है। घुड़सवारी, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग, योगा और मलखम्भ के खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती की जायेगी। इससे पहले कभी भी इन खेलों के प्रशिक्षक परिषद में कार्यरत नहीं थे, लेकिन अब राज्य के विभिन्न स्थानों पर इन खेलों के प्रशिक्षक शीघ्र ही कोचिंग देते नजर आयेगें।

डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने कहा कि इनमें कई खेल ओलम्पिक में शामिल है। इन खेलों के प्रशिक्षको की भर्ती करने से वर्ष 2036 ओलम्पिक खेलों में राजस्थान के खिलाडियों को भी तैयारी का पूर्ण मौका मिलेगा। क्याकिंग एण्ड कैनोइंग का उदयपुर में अच्छा स्कोप जबकि मलखम्भ और योगा तो पूरे भारत में खेले जा रहे है। घुड़सवारी के लिए किसी प्राईवेट क्लब से टाईअप करके खिलाडियों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।

उन्होने बताया कि विभिन्न खेलों में 140 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी। स्वीकृत पदो मे सर्वाधिक पद 18 एथलेटिक्स के है। इसके अलावा कुश्ती के 4, हॉकी के 8, तीरन्दाजी के 7, बास्केटबॉल के 15, वॉलीबॉल एवं कबड्डी के 7-7, फुटबॉल के 9, हैण्डबॉल के 8, जिम्नास्टिक एवं बॉक्सिंग के 3-3, भारोत्तोलन के 2, साईक्लिंग, क्रिकेट, टेनिस के 2-2, तैराकी के 5, बैडमिन्टन के 5, खो-खो के 5, शूटिंग के 10, टेबल टेनिस के 4, घुड़सवारी के 5, क्याकिंग एण्ड कैनोइंग के 3, वूशू, योगा और मलखम्भ के 2-2 प्रशिक्षको की नियुक्ति की जायेगी।

प्रशिक्षको की नियुक्ति लिखित परीक्षा और स्किल व फिटनेस टेस्ट के आधार पर की जायेगा। 100 अंको का जनरल नॉलेज का पेपर होगा, जिसमे जियोग्राफी, इतिहास, कल्चरल, करंट अफेयर्स आदि का पेपर होगा और दूसरा पेपर स्पोट्र्स एजूकेशन का पेपर होगा। दोनो पेपर 100-100 नम्बर के होंगे। इसके बाद खेल परिषद् द्वारा प्रशिक्षको का स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा। यह फिटनेस टेस्ट भी 100 नम्बर का होगा, जबकि प्रशिक्षको की उपलब्धियो के आधार पर ही 50 नम्बर तय किये गये है। तद्पश्चात् ही वे प्रशिक्षक के पद पर चयन के पात्र होंगे। फिटनेस टेस्ट सेना और बाहर के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों द्वारा स्किल व फिटनेस टेस्ट लिया जायेगा।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि इनमें कुछ और भी खेलों को जोडा जाना सम्भव है। इस संबंध में बातचीत की जा रही है। फाईनल होना बाकी है। उन्होने बताया कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों के संबंध में कहा कि शीघ्र ही खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सवाई मानसिंह स्टेडियम व पूर्णमा यूनिवर्सिटी आदि स्थानों का दौरा करेगें और इन खेलों के लिए सुविधाओं का जायजा लेगें।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, खेल मंत्री, राजस्थान सरकार ने बताया भर्तियों में निष्पक्षता व पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए तृतीय श्रेणी प्रशिक्षकों की भर्ती को लेकर पहली बार इस भर्ती का आयोजन राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से करवाया जा रहा है। लिखित परीक्षा, खेल कौशल, खेल उपलब्धि व अनुभव को वरीयता प्रदान करते हुए योग्य प्रशिक्षकों की भर्ती हो, ऐसा सरकार का प्रयास है।

एआईएफएफ ने बनाया खालिद मजील को भारतीय टीम का मुख्य कोच

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति (ईसी) ने खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। महासंघ की तकनीकी समिति की सिफारिश पर आज बुलाई गई वर्चुअल बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद खालिद जमील को सीनियर पुरुष भारतीय राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाये जाने का फैसला लिया गया।

बैठक में एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे, उपाध्यक्ष एनए हारिस, कोषाध्यक्ष किपा अजय, कार्यकारी और तकनीकी समितियों के सदस्यों, दोनों द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच बिमल घोष और अरमांडो कोलासो और ध्यानचंद पुरस्कार विजेता शब्बीर अली की उपस्थिति में, एआईएफएफ के तकनीकी निदेशक सैयद साबिर पाशा और राष्ट्रीय टीम के निदेशक सुब्रत पॉल ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के चयन के लिए खालिद जमील, स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविच के नामों का प्रस्ताव रखा। इस दौरान हुई चर्चा में सदस्यों ने तीनों नामों पर विचार करने के बाद लगातार दो बार में एआईएफएफ के पुरुष कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित खालिद जमील को बहुमत के आधार पर कोच बनाया गया। भारत को इस महीने के आखिर में सीएएफए नेशंस कप 2025 में भाग लेना है, जिसके बाद अक्टूबर में सिंगापुर के खिलाफ लगातार दो एएफसी एशियन कप फाइनल राउंड क्वालीफायर मैच खेलने हैं।

खेल परिषद के क्रिकेट अकादमी में कंटीली झाड़ियों का अंबार, सुविधा के नाम पर जीरो

जयपुर, 1 अगस्त। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान की हालत बहुत ही ज्यादा खराब है कि इस बरसात के मौसम में भी क्रिकेट अकादमी में आने वाले क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाले छोटे बच्चों को कंटीली झाड़ियों में से होकर गुजरना पड़ता है। पहले खिलाड़ियों को कहा जाता था कि ''कम एंड प्ले '' अब कहा जाता है ''पे एंड प्ले''। इसके बावजूद राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद क्रिकेट मैदान को देखकर लगता ही नहीं है कि यह मैदान क्रिकेट प्रेक्टिस करने वाली अकादमी का है। मैदान के अंदर ओर मैदान के बाहर बढ़े हुए पेड़, हर तरफ़ कचरा बिखरा हुआ पड़ा हुआ है। मैदान में प्रेक्टिस करने आने वाले खिलाड़ियों के पैरों पर कंटीले झाड़ लगते हैं। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा शॉट लगाया जाता है तो फील्डर को गेंद वापस लेकर आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो गेंद झाड़ियों में दिखती नहीं है। न मैदान की घास कटी हुई है और ना ही बरसात का पानी निकालने का कोई इंतेज़ाम है साथ ही नेट फटे हुए हैं। पूरे अकादमी का हाल बेहाल पड़ा हुआ है। इन सभी परेशानियों को देखकर भी किसी अधिकारी, कर्मचारी, कोच ओर ग्राउंड स्टाफ ने ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की।

हेनरी के कहर से न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट में नौ विकेट से पीटा

बुलावायो, 1 अगस्त। मैट हेनरी (कुल नौ विकेट) और मिचेल सैंटनर (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में कल के दो विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज मैच के तीसरे दिन सुबह के सत्र में विलियम ओरूर्क ने निक वेल्च (चार) और विनसेंट मसेकेसा (दो) को आउटकर जिम्बाब्वे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन इसके शॉन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। मिचेल सैंटनर ने शॉन विलियम्स को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। शॉन विलियम्स ने 66 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 49 रनों की पारी खेली। इसके बाद मैट हेनरी ने क्रेग इरविन (53 गेंदों में 22 रन) और सिकंदर रजा (पांच) को अपना शिकार बना लिया। न्यूमैन न्यामहुरी (एक), ब्लेसिंग मुजारबानी (19) और टी तिसगा (27) को आउटकर जिम्बाब्वे को 67.1 ओवर में 165 के स्कोर पर समेट दिया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए आठ रनों का लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने चार विकेट लिये।

मुंबई वानखेड़े स्टेडियम में विराट-धोनी और रोहित के साथ दिखेंगे लियोनेल मेसी

मुंबई, 1 अगस्त। फुटबॉल की दुनिया का बादशाह और अर्जेंटीना के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान लियोनेल मेसी 14 साल लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर आ रहे हैं। 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मेसी कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे।मेसी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मानित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेसी भारत के स्टार क्रिकेट खिलाड़ियो के साथ वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच में मेसी के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और एम एस धोनी जैसे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। सात-साथ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाने वाले मुकाबले में दर्शकों मेसी की ड्रिब्लिंग की जगह क्रिकेट का क्लास देखने का मौका मिलेगा। ये भारतीय क्रिकेट और फुटबॉल फैंस के लिए एक अनोखा नजारा होगा। एमसीएके एक अधिकारी ने बताया कि, मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि व पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। आयोजक जल्द ही सभी औपचारिकताओं के फाइनल होने के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेला था। 14 साल बाद मेसी भारत आ रहे हैं तो उनके फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं।

यूएई, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 29 से

कराची, 1 अगस्त। पाकिस्तान इस महीने के अंत में 29 अगस्त से शारजाह में शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा। यह टूर्नामेंट सितंबर में एशिया कप से पहले होगा, क्योंकि उपमहाद्वीप की टीमें अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं। शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान का सामना पिछले साल के टी20 विश्व कप सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान से होगा। तीनों टीमें दो-दो बार आमने-सामने होंगी, और शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। दोनों टीमें शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पांच बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुकी हैं, जिसमें पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को तीन बार हराया है, जबकि अफगानिस्तान दो बार विजयी रहा है। पाकिस्तान इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेल रहा है। उसे पिछली सीरीज में बांग्लादेश से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, अफगानिस्तान ने आखिरी बार दिसंबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में हिस्सा लिया था, जब उसने जिम्बाब्वे को तीन मैचों की श्रृंखला में 2-1 से हराया था। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई भी मई में बांग्लादेश के खिलाफ यादगार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत के बाद इस टूर्नामेंट में शामिल हो रहा है।

राजस्थान राज्य सब जूनियर बालिका फुटबॉल चैम्पियनशिप

बीकानेर, झुंझुनूं, नागौर और जयपुर ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

जयपुर, 1 अगस्त। आज राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम पर राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता आरंभ हुई। संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि टूर्नामेंट में राजस्थान की नो टीमें भाग ले रही है आज खेले गए प्रीक्वार्टर मुकाबले में झुंझुनू ने जोधपुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एकमात्र प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झुंझुनूं ने जोधपुर को 11- 0 से पराजित किया मनीषा 2 गोल, दीपिका 1 गोल, अपर्णा 4 गोल, रिया ने 4 गोल, किये। पहला क्वार्टर: फाइनल मैच मुकाबला में बीकानेर ओर भीलवाड़ा मध्य मैच था पर भीलवाड़ा टीम नहीं आने से बीकानेर को वॉक ओवर मिला। दूसरा क्वार्टर: फाइनल मैच में झुंझुनू ने हनुमानगढ़ को 10-0 पराजित किया। झुंझुनूं की तरफ से रिया 6 गोल , अर्पणा 4 गोल, किए। तीसरे क्वार्टर : फाइनल मैच में नागौर ने अजमेर को 3 - 1 से पराजित किया राधिका, अनुराधा, रुचिका, ने एक एक गोल किए अजमेर की तरफ से कोमल ने एकमात्र गोल किया। आज सेमीफाइनल में बीकानेर का मुकाबला झुंझुनू से और नागौर का मुकाबला जयपुर से होगा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सुबह सेमीफाइनल और शाम को 4 बजे फाइनल मैच खेला जाएगा।

जयपुर ने गत विजेता श्रीगंगानगर को हराया

राजस्थान राज्य सब जूनियर गर्ल्स फुटबॉल प्रतियोगिता के आज खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जयपुर की टक्कर गत विजेता श्रीगंगानगर से हुई। दोनों ही टीमों ने मैच के प्रारंभ होते ही एक दूसरे पर हमले करना शुरू कर दिया। जहां गंगानगर की टीम पावर गेम से खेल रही थी वहीं जयपुर की टीम ने स्किलफुल गेम खेला। फर्स्ट हॉफ में मैच के 30 वे मिनट में जयपुर ने गंगानगर की टीम पर जोरदार हमला किया और डी में गंगानगर की डिफेंडर के हाथ लगने से जयपुर को पेनल्टी मिली लेकिन इस अहम मौके पर जयपुर की फॉरवर्ड के शॉट को श्रीगंगानगर की गोलकीपर ने शानदार तरीके से रोक कर अपनी टीम पर जयपुर को बढ़त लेने से रोक लिया। मध्यांतर तक दोनों टीमों का स्कोर 0 - 0 रहा। मध्यांतर के बाद जयपुर ने और भी सधी फुटबॉल खेली और उनके खिलाड़ियों ने छोटे-छोटे पास बनाकर गंगानगर टीम पर दबाव बनाना शुरू किया जिसके फलस्वरूप मैच के 72 मिनट में जयपुर की फारवर्ड वेदांशी ने डी से बॉल अपने कब्जे में लेते हुए एकांकी प्रयास से शानदार मैदानी गोल मार कर अपना और टीम का पहला गोल किया। जवाब में श्रीगंगानगर की टीम ने कुछ अच्छे आक्रमण किये लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति जिसमें डिफेंडर कप्तान तनीषा और गोलकीपर पायल यादव ने अहम योगदान दिया और विपक्षी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। अंत में मैच जयपुर ने 1 - 0 के स्कोर से जीत लिया।

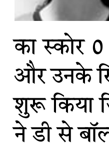

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को वर्तमान ट्रैफिक स्थिति को सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

जयपुर के प्रमुख चौराहों को सिग्नल फ्री करने की योजना बनायें

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था पर बैठक में निर्देश दिये

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों व आमजन से सुझाव लेकर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था विकसित करें। मानसून के बाद हीरापुरा बस टर्मीनल से बसों का संचालन किया जाए।**

जयपुर, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर की वर्तमान ट्रैफिक व्यवस्था को तुरंत सुगम एवं सुचारू बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात संचालन हेतु भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत दीर्घकालीन कार्ययोजना के लिए गृह एवं यातायात विभाग, जेडीए, शहरी विकास एवं आवासन व स्वायत्त शासन विभाग मिलकर सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करें।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के प्रमुख शहरों एवं जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पुलिस एवं यातायात के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को जागरूक करते हुए ट्रैफिक सेंस को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर शहर में वाहनों के सुगम संचालन और जाम से राहत के लिए व्यापारियों एवं आमजन से सुझाव लेकर व्यस्ततम मार्गों पर वन वे टैफिक संचालन की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के चिन्हित ऑटो और बस स्टैण्ड के स्थानांतरण को शीघ्र लागू किया जाए। इसी क्रम में हीरापुरा बस टर्मिनल से मानसून के तुरंत बाद बसों का संचालन किया जाए। मुख्यमंत्री ने यातायात नियमों की सख्त पालना कराने और उल्लंघन पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए भविष्य में प्रमुख चौराहों को चिन्हित कर सिग्नल फ्री ट्रैफिक संचालन की कार्ययोजना बनाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार की पूर्व मतदान सूची में 22 लाख मृत पाये गये

पटना, 01 अगस्त। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बिहार में चलाये गये विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया, जिसके अनुसार पूर्व में सूची में जुड़े 22 लाख मतदाता मृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञिप्त में जानकारी दी गयी कि बीएलओ की सहायता से कराये गये सर्वेक्षण में 22 लाख, 34 हजार (2.83 प्रतिशत) मतदाता मृत पाये गये, 36 लाख, 28 हजार (4.59 प्रतिशत) मतदाता स्थानांतरित हो चुके थे, सात लाख, एक हजार (0.89 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम अन्य स्थानों पर भी पंजीकृत पाये गये।

निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत राज्य भर में बीएलओ के माध्यम से कुल सात करोड़, 89 लाख, 69 हजार, 844 गणना प्रपत्र मुद्रित करा कर संबंधित मतदाताओं के बीच वितरित किये गए थे। इनमें से 16 लाख से अधिक आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किये गये।

ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

उन्हें 17000 करोड़ के लोन फ्रॉड व मनी लॉण्डरिंग के मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिये बुलाया

■ **लुकआउट नोटिस तब जारी किया जाता है, जब जांच एजेन्सी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।**

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ ती दिख रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के चेयरमैन के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। इसका सीधा मतलब है कि उन पर देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है।

ईडी ने उन्हें 17,000 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। यह कार्यवाही मुंबई और अन्य शहरों में एडीएजी की कंपनियों से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी की ओर से की गई छापेमारी के बाद हुई है। ईडी की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई है। जांच वित्तीय अनियमितताओं और लोन के गलत इस्तेमाल के एक जटिल नेटवर्क पर केन्द्रित है।

17,000 करोड़ रुपये के कर्ज धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करना और यात्रा प्रतिबंध लगाना, यह दर्शाता है कि जांच एजेंसी इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रही है। अनिल अंबानी के खिलाफ एलओसी जारी करना सामान्य कदम नहीं है। यह तब किया जाता है, जब जांच एजेंसी को लगता है कि आरोपी व्यक्ति देश छोड़कर भाग सकता है या जांच में सहयोग नहीं कर रहा है।

इस कदम से सभी हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर अलर्ट जारी हो गया है। इससे अनिल अंबानी की विदेश यात्राओं पर रोक लग गई है। यह एक साफ संकेत है कि ईडी इस मामले की तह तक जाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वह अनिल अंबानी की उपस्थिति को सुनिश्चित करना चाहती है।

अधिकारियों का कहना है कि यह जांच सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर और सेबी जैसे अन्य नियामक निकायों की रिपोर्ट पर आधारित है। ईडी की जांच में लोन के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से, 2017 और 2019 के बीच यस बैंक की ओर से अंबानी की ग्रुप कंपनियों को दिए गए 3,000 करोड़ रुपये के लोन पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

जांचकर्ताओं ने कई अनियमितताओं की बात कही है। इसमें बैकडेटेड क्रेडिट अप्रूवल, उचित जांच की कमी और विभिन्न ग्रुपों और शेल कंपनियों के फंड का गलत इस्तेमाल शामिल है।

शाहरुख खान, विक्रांत मैसी व रानी मुखर्जी को राष्ट्रीय पुरस्कार

दिल्ली में 71 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा

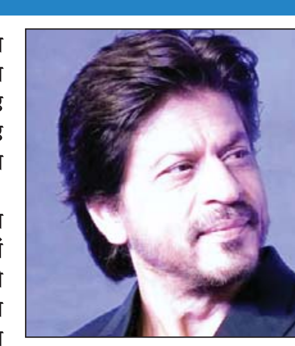

शाहरुख खान

विक्रांत मैसी

रानी मुखर्जी

नयी दिल्ली , 01 अगस्त। किंग खान के नाम से मशहूर शाहरूख खान और अभिनेता विक्रांत मैसी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

राजधानी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में शुक्रवार को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। शाहरुख को उनकी फिल्म जवान और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए अवॉर्ड मिला है। रानी मुखर्जी को फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। फिल्म 'कटहल' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के लिये चुना गया है।

करण जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को संपूर्ण मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित '12वीं फेल' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म चुना गया, जबकि 'द केरला स्टोरी' के लिए सुदीप्तो सेन ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवॉर्ड अपने नाम किया।

सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। 'सैम बहादुर' को वेशभूषा और मेकअप के लिए भी सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी (हिंदी) के लिये कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट को मिला।

■ **शाहरुख खान को फिल्म ''जवान'' तथा मैसी को ''12 वीं फेल'' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया है। रानी मुखर्जी को ''मिसेज़ चटर्जी वर्सेज़ नॉर्वे'' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया है।**

फ्लॉवरिंग मैन को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार; गॉड वल्चर एंड ह्यूमन को सर्वश्रेष्ठ वृत्तिचत्र का पुरस्कार मिला । विजयराघवन और मुथुपेट्टई सोमू भास्कर ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता तथा उर्वशी और जानकी बोडीवाला ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। हनु-मान को (एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार गिद्ध द स्कैवेंजर को मिला।

ट्रंप को जवाब -भारत अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा

वाइट हाउस में फरवरी 2025 में ट्रंप ने मोदी से ये विमान खरीदने की पेशकश की थी

■ **रिपोर्ट के अनुसार भारत घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिज़ाइन और निर्माण पर केन्द्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखता है। भारत की ओर से अब तक ट्रंप की पेशकश का जवाब नहीं दिया गया।**

नई दिल्ली, 1 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर लगातार चर्चा जारी है। हालांकि, इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, इस बीच भारत की ओर से भी बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान को खरीदने से इनकार कर दिया है।

ब्लूमबर्ग ने अधिकारियों के हवाले से जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी प्रोडक्ट्स की खरीद में तेजी लाने पर विचार करने के बावजूद, भारत सरकार द्वारा अमेरिका से एडिशनल डिफेंस प्रोडक्ट्स खरीदने की संभावना नहीं है। ब्लूमबर्ग की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका को सूचित कर दिया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2025 में अमेरिका की यात्रा की थी और व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी।

इस दौरान ट्रंप ने भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया है कि भारत सरकार घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित पार्टनरशिप में ज्यादा रुचि रखती है। भारत के रक्षा मंत्रालय ने अब तक इस बारे में जवाब नहीं दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने रूस से आयात करने के लिए भारत पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की, यह 25 प्रतिशत शुल्क से अलग होगा। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत 'कम व्यापार' किया है, क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे कहा- "भारत ने हमेशा अपने सैन्य उपकरणों का बड़ा हिस्सा रूस से खरीदा है, और चीन के साथ रूस के ऊर्जा के सबसे बड़े खरीदार हैं, जबकि हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।"

'दिल्ली में अब कोई झुग्गी नहीं हटेगी'

नयी दिल्ली, 01 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी में अब कोई भी झुग्गियां नहीं हटायी जायेंगी और इसके लिए रेलवे तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित सभी सरकारी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं। गुप्ता ने कहा कि अगर विकास कार्य आदि को लेकर झुग्गी हटाई भी जाती है, तो उन्हें पहले वैकल्पिक आवास दिया जाएगा। राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवारकर उन्हें झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। उनका कहना है कि जरूरत पड़ी तो सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए कोर्ट भी जाएगी। उन्होंने कहा , दिल्ली में बसी झुग्गियां देश की राजधानी का एक अनिवार्य अंग हैं। इनका दिल्ली में वर्षों से निवास हैं। विपक्षी पार्टी ने हमेशा से ही झुग्गी वालों को वोट बैंक की राजनिति में फंसाए रखा है, लेकिन हमारी सरकार उनको सही मायनों में दिल्ली का निवासी बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

कोर्ट ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप का दोषी माना

बैंगलुरु की विशेष अदालत में शनिवार को सजा सुनाई जायेगी

■ **प्रज्वल रेवन्ना जनतादल (सैक्यूलर) के नेता हैं तथा हासन लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के पौत्र तथा कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के पुत्र हैं।**

मैसूरु, 1 अगस्त। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। यह मामला हासन जिले के होलेनरसिपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ दर्ज पहला रेप केस था। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यह केस काफी चर्चा में रहा था। अब इस मामले में सजा का ऐलान शनिवार को होना है। बेंगलुरु की विशेष अदालत में इस मामले की सुनवाई हो रही है।

बेंगलुरु स्थित एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी तथा अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सजा का ऐलान अब शनिवार (2 अगस्त) को होना है। रेवन्ना पिछले साल दर्ज किए गए चार आपराधिक मामलों में मुख्य आरोपी हैं। जब 2,000 से अधिक अश्लील वीडियो क्लिप, जिनमें कथित तौर पर कई महिलाओं के यौन शोषण को दर्शाया गया था, सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। रेवन्ना के खिलाफ पहली शिकायत अप्रैल 2024 में एक महिला ने दर्ज कराई थी, जो उनके परिवार के फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। उसने रेवन्ना पर 2021 से बार-बार बलात्कार करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर दुर्व्यवहार के वीडियो जारी करने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

'चाहे आप रिटायर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करना जारी रखने का आग्रह करता है। इन बयानों को नज़रअंदाज करना ही सबसे अच्छा है।"

मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि वे भारत विरोधी बयान दे रहे हैं, जो उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में नहीं करना चाहिए।

राहुल गांधी अगले सप्ताह कर्नाटक के अपने दौरे पर एक प्रेस कॉन्फ्रैंस आयोजित करेंगे, जहाँ उनसे चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी के संबंध में कुछ विस्फोटक खुलासे की उम्मीद है। इस सब का निशाना है बिहार में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण और वो तरीका, जिससे बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ पहुंचाने के लिए लाखों मतदाताओं को सूचियों से हटा दिया गया है।

विपक्ष एसआईआर के मुद्दे को इसी सत्र में समाप्त कर देना चाहता है, ताकि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल जैसे अन्य चुनाव वाले राज्यों में भी ऐसा ही न करे।

लेकिन यह स्पष्ट है कि राहुल की स्पष्ट और सटीक बात, और नरेन्द्र मोदी की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ आक्रामकता, मोदी और उनकी टीम के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है।

राज्यसभा में सीआईएसएफ कर्मियों की उपस्थिति का विरोध

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्ष ने राज्यसभा में विरोध प्रदर्शनों के दौरान सदन के बीचोंबीच केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को भेजे जाने का आरोप लगाते हुए इसका कड़ा विरोध किया है और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरवंश को पत्र लिख कर यह मुद्दा उठाया है। खड़गे ने सभी विपक्षी दलों की ओर से लिखे पत्र में कहा है कि कल और आज सदन में सदस्य जब विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस दौरान दिखा कि सीआईएसएफ के कर्मी अंदर बीचोंबीच आ कर खड़े हो गये थे।

'एसटी वर्ग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि कोई भी ऐसा कानून नहीं बनाया जा सकता, जो महिलाओं के खिलाफ भेदभाव पैदा करता हो। अनुच्छेद 14 महिलाओं के लिए समानता की गारंटी देता है।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा और अधिवक्ता लखन शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता अपने पिता की इकलौती संतान है। उसने अपनी पैतृक संपत्ति में अपने अधिकारों की घोषणा के लिए उपखंड अधिकारी के समक्ष वाद दायर किया था। इस दौरान, प्रतिवादी ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, की धारा 2(2) के प्रावधानों के आधार पर सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत अर्जी पेश कर वाद खारिज करने की मांग की। प्रतिवादी ने कहा कि यह अधिनियम एससी वर्ग के सदस्यों पर लागू नहीं होता। इस अर्जी को एसडीओ ने खारिज कर दिया। इसके खिलाफ प्रतिवादी ने राजस्व मंडल में याचिका पेश की, जिसे मंडल ने गत 9 जून को स्वीकार कर लिया। बोर्ड ने माना कि याचिकाकर्ता मीणा समुदाय की सदस्य है और उसे पैतृक संपत्ति में उत्तराधिकार का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे में एसडीओ के सम्मुख लंबित वाद खारिज हो गया। इसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि एसटी वर्ग की बेटियों के खिलाफ भेदभाव करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है और सुप्रीम कोर्ट भी इस संबंध में निर्देश दे चुका है।

1974 से चला आ रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, राज्य सरकार उस क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि 1969 में राज्य सरकार ने उक्त भूमि को पूरी तरह अवाप्त कर सवाईचक करने की कार्यवाही पुनः शुरू कर दी थी और इस दौरान त्रिलोकीनाथ ने किसी अदालत में पूरी जमीन का सवाईचक होने पर आपत्ति नहीं जताई।

विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि वर्ष 1990 में कई तथ्यों को छूपाते हुए और 1979 में दी गई आंशिक राहत का लाभ लेते हुए, मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ ने सिविल जज से एक आदेश अपने पक्ष में कर लिया, जिसके तहत उसे प्रति बीघा 40,000 रुपये तथा 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति और 15 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाए। विज्ञान शाह ने अदालत को कहा कि इस आदेश से पूर्व किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने त्रिलोकीनाथ को भूमि का मालिक नहीं माना था।

वहीं मूल पक्षकार त्रिलोकीनाथ के वंशजों की ओर से अदालत में बार बार कहा गया कि उनके पिता ने जमीन मूल जागीरदारों से खरीदी थी और जागीरदार ने ही उन्हें भूमि का स्वामित्व और पट्टा जारी किया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि टी. एन. साहनी केवल 1979 द्वारा दिये गये आंशिक अदालतीए राहत के बल पर उक्त जमीन पर मालिकाना हक का दावा कर रहे है। अदालत ने कहा कि 'राजस्थान टनेन्सी एक्ट, 1955' के लागू होने के बाद से मूल पक्षकार के द्वारा ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं दिखाया गया, जिससे उसे इस अधिनियम के तहत भूमि का कब्जादारी या कास्तकार होने का हक मिल सके। अदालत ने 1979 के आदेश में कही पर भी खातेदारी के अधिकार टी.एन. साहनी के पक्ष में नहीं दिए केवल आंशिक राहत देते हुए कहा था कि पक्षकार के कब्जे में जमीन पर राज्य सरकार कार्यवाही न करें।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी के समक्ष त्रिलोकीनाथ ने उक्त भूमि पर अपना मालिकाना हक होने का दावा पेश नहीं किया और न ही किसी अदालत से उन्हें यह हक मिला। अदालत ने अपने आदेश पर कहा कि त्रिलोकीनाथ किसी भी तरह के मुआवजे के हकदार नहीं है और उन्होनें समय-समय पर धोखाधड़ी और तथ्य छुपाकर भूमि पर मालिकाना हक पाने की कोशिश करी है और जागीरदारी अधिनियम के हटने और राजस्थान टनेन्सी एक्ट के लागू होने से पूर्व एक नाबालिग जागीरदार की जमीन हथियाने की कोशिश करी है। उन्होंने कहा कि जो पट्टा उनके द्वारा पेश करा गया वह भी कानूनी तौर पर त्रुटियों से भरा हुआ है। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि टी.एन. साहनी कभी भी यह साबित नहीं कर पाए कि उन्होने उक्त भूमि पर किसान बनकर हल चलाया। अदालत ने कहा कि 1990 में दिये गये आदेश से जाहिर होता है कि अदालत ने भी त्रिलोकीनाथ द्वारा दिये गये तथ्यों को 'फेस वैल्यू' पर ही सही मान लिया और कभी भी भूमि अधिग्रहण अधिकारी को अदालत में नहीं बुलाया जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उक्त भूमि कभी भी त्रिलोकीनाथ की नहीं थी। इसके साथ ही अदालत ने त्रिलोकीनाथ के वंशजों द्वारा मुआवजे की करोड़ों की मांग को भी खारिज कर दिया।

छात्रसंघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांगा। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जवाब के लिए समय देते हुए प्रकरण की सुनवाई टाल दी।

याचिका में बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केरल विश्वविद्यालय के मामले में इसे मूलभूत अधिकार माना है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूलभूत अधिकार को किसी कानून या कोर्ट आदेश से छीना नहीं जा सकता। वहीं, लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के तहत, हर साल छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। कमेटी की सिफारिश के अनुसार सत्र शुरु होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए।

'अन्य देशों को अब अमेरिका की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का असली असर धीरे-धीरे सामने आएगा।

कुछ चीजें, जिनकी कीमतों पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, जैसे कि यूरोपीय वाइन, अब पहले से ज़्यादा महंगी हो जाएंगी, क्योंकि अमेरिका ने यूरोपीय वाइन को छूट वाली सूची में शामिल नहीं किया, जैसा कि फ्रांस, जर्मनी या इटली के बेहतरीन वाइन उत्पादक चाहते थे।

अमेरिका अपने उत्तरी पड़ोसी, कैनडा को सबसे अधिक सामान्य शुल्कों में से एक से दंडित करना चाहता है। अमेरिका ने कैनडा के निर्यात पर 35 प्रतिशत का शुल्क लगाया, क्योंकि कैनडा, अमेरिका की इच्छानुसार, एक समझौते को अंतिम रूप देने में विफल रहा।

मेक्सिको और चीन को फिलहाल इस मौजूदा दौर में छूट दी गई है, क्योंकि उन दोनों के साथ व्यापार वार्ता अभी चल रही है।

इसी तरह, सबसे प्रतिष्ठित वस्तुओं में से एक, स्विस घड़ियां, भी महंगी हो जाएंगी, क्योंकि स्विट्जरलैंड को सबसे अधिक शुल्क वाली श्रेणियों में रखा गया है। स्विस घड़ियों पर अमेरिका में प्रवेश के लिए 39 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। एक ब्रिटिश-आधारित कंपनी, जो यूके और यूएसए में स्विस घड़ियों का यह व्यापार संभालती है, का कहना है कि इससे मांग में कमी आएगी।

भारत को अपेक्षाकृत उच्च शुल्क श्रेणी (25 प्रतिशत) में रखा गया है। तथापि, यदि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए डॉनल्ड ट्रम्प के दंडात्मक शुल्क भी साथ-साथ शुरू होते हैं, तो भारत को अमेरिकी बाजारों से बाहर निकाला जा सकता है।

भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात, (भारत इन वस्तुओं के सबसे बड़े सप्लायरों में एक है) पर अब 10 प्रतिशत के बजाय 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। ताइवान, जो दूसरा प्रमुख निर्यातक है, पर थोड़ी कम दर, यानी 20 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। भारत से कपड़ों, जूतों और एक्सेसरीज़ के निर्यात पर भी भारत के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा।

शुल्क के वास्तव में प्रभावी होने से पहले एक छोटी सी मोहलत अभी उपलब्ध है। अभी और अक्टूबर के बीच की गई सभी वर्तमान शिपमेंट को नए शुल्कों से छूट मिलेगी। हालांकि, यह एक छोटी सी मोहलत है, क्योंकि इन शिपमेंट को बहुत पहले से बुक किया जाता है, इसलिए इतनी कम अवधि में इनमें बहुत ज़्यादा इज़ाफा नहीं किया जा सकता।

कई देशों ने अब राहत और संतोष की भावना व्यक्त की है कि घोषित शुल्क कम से कम परेशानी वाले हैं। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाएगा, जिसे वह एक जीत मानता है, क्योंकि पहले 41 प्रतिशत की कहीं अधिक दर घोषित की गई थी। शुल्क यह इस देश को इंडोनेशिया, पाकिस्तान या वियतनाम जैसे अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के साथ एक सापेक्ष समानता पर रखता है।

शुल्क का अंतिम प्रभाव संतुलित होगा। क्योंकि अमेरिका एक बहुत बड़ा बाज़ार है तथा निर्यातक, मांग पर शुल्क के प्रभाव की भरपाई के लिए अपनी अंतिम कीमत कम करने का विकल्प चुन सकते हैं।

हालांकि इसकी स्पष्ट सीमाएं हैं, क्योंकि वर्तमान स्थिति में भी, लाभ इतना बड़ा नहीं है कि कोई देश बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए शुल्क की सीमा तक कीमतें कम कर सके।

बेशक, चीन जैसे कुछ देश हैं, जो कमाई के लिए निर्यात की कीमतों में भारी कमी करने का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन यह लंबी अवधि में मदद नहीं करता है, सिवाय इसके कि प्रतिस्पर्धियों की कीमत पर बाजार में हिस्सेदारी बनाए रखी जाए या बढ़ाई जाए।

सोमवार, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कोर्ट के गलियारों में काफी भीड़ होती है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन दिनों इन स्थानों पर बड़ी संख्या में इन्टर्न्स होते हैं और वरिष्ठ वकीलों और नियमित प्रैक्टिशनरों को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में जाने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कई मामलों में, इन्टर्न्स बार के सदस्यों द्वारा अनुरोध किए जाने पर भी अपनी सीटें खाली नहीं करते हैं, जिससे वकीलों को और असुविधा होती है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908